page 1 and 8 Apr 14_page 1 Mar 25 final ds.qxd 4/14/2026 2:07 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

देहात संदेश की ओर से सभी पाठकों को वैसाखी की हार्दिक शुभकामनाएं

3 नशे के खिलाफ गूंजा नुक्कड़ नाटक आत्मचिंतन

5 झांसी के सीतारामदास का यूपी अंडर 17 क्रिकेट टीम में चयन

8 उपमुख्यमंत्री ने मीरां साहिब में पुल परियोजना के कार्य का निरीक्षण किया

मौसम जम्मू — न्यूनतम 18 — अधिकतम 25

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-90 | जम्मू तवी, मंगलवार 14 अप्रैल, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

पुंछ में मिला जंग लगा मोर्टार का गोला

पुंछ, 13 अप्रैल । सोमवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के मेंढर सेक्टर के एक अग्रिम गांव में एक पुराना जंग लगा मोर्टार का गोला मिला। अधिकारियों ने बताया कि मेंढर के बालाकोट इलाके में संदोते के पास एक खुले मैदान में ग्रामीणों ने मोर्टार का गोला देखा।

अधिकारियों ने बताया कि सेना के बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया द्वऔर बाद में नियंत्रित विस्फोट में मोर्टार के गोले को सुरक्षित रूप से नष्ट कर दिया गया है।

जम्मू-कश्मीर में 13-15 अप्रैल तक मौसम रहेगा शुष्क

श्रीनगर, 13 अप्रैल । मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर ने अगले कुछ दिनों में जम्मू-कश्मीर में बड़े पैमाने पर शुष्क रहने की भविष्यवाणी की है। इस सप्ताह के अंत में रुक-रुक कर बारिश और तेज़ हवाएँ चलने की संभावना है।

नवीनतम पूर्वानुमान के अनुसार 13 से 15 अप्रैल तक पूरे केंद्र शासित प्रदेश में मौसम की स्थिति आम तौर पर शुष्क रहेगी। 16 अप्रैल को मौसम यादातर शुष्क रहने की संभावना है, हालांकि शाम या रात के दौरान अलग-अलग स्थानों पर हल्की बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं।

17 अप्रैल से मौसम में बदलाव की उम्मीद है आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे और जम्मू-कश्मीर में कई स्थानों पर हल्की बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान है। मौसम कार्यालय ने 17-18 अप्रैल के दौरान 40-50 किमी/घंटा की गति से तेज़ हवाएं चलने और कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की भी चेतावनी दी है। इसके बाद 19 से 23 अप्रैल तक फिर से मौसम आमतौर पर शुष्क रहने का अनुमान है। इस बीच किसानों के लिए एक सलाह जारी की गई है जिसमें उनसे सूखे की आशंका के मद्देनजर 16 अप्रैल तक कृषि कार्य जारी रखने का आग्रह किया गया है। मौसम विभाग ने 16 अप्रैल तक कई स्थानों पर दिन के तापमान में 2-4 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि की भी भविष्यवाणी की है।

23 जून से होगी मुख्य परीक्षा

जम्मू, 13 अप्रैल । जम्मू-कश्मीर लोक सेवा आयोग ने जेके कंबाइंड कंपेटिटिव (मुख्य) परीक्षा 2025 की तारीख को संशोधित करते हुए इसे अब 23 जून 2026 से आयोजित करने का निर्णय लिया है। आयोग ने बताया कि परीक्षा की विस्तृत डेटशीट अलग से जारी की जाएगी और उम्मीदवारों को संशोधित कार्यक्रम का ध्यान रखने की सलाह दी गई है।

उपराज्यपाल सिन्हा ने पुलिस को दी खुली छूट, तस्करों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश

सिन्हा ने पूरे जेएंडके में ड्रग नेटवर्क खत्म करने के लिए 30 दिन की समय सीमा तय की

लोगों को भरोसा दिलाया कि कोई भी अपराधी सज़ा से बच नहीं पाएगा

कठुआ, 13 अप्रैल । जम्मू-कश्मीर में चल रहे नशा मुक्ति अभियान के तहत कठुआ में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने नशा तस्करों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने के स्पष्ट निर्देश दिए। पदयात्रा से पहले कठुआ के स्पोर्ट्स स्टेडियम में अपने संबोधन में उन्होंने जम्मू कश्मीर पुलिस को नशे के कारोबार में लिप्त लोगों के खिलाफ फ्रखुली छूटफ्र देते हुए सख्त कार्रवाई करने को कहा।

उपराज्यपाल ने कहा कि जिन क्षेत्रों में नशे का प्रसार हो रहा है, वहां के हॉटस्पॉट चिन्हित किए जाएं और नशा तस्करों की विस्तृत सूची तैयार की जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि ऐसे तस्करों पर कड़ी नजर रखी जाए, उन्हें गिरफ्तार किया जाए और उनकी संपत्तियों को कुर्क कर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जो लोग नशे के अवैध व्यापार के जरिए फल-फूल रहे हैं, उन्हें चिन्हित कर उनके खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएं। मनोज सिन्हा ने अपने संबोधन में यह भी स्पष्ट किया कि नशे की चपेट में आए युवाओं को अपराधी नहीं, बल्कि पीड़ित के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने 'करुणामय पुनर्वास' को इस अभियान का मुख्य आधार बताते हुए कहा कि नशे के आदी लोगों को अपराधी नहीं, बल्कि पीड़ित के रूप में देखा जाना चाहिए, जिन्हें उपचार, सहयोग और मार्गदर्शन की आवश्यकता है। उपराज्यपाल ने पुलिस और प्रशासन को निर्देश देते हुए कहा कि नशा तस्करी के नेटवर्क को जड़ से खत्म करने के लिए समन्वित प्रयास किए जाएं और जम्मू-कश्मीर के युवाओं को नशे के दलदल से बाहर निकालने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

ड्रग सिंडिकेट्स को आने वाली सख्त कार्रवाई की चेतावनी देते हुए, उपराज्यपाल ने कहा कि हाल ही में जारी की गई एक ज़बरदस्त स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजरके तहत, तस्करों के पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, आधार कार्ड और हथियारों के लाइसेंस रद्द करके उन्हें पूरी तरह से कुचल दिया जाएगा। उपराज्यपाल ने कहा, "NDPS एक्ट के तहत, हम उनकी सभी चल और अचल संपत्तियाँ ज़ब्त कर लेंगे, उनके बैंक खाते फ्रीज़ कर देंगे, और उनकी पूरी तरह से वित्तीय जाँच करेंगे। मैं जम्मू-कश्मीर के लोगों को भरोसा दिलाना चाहता हूँ कि कोई भी अपराधी सज़ा से बच नहीं पाएगा। उन्होंने महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों से अपील की कि वे ड्रग्स के दुरुपयोग के मामलों पर नज़र रखने और अपने-अपने इलाकों में होने वाली गतिविधियों के बारे में सीनियर अधिकारियों को जानकारी देने के लिए एक महिला निगरानी दस्ता बनाएँ। उन्होंने NGOs और सामाजिक कार्यकर्ताओं को ज़मीनी स्तर पर प्रयास करने और लोगों से फीडबैक लेने की ज़िम्मेदारी सौंपी। उन्होंने कहा, एक नशामुक्त जम्मू-कश्मीर किसी एक व्यक्ति के प्रयासों से नहीं, बल्कि हम सबके मिलकर काम करने से ही बन पाएगा। समाज को यह समझना होगा कि ड्रग्स सिर्फ़ किसी एक व्यक्ति की जान ही नहीं लेते, बल्कि वे पूरे गाँव, वार्ड और शहर की इज़्ज़त और भविष्य को भी तबाह कर देते हैं उपराज्यपाल ने कहा, आइए, हम सब मिलकर एक ऐसा जम्मू-कश्मीर बनाएँ, जहाँ हमारे युवाओं की ऊर्जा पूरी दुनिया को रोशन करे, न कि खुद को ही तबाह कर ले।

जवान दुश्मन की किसी भी शत्रुतापूर्ण कार्रवाई का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं: मेजर जनरल

जम्मू, 13 अप्रैल । ऐस ऑफ स्पेड्स डिवीजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) मेजर जनरल कौशिक मुखर्जी ने सोमवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर के राजौरी और पुंछ जिलों में सेना के जवान हाई अलर्ट पर हैं और दुश्मन की किसी भी शत्रुतापूर्ण कार्रवाई का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

सीमावर्ती जिले में राजौरी दिवस कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने स्थानीय जनता की भूमिका की सराहना की और कहा कि वे दुश्मन के नापाक मंसूबों को नाकाम करने के लिए समन्वय में मिलकर काम करते रहेंगे। राजौरी दिवस हर साल 13 अप्रैल को उन सैनिकों की वीरता और साहस को याद करने के लिए मनाया जाता है जिन्होंने 1947-48 में सीमा पार से घुसपैठ करने वाले पाकिस्तानी सेना के जवानों से राजौरी जिले को मुक्त कराने के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने कहा कि आगे भी पीर पंजाल के लोग, प्रशासन और सुरक्षा बल समन्वय में मिलकर काम करते रहेंगे और दुश्मन के नापाक मंसूबों को हमेशा नाकाम करेंगे। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि हमारी सेना सीमाओं पर पूरी तरह सतर्क है और दुश्मन के हर शत्रुतापूर्ण कृत्य का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार है। मेजर जनरल मुखर्जी ने कहा कि जब सेना सीमाओं की रक्षा करती है तो स्थानीय आबादी सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी होती है जिससे आंतरिक सुरक्षा मजबूत होती है। उन्होंने कहा, फ्रयह विश्वास, साझेदारी और देशभक्ति की भावना हमारे क्षेत्र की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अपनी जान गंवाने वालों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की जिनमें राजौरी के अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त राज कुमार थापा, सूबेदार मेजर पवन कुमार, हवलदार सुनील कुमार, लांस नायक दिनेश कुमार और अग्निवीर मुंड मुरली नायक शामिल हैं - इन सभी को पिछले साल मई में मरणोपरांत सेना पदक से सम्मानित किया गया था। सेना अधिकारी ने राजौरी और पास के पुंछ जिले में स्थानीय आबादी के कल्याण के लिए सेना द्वारा शुरू की गई कई नई पहलों के बारे में भी जानकारी दी। प्लास्टिक कचरे से होने वाले प्रदूषण से निपटने के लिए जीओसी ने बताया कि सेना, नागरिक प्रशासन के समन्वय से एक ऐसा संयंत्र स्थापित करने जा रही है जो प्लास्टिक कचरे को इंटरलॉकिंग टाइलों में परिवर्तित करेगा।

विधायिका में महिलाओं को आरक्षण 21 वीं सदी का सबसे बड़ा निर्णय : मोदी

नयी दिल्ली ,13 अप्रैल । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिलाओं को लोकसभा और विधानसभाओं में एक तिहाई आरक्षण देने से संबंधित नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू करने के लिए लाये जाने वाले संशोधन विधेयक को 21 वीं सदी का सबसे बड़ा निर्णय करार देते हुए कहा कि यह पूरी तरह से नारी शक्ति को समर्पित है। प्रधानमंत्री ने इसे ऐतिहासिक बताते हुए कहा है कि देश की संसद एक नया इतिहास रचने के निकट है जो अतीत की परिकल्पना और भविष्य के संकल्पों को पूरा करेगा।

श्री मोदी ने गुरुवार को संसद में लाये जाने वाले इस संशोधन विधेयक

से पहले सोमवार को यहां विज्ञान भवन में नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा, भारत 21वीं सदी के सबसे बड़े निर्णयों में से एक लेने जा रहा है, एक ऐसा निर्णय जो नारी शक्ति को समर्पित है। उन्होंने इस क्षण को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि देश की संसद एक नया इतिहास रचने के निकट है जो अतीत की परिकल्पना और भविष्य के संकल्पों को पूरा करेगा। सामाजिक न्याय के महत्व पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि देश एक समतावादी भारत की कल्पना करता है जहां सामाजिक न्याय केवल एक नारा नहीं बल्कि कार्य संस्कृति का अभिन्न अंग है। प्रधानमंत्री ने कहा, फ्रराज्य विधानसभाओं से लेकर देश की संसद तक, दशकों की प्रतीक्षा अब समाप्त होने वाली है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्ष 2023 में नए संसद भवन में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को सर्वसम्मति से पारित किया गया था और सभी दलों ने इस बात पर सहमति जताई थी कि इसे हर हाल में 2029 तक क्रियान्वित किया जाना चाहिए।

रेलवे और BPCL ने जम्मू में 'गति शक्ति' कार्गो टर्मिनल बनाने के लिए समझौता किया

जम्मू तवी, 13 अप्रैल- रेलवे और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने सोमवार को जम्मू शहर के बाहरी इलाके में एकगति शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनल बनाने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।

इस प्रोजेक्ट का मकसद माल ढुलाई को बढ़ावा देना और इस क्षेत्र की ऊर्जा सप्लाई चेन को मज़बूत करना है।

रेलवे के एक प्रवक्ता ने बताया कि इस समझौते पर जम्मू डिवीज़न की ओर से सीनियर डिवीज़नल कमर्शियल मैनेजर उचित सिंघल और BPCL की ओर से टेरिटरी मैनेजर (रिटेल) जम्मू, चंदन चौहान ने हस्ताक्षर किए।

उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट

पेट्रोलियम उत्पादों की सुचारू और भरोसेमंद आवाजाही सुनिश्चित करके जम्मू कीकॉमन यूज़र फ़ैसिलिटी (साझा उपयोग सुविधा) के लिए लॉजिस्टिक्स दक्षता को बढ़ाएगा। केंद्र सरकार कीगति शक्ति पहल के तहत बजालता में बनाया जा रहा यह टर्मिनल, व्यापार और बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा देने में रेलवे और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के बीच तालमेल को काफ़ी बेहतर बनाने की उम्मीद है। समझौते (रू॰) के अनुसार, कुल 109,225 किलोलीटर की भंडारण क्षमता वाला यह टर्मिनल प्रतिदिन दो रेक (मालगाड़ियों) को संभालने में सक्षम होगा, जिससे हर महीने लगभग 162,000 मीट्रिक टन पेट्रोलियम उत्पादों की सप्लाई हो सकेगी। इसमें कहा गया है, यह सुविधा सुरक्षित और कुशल संचालन के लिए आधुनिक टैंक वैगनों का उपयोग करेगी और इस महीने के अंत तक चालू होने की उम्मीद है। इसमें आगे कहा गया है कि इस प्रोजेक्ट को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में साल भर, बिना किसी रुकावट के ईंधन की सप्लाई सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। इस मौके पर बोलते हुए सिंघल ने कहा कि इस टर्मिनल के चालू होने से जम्मू शहर की सड़कों पर टैंक लॉरियों का बोझ कम होगा, जिससे यातायात का प्रवाह और भी सुचारू हो जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि माल ढुलाई को सड़क मार्ग से रेल मार्ग पर स्थानांतरित करने से कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी, लॉजिस्टिक्स लागत कम होगी और उद्योगों की दक्षता में सुधार होगा

देशभर में मानसूनी वर्षा सामान्य से कम रहने का अनुमान

नयी दिल्ली, 13 अप्रैल । भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने वर्ष 2026 के दक्षिण-पश्चिम मानसून (जून से सितंबर) के लिए दीर्घावधि पूर्वानुमान जारी किया है जिसके अनुसार इस साल देशभर में मानसूनी वर्षा सामान्य से कम रहने का अनुमान है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि मौसम विभाग के मुताबिक, 2026 में कुल मानसूनी वर्षा दीर्घकालिक औसत (एलपीए) का लगभग 92 प्रतिशत (ह5 प्रतिशत) रहने का अनुमान है। वर्ष 1971-2020 के आधार पर एलपीए 87 सेमी है। इस आधार पर कुल वर्षा 90-95 प्रतिशत के बीच, यानी सामान्य से कम श्रेणी में रहने का अनुमान है। मौसम विभाग ने बताया कि इस बार कमजोर ला नीना जैसे हालात धीरे-धीरे समाप्त होकर तटस्थ स्थिति में बदल रहे हैं। हालांकि, अल नीनो मानसून के दौरान विकसित होने की संभावना भी जताई गई है, जो वर्षा को प्रभावित कर सकती है। इसके अलावा हिंद महासागर द्विध्रुव(आईओडी) फिलहाल न्यूट्रल स्थिति में है, लेकिन मानसून के अंत तक इसके पॉजिटिव होने के संकेत हैं, जिससे कुछ क्षेत्रों में वर्षा पर असर पड़ सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, जनवरी से मार्च 2026 के दौरान उत्तरी गोलार्ध में बर्फ का विस्तार सामान्य से थोड़ा कम रहा।

भविष्य की न्यायपालिका भव्य इमारतों तक सीमित नहीं रह सकती : सीजेआई

नई दिल्ली, 13 अप्रैल। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने सोमवार को कहा कि भविष्य की भारतीय न्यायपालिका भव्य इमारतों तक सीमित नहीं रह सकती और न ही भूगोल की सीमाओं में बंधकर रह सकती है।

यहाँ न्याय की पुनर्कल्पना 50 साल बाद भारतीय न्यायपालिका विषय पर आयोजित चौथे अशोक देसाई स्मारक व्याख्यान में बोलते हुए, CJI ने कहा कि भविष्य की न्यायपालिका को एक ऐसी सेवा में बदलना होगा जो सुलभ हो, जवाबदेह हो और नागरिकों के दैनिक जीवन में सहज रूप से घुल-मिल की भारतीय न्यायपालिका भव्य इमारतों तक सीमित नहीं रह सकती और न ही भूगोल की सीमाओं में बंधकर रह सकती है। इसे एक ऐसी सेवा में बदलना होगा जो सुलभ हो, जवाबदेह हो और नागरिकों के दैनिक जीवन में सहज रूप से घुल-मिल जाए। इस तरह की परिकल्पना में, न्याय अब ऐसी चीज़ नहीं रह जाएगा जिसके लिए किसी

को यात्रा करके जाना पड़े, बल्कि यह ऐसी चीज़ बन जाएगा जो लोगों तक कुशलता से, निष्पक्षता से और बदलते समाज की वास्तविकताओं के प्रति संवेदनशीलता के साथ पहुँचे, CJI ने कहा। CJI कांत ने कहा कि न्यायपालिका का प्रयास एक ऐसी न्याय प्रणाली को विकसित करना होना चाहिए जो आज से 50 साल बाद, नागरिकों के जीवन में और अधिक सुलभ, जवाबदेह और गहराई से जुड़ी हुई हो।

जम्मू-कश्मीर से इस साल 4,700 तीर्थयात्री हज के लिए जायेंगे, 18 मई से शुरू होंगी उड़ानें

श्रीनगर, 13 अप्रैल । जम्मू-कश्मीर से कुल 4,704 तीर्थयात्री इस साल हज के लिए प्रस्थान करेंगे। इनमें लद्दाख के 323 सहित 3,990 तीर्थयात्री श्रीनगर से जायेंगे, जबकि लगभग 1,000 तीर्थयात्री दिल्ली से जायेंगे और 50 मुंबई के रास्ते यात्रा करेंगे। हज समिति के कार्यकारी अधिकारी डॉ. शुजात अहमद ने कहा कि श्रीनगर से हज उड़ानें 18 मई को शुरू होने वाली हैं और लगभग 10-15 दिनों तक जारी रहेंगी। अंतिम प्रस्थान 28 मई के आसपास होने की उम्मीद है। अहमद ने कहा कि इस साल सऊदी अरब के नए नियमों में सख्त स्वास्थ्य जांच शामिल है, जिसके तहत गंभीर चिकित्सा स्थितियों वाले कुछ आवेदकों को अयोग्य घोषित कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि अज़ीज़िया जैसी जगहों पर तीर्थयात्रियों के लिए स्वयं खाना पकाने की सुविधा बंद कर दी गई है। उन्होंने कहा कि तीर्थयात्रियों को निगरानी उद्देश्यों के लिए पहले के रिस्टबैंड की जगह सिम-आधारित डेटा से लैस स्मार्टवॉच प्रदान की जाएंगी। श्रीनगर हवाई अड्डे पर चल रहे रखरखाव के कारण उड़ान क्षमता कम हो गई है, जिसके कारण दिल्ली में पुनर्निर्धारण और ईंधन भरने के लिए रुकना अनिवार्य हो गया है। 189 यात्रियों को ले जाने वाला विमान अब लगभग 145 यात्रियों के साथ संचालित होगा, जबकि सामान भत्ता 40 किलोग्राम से घटाकर 25 किलोग्राम कर दिया गया है।

सोनम वांगचुक ने केंद्र से जल्द से जल्द मुद्दों को हल करने का किया आग्रह

लद्दाख, 13 अप्रैल। केंद्र के साथ अगले दौर की बातचीत में देरी के बीच लद्दाख स्थित कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने सोमवार को कहा कि क्षेत्र फ्रविश्वास और अविश्वास के बीच झूल रहा है उन्होंने संवेदनशील सीमा क्षेत्र में बढ़ती चिंताओं को दूर करने के लिए सरकार से समय पर हस्तक्षेप का आग्रह किया। उन्होंने चेतावनी दी कि बातचीत में लंबा अंतराल मोहभंग पैदा कर रहा है और लेह-कारगिल (बौद्ध-मुस्लिम) विभाजन के बीज बो रहा है। एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए, वांगचुक ने कहा कि विश्वास और अविश्वास के बीच लटका - लद्दाख संवाद का इंतजार कर रहा है एनएसए, 1980 के तहत मेरी

नजरबंदी को बिना शर्त रद्द किए हुए आज ठीक एक महीना हो गया है। निरसन आदेश ने हमें आशा दी है कि केंद्र पिछली गलतियों को सुधारने के लिए तैयार है क्योंकि इसने रचनात्मक और सार्थक बातचीत के लिए आपसी विश्वास बनाने की बात की थी। हालांकि, 2.5 महीने बाद भी आखिरी बातचीत 4 फरवरी को, अगले दौर की बातचीत की तारीख की भी घोषणा नहीं की गई है। उन्होंने आगे आगाह किया कि क्षेत्र में विभाजन पैदा करने के लिए देरी का फायदा उठाया जा रहा है। उन्होंने लिखा विश्वास के मोर्चे पर, संदिग्ध संस्थाएं इस अंतर का इस्तेमाल लेह-कारगिल (बौद्ध-मुस्लिम) विभाजन के बीज बोने के लिए कर रही हैं। संवेदनशील सीमा क्षेत्र में बढ़ती जनभावना पर चिंता व्यक्त करते हुए वांगचुक ने केंद्र से कार्य में तेजी लाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे इस संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्र में लोग निराश और हतोत्साहित हो रहे हैं मैं प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी जी और गृह मंत्री अमित शाह जी से मुद्दों को जल्द से जल्द हल करने के लिए राष्ट्रीय हित में समय पर कदम उठाने का आग्रह करता हूं। 14 मार्च को, सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत उपलब्ध शक्तियों का प्रयोग करके सोनम वांगचुक की हिरासत को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया। गृह मंत्रालय ने कहा कि 24 सितंबर 2025 को लेह के शांतिप्रिय शहर में पैदा हुई गंभीर कानून और व्यवस्था की स्थिति की पृष्ठभूमि में सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से, जिला मजिस्ट्रेट, लेह द्वारा जारी एक आदेश के अनुसार, सोनम वांगचुक को 26 सितंबर 2025 को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के प्रावधानों के तहत हिरासत में लिया गया था।

एलजी विनय कुमार सक्सेना ने द्रास में ट्रांस-हिमालयी शीत मरुस्थल शहरी वानिकी पहल शुरू की

द्रास, 13 अप्रैल। लद्दाख के उपराज्यपाल, श्री विनय कुमार सक्सेना ने आज द्रास के खंडियाल में लद्दाख ट्रांस-हिमालयी शीत मरुस्थल शहरी वानिकी और खाद्य वन पहल की शुरुआत की। यह इस क्षेत्र में हरियाली बढ़ाने, पर्यावरणीय स्थिरता और खाद्य सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

जन प्रतिनिधियों, अधिकारियों और स्थानीय निवासियों की एक सभा को संबोधित करते हुए, उपराज्यपाल ने लद्दाख की अनूठी पारिस्थितिक चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि एक शीत मरुस्थल होने के कारण यहाँ हरियाली (ग्रीन कवर) एक प्रतिशत से भी कम है। उन्होंने हरियाली बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर ज़ोर दिया और नागरिकों से वृक्षारोपण को एक साझा ज़िम्मेदारी मानने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि एक पेड़ का पालन-पोषण करना, किसी बच्चे को पालने जैसा ही होना चाहिए।

लगभग एक हेक्टेयर क्षेत्र में फैली इस वृक्षारोपण स्थल पर विलो, खुबानी, पोपलर और रोबिनिया जैसी

प्रजातियों के पेड़ लगाए गए हैं। उपराज्यपाल ने इस पहल को सतत विकास के प्रति एक दूरदर्शी दृष्टिकोण बताया, जो पारिस्थितिक संतुलन, सामुदायिक भागीदारी और जलवायु लचीलेपन को आपस में जोड़ता है। उन्होंने कहा कि यह पहल कार्बन तटस्थता को बढ़ावा देकर, मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार करके, जल संरक्षण करके और स्थानीय खाद्य सुरक्षा को मज़बूत करके इस क्षेत्र के लिए एक फ्रग्रीन लंगफ्र (हरित फेफड़े) का काम करेगी। उन्होंने खंडियाल परियोजना को एक पायलट मॉडल भी बताया, जिसे पूरे लद्दाख में दोहराया जा सकता है।

हजारों नम आंखों ने आशा भोसले को दी अंतिम विदाई

मुंबई, 13 अप्रैल। भारतीय सिनेमा संगीत की सबसे प्रतिष्ठित आवाजों में शुमार मशहूर गायिका आशा भोंसले को सोमवार को मुंबई के शिवाजी पार्क श्मशान घाट में पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई।

उनका अंतिम संस्कार शाम चार बजे किया गया और महाराष्ट्र समेत देश के विभिन्न हिस्सों में उनके प्रशंसकों ने उन्हें नम आंखों से विदाई दी। अंतिम संस्कार प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों और फिल्म उद्योग के सदस्यों की उपस्थिति में किया गया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, दोनों उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सुनेत्रा पवार ने इस समारोह में शिरकत की।

भारत रत्न बाबासाहेब

भारत के संविधान निर्माता...

दलितों व पिछड़ो के मसीह...

समाज सुधार के प्रेरक...

भीमराव रामजी आंबेडकर (14 अप्रैल, 1891 – 6 दिसंबर, 1956)बाबा साहेब के नाम से लोकप्रिय , भारतीय विधिवेत्ता ,अर्थशास्त्री ,राजनीतिज्ञ और समाजसुधारक थे। उन्होंने दलित बौद्ध आंदोलन को प्रेरित किया और दलितों के खिलाफ सामाजिक भेद भाव के विरुद्ध अभियान चलाया। श्रमिकों और महिलाओं के अधिकारों का समर्थन किया।

वे स्वतंत्र भारत के प्रथम कानून मंत्री एवं भारतीय संविधान के प्रमुख वास्तुकार थे।

आंबेडकर विपुल प्रतिभा का छात्र थे। उन्होंने कोलंबिया विश्वविद्यालय और लन्दन स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स दोनों ही विश्वविद्यालयों से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने विधि ,अर्थशास्त्र और राजनीति विज्ञानं के शोध कार्य में ख्याति प्राप्त की जीवन के प्रारम्भिक करियर में वह अर्थशास्त्र के प्रोफेसर रहे एवम वकालत की। बाद का जीवन राजनीतिक गतिविधियों में बीता। 1956 में उन्होंने बौद्ध धर्म अपना लिया। 1990 में, भारत रत्न, भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान मरणोपरांत अम्बेडकर पर सम्मानित किया गया था।

प्रारंभिक जीवन

आंबेडकर का जन्म ब्रिटिश भारत के मध्य भारत प्रांत (अब मध्य प्रदेश में) में स्थित नगर सैन्य छावनी महू में हुआ था। वे रामजी मालोजी सकपाल और भीमाबाई की 14 वीं व अंतिम संतान थे। उनका परिवार मराठी था और वो आंबडवे गांव जो आधुनिक महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में है, से संबंधित था। वे हिंदू महार जाति से संबंध रखते थे, जो अछूत कहे जाते थे और उनके साथ सामाजिक और आर्थिक रूप से गहरा भेदभाव किया जाता था। डॉ. भीमराव आंबेडकर के पूर्वज लंबे समय तक ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना में कार्यरत थे और उनके पिता, भारतीय सेना की मऊ छावनी में सेवा में थे और यहां काम करते हुये वो सूबेदार के पद तक पहुँचे थे। उन्होंने मराठी और अंग्रेजी में औपचारिक शिक्षा की डिग्री प्राप्त की थी।

आंबेडकर को गौतम बुद्ध की शिक्षाओं ने प्रभावित किया था। अपनी जाति के कारण उन्हें इसके लिये सामाजिक प्रतिरोध का सामना करना पड़ रहा था। स्कूली पढ़ाई में सक्षम होने के बावजूद छत्र भीमराव को अस्पृश्यता के कारण अनेका प्रकार की कठनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। रामजी सकपाल ने स्कूल में अपने बेटे भीमराव का उपनाम 'सकपाल' की बजायं 'आंबडवेकर' लिखवाया, क्योंकी कोकण प्रांत में लोग अपना उपनाम गांव के नाम से लगा देते थे, इसलिए भीमराव का मूल अंबाडवे गांव से अंबावडेकर उपनाम स्कूल में दर्ज किया। बाद में एक देशस्त ब्राह्मण शिक्षक कृष्णा महादेव आंबेडकर जो उनसे विशेष स्नेह रखते थे, ने उनके नाम से 'अंबाडवेकर' हटाकर अपना सरल 'आंबेडकर' उपनाम जोड़ दिया। आज आंबेडकर नाम से जाने जाते है।

आंबेडकर ने सन 1898 मे पुनर्विवाह कर लिया और परिवार के साथ मुंबई (तब बंबई) चले आये। यहाँ अम्बेडकर एल्फिंस्टोन रोड पर स्थित गवर्न्मेंट हाई स्कूल के पहले अछूत छात्र बने।

उच्च शिक्षा

गायकवाड शासक ने सन 1913 में संयुक्त राज्य अमेरिका के कोलंबिया विश्वविद्यालय मे जाकर अध्ययन के लिये भीमराव आंबेडकर का चयन किया गया साथ ही इसके लिये एक 11.5 डॉलर प्रति मास की छात्रवृत्ति भी प्रदान की। न्यूयॉर्क शहर में आने के बाद, डॉ. भीमराव आंबेडकर को राजनीति विज्ञान विभाग के स्नातक अध्ययन कार्यक्रम में प्रवेश दे दिया गया। शयनशाला मे कुछ दिन रहने के बाद, वे भारतीय छात्रों द्वारा चलाये जा रहे एक आवास क्लब मे रहने चले गए और उन्होने अपने एक पारसी मित्र नवल भातेना के साथ एक कमरा ले लिया। 1916 में, उन्हे उनके एक शोध के लिए पीएच.डी. से सम्मानित किया गया। इस शोध को अंततः उन्होंने पुस्तक इवोल्युशन ओफ प्रोविन्शिअल फिनान्स इन ब्रिटिश इंडिया के रूप में प्रकाशित किया। हालाँकि उनकी पहला प्रकाशित काम, एक लेख जिसका शीर्षक, भारत में जातिः उनकी प्रणाली, उत्पत्ति और विकास है। अपनी डाक्टरेट की डिग्री लेकर सन 1916 में डॉ? आंबेडकर लंदन चले गये जहाँ उन्होने ग्रेज् इन और लंदन स्कूल ऑफ इकॉनॉमिक्स में कानून का अध्ययन और अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट शोध की तैयारी के लिये अपना नाम लिखवा लिया। अगले वर्ष छात्रवृत्ति की समाप्ति के चलते मजबूरन उन्हें अपना अध्ययन अस्थायी तौर बीच मे ही छोड़ कर भारत वापस लौटना पड़ा ये प्रथम विश्व युद्ध का काल था। बड़ौदा राज्य के सेना सचिव के रूप में काम करते हुये अपने जीवन मे अचानक फिर से आये भेदभाव से डॉ? भीमराव आंबेडकर निराश हो गये और अपनी नौकरी छोड़ एक निजी ट्यूटर और लेखाकार के रूप में काम करने लगे। यहाँ तक कि अपनी परामर्श व्यवसाय भी आरंभ किया जो उनकी सामाजिक स्थिति के कारण विफल रहा। अपने एक अंग्रेज जानकार मुंबई के पूर्व राज्यपाल लॉर्ड सिडनेम, के कारण उन्हें मुंबई के सिडनेम कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड इकोनोमिक्स मे राजनीतिक अर्थव्यवस्था के प्रोफेसर के रूप में नौकरी मिल गयी। 1920 में कोल्हापुर के महाराजा, अपने पारसी मित्र के सहयोग और अपनी बचत के कारण वो एक बार फिर से इंग्लैंड वापस जाने में सक्षम हो गये। 1923 में उन्होंने अपना शोध प्रोब्लेम्स ऑफ द रुपी (रुपये की समस्यायें) पूरा कर लिया। उन्हें लंदन विश्वविद्यालय द्वारा 'डॉक्टर ऑफ साईंस' की उपाधि प्रदान की गयी। और उनकी कानून का अध्ययन पूरा होने के, साथ ही साथ उन्हें ब्रिटिश बार मे बैरिस्टर के रूप में प्रवेश मिल गया। भारत वापस लौटते हुये डॉ? भीमराव आंबेडकर तीन महीने जर्मनी में रुके, जहाँ उन्होने अपना अर्थशास्त्र का अध्ययन, बॉन विश्वविद्यालय में जारी रखा। उन्हें औपचारिक रूप से 8 जून 1927 को कोलंबिया विश्वविद्यालय द्वारा पीएच.डी. प्रदान की गयी।

छुआछूत के विरुद्ध संघर्ष

भारत सरकार अधिनियम 1919, तैयार कर रही साउथबोरोह समिति के समक्ष, भारत के एक प्रमुख विद्वान के तौर पर अम्बेडकर को गवाही देने के लिये आमंत्रित किया गया। इस सुनवाई के दौरान, अम्बेडकर ने दलितों और अन्य धार्मिक समुदायों के लिये पृथक निर्वाचिका और आरक्षण देने की वकालत की। 1920 में, बंबई से , उन्होंने साप्ताहिक मूकनायक के प्रकाशन की शुरूआत की। यह प्रकाशन जल्द ही पाठकों मे लोकप्रिय हो गया, तब अम्बेडकर ने इसका इस्तेमाल रूढ़िवादी हिंदू राजनेताओं व जातीय भेदभाव से लड़ने के प्रति भारतीय राजनैतिक समुदाय की अनिच्छा की आलोचना करने के लिये किया। उनके दलित वर्ग के एक सम्मेलन के दौरान दिये गये भाषण ने कोल्हापुर राज्य के स्थानीय शासक शाहू चतुर्थ को बहुत प्रभावित किया, जिनका अम्बेडकर के साथ भोजन करना रूढ़िवादी समाज मे हलचल मचा गया। अम्बेडकर ने अपनी वकालत अच्छी तरह जमा ली और बहिष्कृत हितकारिणी सभा की स्थापना भी की जिसका उद्देश्य दलित वर्गों में शिक्षा का प्रसार और उनके सामाजिक आर्थिक उत्थान के लिये काम करना था। सन् 1926 में, वो बंबई विधान परिषद के एक मनोनीत सदस्य बन गये। सन 1927 में डॉ. अम्बेडकर ने छुआछूत के खिलाफ एक व्यापक आंदोलन शुरू करने का फैसला किया। उन्होंने सार्वजनिक आंदोलनों और जुलूसों के द्वारा, पेयजल के सार्वजनिक संसाधन समाज के सभी लोगों के लिये खुलवाने के साथ ही उन्होनें अछूतों को भी हिंदू मंदिरों में प्रवेश करने का अधिकार दिलाने के लिये भी संघर्ष किया। उन्होंने महड में अस्पृश्य समुदाय को भी शहर की पानी की मुख्य टंकी से पानी लेने का अधिकार दिलाने कि लिये सत्याग्रह चलाया।

1 जनवरी 1927 को अम्बेडकर ने द्वितीय आंग्ल – मराठा युद्ध, की कोरेगाँव की लड़ाई के दौरान मारे गये भारतीय सैनिकों के सम्मान में कोरेगाँव विजय स्मारक मे एक समारोह आयोजित किया। यहाँ महार समुदाय से संबंधित सैनिकों के नाम संगमरमर के एक शिलालेख पर खुदवाये। 1927 में, उन्होंने अपना दूसरी पत्रिका बहिष्कृत भारत शुरू की और उसके बाद रीक्रिशटेन्ड जनता की। उन्हें बॉंबे प्रेसीडेंसी समिति मे सभी यूरोपीय सदस्यों वाले साइमन कमीशन 1928 में काम करने के लिए नियुक्त किया गया। इस आयोग के विरोध मे भारत भर में विरोध प्रदर्शन हुये और जबकि इसकी रिपोर्ट को ज्यादातर भारतीयों द्वारा नजरअंदाज कर दिया गया, डॉ अम्बेडकर ने अलग से भविष्य के संवैधानिक सुधारों के लिये सिफारिशों लिखीं।

धर्म परिवर्तन (बौद्ध धर्म में)

सन् 1950 के दशक में भीमराव अम्बेडकर बौद्ध धर्म के प्रति आकर्षित हुए और बौद्ध भिक्षुओं व विद्वानों के एक सम्मेलन में भाग लेने के लिए श्रीलंका (तब सीलोन) गये। पुणे के पास एक नया बौद्ध विहार को समर्पित करते हुए, डॉ. अम्बेडकर ने घोषणा की कि वे बौद्ध धर्म पर एक पुस्तक लिख रहे हैं और जैसे ही यह समाप्त होगी वो औपचारिक रूप से बौद्ध धर्म अपना लेंगे। 1954 में अम्बेडकर ने म्यानमार का दो बार दौरा किया; दूसरी बार वो रंगून मे तीसरे विश्व बौद्ध फैलोशिप के सम्मेलन में भाग लेने के लिए गये। 1955 में उन्होने 'भारतीय बौद्ध महासभा' या 'बुद्धिस्ट सोसाइटी ऑफ इंडिया' की स्थापना की। उन्होंने अपने अंतिम महान ग्रंथ, 'द बुद्ध एंड हिज़ धम्म' को 1956 में पूरा किया। यह उनकी मृत्यु के पश्चात सन 1957 में प्रकाशित हुआ। 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने खुद और उनके समर्थकों के लिए एक औपचारिक सार्वजनिक समारोह का आयोजन किया। डॉ. अम्बेडकर ने श्रीलंका के एक महान बौद्ध भिक्षु महत्थवीर चंद्रमणी से पारंपरिक तरीके से त्रिरत्न ग्रहण और पंचशील को अपनाते हुये बौद्ध धर्म ग्रहण किया। इसके बाद उन्होने एक अनुमान के अनुसार पहले दिन लगभग 5,00,000 समर्थको को बौद्ध धर्म मे परिवर्तित किया। नवयान लेकर अम्बेडकर और उनके समर्थकों ने विषमतावादी हिन्दू धर्म और हिन्दू दर्शन की स्पष्ट निंदा की और उसे त्याग दिया। भीमराव ने दुसरे दिन 15 अक्टूबर को नागपूर में अपने 2,00,000 अनुयायीओं को बौद्ध धम्म की दीक्षा दी, फिर तिसरे दिन 16 अक्टूबर को भीमराव चंद्रपुर गये और वहां भी उन्होंने 3,00,000 समर्थकों को बौद्ध धम्म की दीक्षा दी। इस तरह केवल तीन में भीमराव ने 10 लाख से अधिक लोगों को बौद्ध धर्म में परिवर्तित किया। अम्बेडकर का बौद्ध धर्म परिवर्तन किया। इस घटना से बौद्ध देशों में से अभिनंदन प्राप्त हुए। में इसके बाद वे नेपाल में चौथे विश्व बौद्ध सम्मेलन मे भाग लेने के लिए काठमांडू गये। उन्होंने अपनी अंतिम पांडुलिपि बुद्ध या कार्ल मार्क्स को 2 दिसंबर 1956 को पूरा किया।

अम्बेडकर ने दीक्षाभूमि, नागपुर, भारत में ऐतिहासिक बौद्ध धर्म में परिवर्तन के अवसर पर, 14 अक्टूबर 1956 को अपने अनुयायियों के लिए 22 प्रतिज्ञाएँ निर्धारित कीं जो बौद्ध धर्म का एक सार या दर्शन है।

बाबा साहेब के विचार सदियों तक लोगों को ऊर्जावान बनाए रखेंगे

भारतीय राजनीति व समाज के ऐतिहासिक परिदृश्य में, डॉ. भीमराव अंबेडकर का उदय एक ऐसे जननेता के रूप में हुआ जिसने व्यक्तिगत संघर्ष की बुनियाद पर अपना सारा जीवन समाज की मुख्यधारा से विमुख, जीवन–यापन कर रहे, वंचितों, शोषितों, पीड़ितों व दलितों के हक की लड़ाई में समर्पित कर दिया। समग्र विकास की उनकी यह विचारधारा (दृष्टिकोण) संविधान निर्माण के दौरान भी परिलक्षित हुई; जो समानता व सर्वकल्याण की वैचारिकी पर केंद्रित है। तत्कालीन परिस्थिति में संविधान का निर्माण निश्चय ही एक दुरुह कार्य था। ऐसे मुश्किल वक्त में बाबा साहेब ने बड़े ही धीरज के साथ प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में अपनी बेहतरीन प्रबंधन क्षमता से भावी संविधान का मसौदा तैयार कर विश्व के अनोखे संविधान के निर्माण की ओर हमारा मार्ग प्रशस्त किया। बाबा साहेब अपने आप में एक संस्था हैं। उनका व्यक्तित्व व कृतित्व आज भी देशवासियों को आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा देता है। वे एक विद्वान, विधिवेत्ता और अनेक विधाओं के ज्ञाता थे। ऐसी शख्सियत के बारे में संपूर्णतः जानना और समझना भी अपने आप में एक चुनौती है।

बाबा साहेब के अद्वितीय विद्वान बनने से पहले का उनका एक 'दर्दनाक' इतिहास रहा है। उनका जन्म, एक बहुत ही साधारण से परिवार में मध्य प्रदेश के महू में भीमावाई साकपाल और रामजी की 14वीं संतान के रूप में 14 अप्रैल 1891 को हुआ था। अंबेडकर का संपूर्ण जीवन प्रेरणाओं से भरा हुआ है। उनका जीवन–संघर्ष देशवासियों को आगे बढ़ने में एक उदाहरण के काम करता है। दरअसल, तब ऐसी परिस्थितियां थीं, जब समाज का एक वर्ग दोयम दर्जे के व्यवहार के योग्य समझा जाता था। स्वास्थ्य, शिक्षा, भोजन, पेयजल जैसी तमाम बुनियादी सुविधाएं इन सबके पहुंच से दूर थीं। यह सब प्राचीन समय से ही भारतीय समाज में विद्यमान वर्ण व्यवस्था के असमान वर्गीकरण के कारण रही हैं। ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य व शुद्र के अलावे भी समाज में कई जातियां रहती थीं, जिसे वर्ण व्यवस्था में स्थान तक नहीं दिया गया था। ऐसी जातियों के लोगों को समाज में 'अछूत' समझा जाता था। ऐसे समूहों का सामाजिक–आर्थिक रूप से शोषण किया जाता था।

अंबेडकर को भी इन कुरीतियों से दो–चार होना पड़ा। हिन्दुओं में प्रचलित वर्ण तथा जाति व्यवस्था में व्याप्त कुरीतियों ने दृढ़ इच्छाशक्ति से संकल्पित भीमराव को संघर्ष के लिए प्रेरित किया। वे स्वयं महार नामक अछूत जाति से संबंध रखते थे। इस कारण, उन्हें उच्च वर्ग के भेदभाव और अन्याय का सामना करना पड़ा। स्वयं, उनके गांव में उनके समुदाय के लोगों को हेय दृष्टि से देखा जाता था। अंबेडकर को विद्यालय में भी सामाजिक भेदभाव व असमानता का सामना करना पड़ा। कक्षा में उसे अन्य बच्चों से अलग बैठाया जाता था। अन्य बच्चे उनसे बात तक नहीं करते थे। यहां तक कि उन पर शिक्षक ध्यान भी नहीं देते थे। बाबा साहेब का प्रारंभिक जीवन अत्यंत कठोर रहा है। सकारात्मक बात यह थी कि वे इन विपरीत परिस्थितियों के समक्ष कभी झुके नहीं।

बाबा साहेब ने उच्च वर्ग की हर चुनौती को स्वीकार किया। वे यह भलीभांति जानते थे कि देश के विकास और कुरीतियों से मुक्ति का एकमात्र रास्ता शिक्षा प्राप्त करना ही है। कई कठिनाइयों के बावजूद अंबेडकर ने अपनी पढ़ाई जारी रखी। अपनी काबिलियत के बल पर उन्होंने ना सिर्फ देश के उच्च शिक्षण संस्थानों से शिक्षा ग्रहण की, बल्कि विदेशी विश्वविद्यालयों से भी एक शिक्षार्थी के रूप में जुड़े। देश–विदेश के प्रमुख कालेजों से शिक्षा प्राप्त करने के उपरांत उसने भारतीय समाज–संस्कृति की कुरीतियों के खिलाफ लंबी लड़ाई लड़ी। वे दलित वर्गों में शिक्षा का प्रसार और उनके सामाजिक–आर्थिक उत्थान के लिये काम करना चाहते थे। सन् 1926 में, वे बंबई विधान परिषद के एक मनोनीत सदस्य बन गये। सन 1927 में डॉ. अम्बेडकर ने छुआछूत के खिलाफ एक व्यापक आंदोलन शुरू करने का फैसला किया। उन्होंने सार्वजनिक आंदोलनों और जुलूसों के द्वारा, पेयजल के सार्वजनिक संसाधन समाज के सभी लोगों के लिये खुलवाने के साथ ही अछूतों को भी हिंदू मंदिरों में प्रवेश करने का अधिकार दिलाने के लिये भी संघर्ष किया।

आजादी की प्राप्ति तथा संविधान निर्माण के बाद देश में दलितों तथा अछूत माने जाने वाले समुदाय की स्थिति बहुत हद तक सुधरी है। संविधान में 'अछूत' माने जाने वाली जातियों को परिभाषित कर उन्हें एक विशेष वर्ग– 'अनुसूचित जाति' के रूप में मान्यता प्रदान की गयी है। संविधान की नजर में सभी नागरिक समान हैं। संविधान के अनुच्छेद 15 में धर्म, जाति, लिंग, जन्मस्थान के आधार पर भेदभाव को अपराध घोषित किया गया है। हिंदू समाज में कलंक के रूप में व्याप्त अस्पृश्यता को अनुच्छेद 17 अंत करता है और सभी रूपों में अस्पृश्यता के व्यवहार को निषिद्ध करता है। वहीं, अनुच्छेद 26 में उपलब्ध अवसरों की समानता की बात कही गयी है। इसी तरह, अनुच्छेद 29 और 30 अल्पसंख्यकों के संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकारों की रक्षा की बात करता है। विशेष बात यह है कि आज सभी देशवासियों को धार्मिक स्वतंत्रता तथा शोषण के विरुद्ध संरक्षण का अधिकार प्राप्त है। इसके अलावा भी, संविधान में अनेक अनुच्छेद व अधिनियमों का प्रावधान कर समाज में उनके अधिकारों की रक्षा हेतु प्रयास किये गये हैं। इसका सुफल यह है कि आज हर क्षेत्र में कमजोर तबके की हिस्सेदारी बढ़ रही है। मंदिर, तालाब तथा अन्य सार्वजनिक स्थानों पर अब उन्हें जाने की खुली छूट है।

बाबा साहेब, एक ऐसे विभेद–रहित समाज की स्थापना का स्वप्न देखते थे; जहां समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की किरण पहुंचे और समाज में उनकी सहभागिता स्थापित की जाए। वे स्त्री–शिक्षा के हिमायती थे। उनका कहना था कि एक समुदाय की प्रगति का माप महिलाओं द्वारा हासिल प्रगति की डिग्री से होता है। शिक्षा के प्रति उनका दृष्टिकोण व्यापक था। उनका विचार था कि 'शिक्षा शेरनी के समान है, जिसका दूध पीकर हर बच्चा दहाड़ने लगता है। अंबेडकर ने अपने चिंतन में किसानों की चिंता की है। बीते वर्ष, इसी तिथि को प्रधानमंत्री ने ई–मंडी की शुरुआत की थी। उद्देश्य यह था कि किसानों को एक वृहत बाजार ऑनलाइन उपलब्ध कराया जाए, ताकि पैदावार को बाजार तक ले जाने में किसानों की किसी भी तरह की असुविधा ना हो। दुखद यह है कि एक तरफ, देशभर में चंपारण सत्याग्रह के शताब्दी वर्ष के मौके पर अनेक आयोजन किये जा रहे हैं, तो दूसरी तरफ जंतर–मंतर पर अपनी बुनियादी मांगों के साथ कुछ किसान पिछले एक माह से प्रदर्शन कर रहे हैं। किसान केवल 'वोट बैंक' नहीं हैं और ना ही उनके नाम पर कल्याणकारी योजनाओं के वादे, चुनावी घोषणापत्रों की शोभा बढ़ाने के लिए बने हैं; यह बात सियासतदानों को समझनी होगी।अंबेडकर जयंती को, सभी राजनीतिक पार्टियां अपने–अपने तरीके से मनाकर, खुद को दलितों का उद्धारक साबित करने के प्रपंची प्रयास वर्षों से करती आयी हैं। दुर्भाग्य यह है कि छोटी–बड़ी क्षेत्रिय पार्टियों से लेकर राष्ट्रीय पार्टियाँ; सभी वोट बैंक की राजनीति के तहत, एक बड़े वर्ग को लुभाने के लिए उनके नाम का गलत इस्तेमाल कर रही हैं। भारतीय राजनीति की यह बड़ी विडंबना है कि यहां जाति व संप्रदाय आधारित राजनीति होती है। किसी भी मुद्दे अथवा विवाद के समाधान पर सामूहिक विचार–विमर्श के स्थान पर, उसे राजनीतिक रंग देकर जाति व धर्म के परंपरागत बंधनों में बांधने की कोशिश हमारे तमाम सियासतदान करते रहे हैं। बाबा साहेब का विचार था 'हम सबसे पहले और अंत में भारतीय हैं।' दुर्भाग्य यह है कि आज लोग 'भारत माता की जय' अथवा 'वंदे मातरम' बोलने और ना बोलने को लेकर परेशान हैं। बाबा साहेब आज जीवित होते, तो वे निराश जरूर होते। जिस, भारत को संवारने के लिए असंख्य क्रांतिकारियों ने अपने प्राणों की आहुति दे दी थी, वहां लोग देश की एकता और अखंडता को तोड़ने पर आमदा नजर आते हैं।आज बाबा साहेब हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके विचार व दर्शन सदियों तक लोगों को ऊर्जावान बनाए रखेंगे। जरूरी यह है कि अंबेडकर के विचार व दर्शन से युवा पीढ़ी को परिचित कराया जाए। अंबेडकर भारत रत्न हैं। वे देश के नेता हैं। उन्हें बांटा न जाये और न ही किसी सीमा में बांधा जाए। वे कल भी प्रासंगिक थे, आज भी हैं और सदैव रहेंगे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

आपदा प्रबंधन, मॉनसून तैयारियों और प्रशिक्षण गतिविधियों की ली विस्तृत समीक्षा

जम्मू, 13 अप्रैल (हि.स.)। डीआईजी सीडी एवं एसडीआरएफ जम्मू अनीता शर्मा ने स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (एसडीआरएफ) की 2वीं बटालियन मुख्यालय जम्मू का दौरा कर वहां की कार्यप्रणाली, बुनियादी ढांचे और प्रशिक्षण गतिविधियों की समीक्षा की। इस दौरान उनका स्वागत कमांडेंट मोहम्मद असलम और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किया गया। उन्हें बटालियन की भूमिका, हाल ही में किए गए रेस्क्यू ऑपरेशन, उपलब्धियों और क्षमता निर्माण पहलों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही मॉनसून सीजन को ध्यान में रखते हुए तैयारियों पर भी चर्चा की गई। डीआईजी ने निरीक्षण के दौरान उपकरण स्टोर, संचार इकाइयों और आपातकालीन प्रतिक्रिया उपकरणों की जांच की। उन्होंने बल की उच्च स्तर की तैयारी बनाए रखने, आधुनिक उपकरणों के उपयोग और कर्मियों के निरंतर कौशल विकास पर जोर दिया। विशेष रूप से तैराकी और डीप डाइविंग जैसी क्षमताओं को मजबूत करने के निर्देश दिए गए ताकि किसी भी आपदा की स्थिति में प्रभावी ढंग से बचाव कार्य किया जा सके। इसके अलावा उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को उपकरणों के रखरखाव, प्रशिक्षण गतिविधियों, मॉनसून तैयारियों और आगामी यात्राओं के लिए समय पर तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

बैसाखी पर रंगारंग कार्यक्रम, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से झलकी डोगरा परंपरा, मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

जम्मू, 13 अप्रैल (हि.स.)। राजपुरा स्थित शाइनिंग स्टार अकादमी में बैसाखी के उपलक्ष्य पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर युवा समाजसेवी व शिक्षाविद अतुल सदन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्कूल के प्रिंसिपल चेतन कुमार, वाइस प्रिंसिपल शिवानी शर्मा, युवा नेता आयुष सिंह जमवाल, सुरेश शर्मा, शिक्षकगण, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। इस दौरान विद्यार्थियों ने बैसाखी थीम पर आधारित रंगारंग प्रस्तुतियां दीं, जिनमें पंजाबी लोकगीत, गिद्धा, भांगड़ा और

डोगरी नृत्य प्रमुख रहे। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से डोगरा संस्कृति और परंपराओं की सुंदर झलक देखने को मिली जिसे उपस्थित लोगों ने खूब सराहा।
कार्यक्रम के दौरान नर्सरी से लेकर 9वीं कक्षा तक के मेधावी छात्रों को भी सम्मानित किया गया। प्रिंसिपल चेतन कुमार ने छात्रों की प्रतिभा की सराहना करते हुए उन्हें अपनी संस्कृति से जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि अतुल सूदन ने स्कूल प्रबंधन की सराहना करते हुए कहा कि आज के समय में बच्चों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़कर रखना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बैसाखी न केवल डोगरा समाज बल्कि पूरे उत्तर भारत का एक महत्वपूर्ण पर्व है जो हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है।
उन्होंने विद्यार्थियों को मेहनत और लगन से आगे बढ़ने की प्रेरणा दी और कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाते हैं तथा उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करते हैं।

छात्रा के उत्पीड़न के आरोप के बाद लेक्चरर निलंबित, मामला दर्ज

श्रीनगर, 13 अप्रैल (हि.स.)। उत्तरी कश्मीर के सोपोर कस्बे में तैनात एक वरिष्ठ लेक्चरर के खिलाफ एक छात्रा द्वारा उत्पीड़न का आरोप लगाए जाने के बाद पुलिस में मामला दर्ज किया गया है। शिक्षक को निलंबित कर दिया गया है और मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं।
सोपोर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इफ्तिखार तालिब ने बताया कि छात्रा के आरोपों के बाद शिक्षक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। इस बीच कश्मीर स्कूल शिक्षा निदेशालय ने लेक्चरर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है और उनके आचरण की जांच के आदेश भी दे दिए हैं। उत्तर के संयुक्त निदेशक को समयबद्ध जांच करने के लिए जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है और उन्हें 15 दिनों के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है।
आरोपों के बाद छात्रों ने सोपोर कस्बे में लेक्चरर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

नव नियुक्त डीआईजी शिव कुमार शर्मा का किया गया सम्मान

जम्मू, 13 अप्रैल (हि.स.)। उधमपुर-रियासी रेंज के नव नियुक्त डीआईजी शिव कुमार शर्मा के सम्मान में उनके सरकारी आवास पर एक शिष्टाचार भेंट का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रोहित शास्त्री, अध्यक्ष श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट ने उनसे मुलाकात कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। भेंट के दौरान डीआईजी शिव कुमार शर्मा ने महंत रोहित शास्त्री का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया जो उनके सरल और सौम्य व्यक्तित्व को दर्शाता है। वहीं महंत रोहित शास्त्री ने ट्रस्ट की ओर से उन्हें भगवान महाकाल का पवित्र चित्र भेंट किया जो आस्था और शुभकामनाओं का प्रतीक है।
अपने वक्तव्य में महंत रोहित शास्त्री ने कहा कि शिव कुमार शर्मा एक कर्मठ, ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी हैं, जिन्होंने अपने अनुभव और कार्यशैली से जनसेवा, पारदर्शिता और सुशासन के उच्च मानदंड स्थापित किए हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में उधमपुर-रियासी रेंज में कानून-व्यवस्था और जनसुरक्षा को और अधिक मजबूती मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि समाज में शांति, सुरक्षा और सद्भाव बनाए रखने में पुलिस प्रशासन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है और समर्पित अधिकारियों के नेतृत्व में यह जिम्मेदारी और प्रभावी ढंग से निभाई जा सकती है। अंत में महंत रोहित शास्त्री ने डीआईजी शिव कुमार शर्मा को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई देते हुए उनके सफल और प्रेरणादायी कार्यकाल की कामना की।

हीरानगर में चिट्टे के साथ नशा तस्कर गिरफ्तार

कठुआ, 13 अप्रैल (हि.स.)। कठुआ पुलिस ने नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए हीरानगर थाना क्षेत्र के गराह कमाद लिंक रोड पर एक नशा तस्कर को गिरफ्तार किया है।
जानकारी के अनुसार थाना हीरानगर की पुलिस टीम ने नियमित नाका जांच के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका। पूछताछ में उसने अपनी पहचान साजिद हुसैन पुत्र जुनैद अली निवासी गराह कमाद तहसील हीरानगर जिला कठुआ के रूप में बताई। तलाशी लेने पर उसके पास से नशीला पदार्थ बरामद हुआ। इस संबंध में थाना हीरानगर में मामला दर्ज कर आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बरामद नशीले पदार्थ को जब्त कर आगे की जांच शुरू कर दी है, ताकि इसके स्रोत और नेटवर्क का पता लगाया जा सके।

नशे के खिलाफ गूंजा नुक्कड़ नाटक आत्मचिंतन

जम्मू, 13 अप्रैल (हि.स.)। जम्मू के रेहाड़ी चुंगी स्थित जेएमसी पार्क में एक साथ रंगमंडल द्वारा अपने 512वें मंडे थिएटर के तहत नए प्रगतिशील नुक्कड़ नाटक आत्मचिंतन का मंचन किया गया। इस नाटक के माध्यम से समाज में बढ़ती नशाखोरी के खिलाफ एक सशक्त संदेश दिया गया। नाटक में सामाजिक कार्यकर्ता और सेवानिवृत्त सैनिक कृपा राम ने आम लोगों, विशेषकर युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने उदाहरणों के माध्यम से बताया कि नशा युवाओं के उवल भविष्य को अंधकार में बदल देता है और उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य व सामाजिक प्रतिष्ठा को बुरी तरह प्रभावित करता है।
नाटक में अलका रानी, रवि,

अशोक और राजू के किरदारों के जरिए यह दर्शाया गया कि कैसे गलत आदतें युवाओं को बर्बादी की ओर ले जाती हैं और समाज में उनकी इज्जत को खत्म कर देती हैं। संदेश दिया गया कि नशा न केवल व्यक्ति बल्कि उसके परिवार और समाज के सम्मान को भी प्रभावित करता है। कार्यक्रम में मौजूद दर्शकों ने आत्मचिंतन की सराहना करते हुए इसे बेहद प्रभावी और जागरूकता फैलाने वाला प्रयास बताया। नाटक में आर्यन, हनी, अक्षय, अर्जुन मनहास, हैप्पी गुप्ता, रोमिका और विजय मल्ला ने शानदार अभिनय किया।

कठुआ में राष्ट्रीय कृमिनाशक दिवस अभियान शुरू, 1.90 लाख बच्चों को मिलेगा लाभ

कठुआ, 13 अप्रैल (हि.स.)। जिला कठुआ में राष्ट्रीय कृमिनाशक दिवस अभियान की शुरुआत उपायुक्त राजेश शर्मा ने पीएम श्री गवर्नमेंट मिडिल स्कूल कठुआ-ए से की। यह अभियान 13 से 18 अप्रैल तक पूरे जिले में चलाया जाएगा।
उपायुक्त ने बताया कि इस दौरान 1 से 19 वर्ष आयु वर्ग के करीब 1.90 लाख बच्चों को जो सरकारी व निजी स्कूलों तथा आंगनवाड़ी केंद्रों में पंजीकृत हैं, कृमिनाशक दवाइयां दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि आंतों में कीड़े बच्चों के पोषण स्तर को प्रभावित करते हैं जिससे एनीमिया और शारीरिक व मानसिक विकास पर नकारात्मक

असर पड़ता है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को इस अभियान के तहत दवा जरूर दिलवाएं।
इस मौके पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विजय रैना, मुख्य शिक्षा अधिकारी केवल कृष्ण, ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी परोल सहित स्कूल के प्रिंसिपल और स्टाफ भी मौजूद रहे।

डोगरा सदर सभा का 'डुग्गर मेला'

जम्मू, 13 अप्रैल (हि.स.)। डोगरा सदर सभा जम्मू-कश्मीर, जो कि 122 वर्ष पुरानी संस्था है, द्वारा आज डोगरा हॉल जम्मू स्थित सभा भवन में वार्षिक कार्यक्रम 'डुग्गर मेला / जम्मू फेस्टिवल' का आयोजन किया गया।
इस आयोजन में डोगरा समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और विरासत को प्रदर्शित किया गया।
कार्यक्रम में विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, लोक कला और सामाजिक गतिविधियां आयोजित की, जिसमें सभी वर्गों के लोगों ने भाग लिया। यह मेला डोगरा संस्कृति को बढ़ावा देने और समाज को एकजुट करने का एक महत्वपूर्ण मंच माना गया है।

बचपन प्ले स्कूल में बैसाखी का रंगारंग आयोजन, नन्हे बच्चों ने दिखाई पंजाबी संस्कृति की झलक

कठुआ, 13 अप्रैल (हि.स.)। बचपन प्ले स्कूल में बैसाखी का पर्व बड़े ही उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नन्हे विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और आकर्षक पारंपरिक पंजाबी वेशभूषा में सजे नजर आए जिससे पूरा वातावरण रंग-बिरंगा और उत्सवमय बन गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को बैसाखी के महत्व से अवगत कराने के लिए विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। खेतों की जुताई की झलक और बैसाखी मेले का जीवंत दृश्य प्रस्तुत कर बच्चों को त्योहार का वास्तविक अनुभव दिया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से पंजाबी संस्कृति और परंपराओं की समृद्ध विरासत को खूबसूरती से दर्शाया गया। स्कूल प्रबंधन का उद्देश्य बच्चों को उनकी जड़ों से जोड़ना और उन्हें सांस्कृतिक विरासत के महत्व को रोचक तरीके से समझाना रहा। ऐसे आयोजनों से बच्चों के समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलता है। इस अवसर पर स्कूल की निदेशक मनीषा गुप्ता ने सभी को बैसाखी की शुभकामनाएं देते हुए सुख-समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन बच्चों में संस्कार और सांस्कृतिक समझ विकसित करने में सहायक होते

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

निविदा सूचना सं. :– 433–सिग–टी–83–25–26 दिनाँक : 13.04.2026
बंद होने की तिथि / समय : 04.05.2026 को 15:00 बजे
वरिष्ठ मण्डल संकेत एंव दूरसंचार इंजीनियर, उत्तर रेलवे, फिरोज़पुर भारत के राष्ट्रपति की ओर से टैंडर नं. 433-सिग-टी-83-25-26 ई. टैंडरिंग के माध्यम से दिनांक 04.05.2026 को 15:00 बजे तक **https://www.ireps.gov.in** वेबसाईट पर निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदाकर्ता अपनी निविदाएं असली/संशोधित निश्चित किए गए समय तथा तारीख तक अवश्य जमा करवाएं। इस टैंडर के अर्न्तगत मैनुअल निविदा वर्जित है और अगर कोई मैनुअल निविदा प्राप्त होगी तो वह मान्य नही होगी। ठेकेदारों द्वारा टैडंर डाक्यूमैंट की कीमत और ब्याना राशि जोकि इस टैंडर के लिए मान्य है वह केवल आईआरईपीएस पोर्टल जैसे कि नैट बैंकिंग, डैबिट कार्ड, क्रैडिट कार्ड इत्यादि द्वारा ही स्वीकृत की जाएगी। इसके अतिरिक्त डिमान्ड ड्राफट, बैंकर चैक, डिपोजिट रसीद, एफडीआर इत्यादि के माध्यम द्वारा जमा करवाई गई राशि मान्य नहीं होगी।

एन आई टी.

कार्य का नाम	1) फिरोजपुर मंडल पर ओएफसी संचार की विश्वसनीयता में सुधार। 2) फिरोजपुर मंडल के लुधियाना, अमृतसर और फिरोजपुर स्टेशनों पर एआरटी के लिए रेलवे बोर्ड द्वारा एआरटी की मानक सूची के अनुसार दूरसंचार उपकरण का प्रावधान।			
टैंडर बन्द करने की तिथि तथा समय	04.05.2026 15:00	टैंडर की अपलोड करने की तिथि तथा समय	1) 11.04.2026 11:32 2) 11.04.2026 11:40	
अनुमानित कीमत	1) 1579328.62 2) 2336148.22	बिडिंग आरम्भ की तिथि (आईआरईपीएस)	20.04.2026	
ब्याना राशि (रु.)	1) 31600.00 2) 46700.00	कार्य पूरा करने की अवधि	1) 3 Months 2) 3 Months	
नोटः	निविदा कर्ता नियमित रूप से वेबसाइट के संपर्क में रहकर निविदा संशोधनों, शुद्धिपत्र आदि बारे में स्वयं को अपडेट रखें।			

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1241/26

पुरमंडल में पुलिस का सफाई अभियान

जम्मू, 13 अप्रैल (हि.स.)। पुरमंडल में स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जम्मू-कश्मीर पुलिस ने विशेष सफाई अभियान चलाया। यह अभियान पुलिस स्टेशन पुरमंडल से ऐतिहासिक शिव मंदिर तक चलाया गया, जिसमें थाना प्रभारी मनोहर लाल के नेतृत्व में पुलिस कर्मियों और ग्राम सुरक्षा समिति के सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी की। अभियान के दौरान पूरे मार्ग की सफाई की गई और लोगों को स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया।

बी.एड. छात्रों का सीएसआईआर-आईआईआईएम जम्मू का शैक्षणिक दौरा

जम्मू, 13 अप्रैल (हि.स.)। जम्मू में बी.एड. सेमेस्टर-2 के विज्ञान वर्ग के छात्रों ने अपने सत्रीय कार्य के तहत सीएसआईआर-भारतीय एकीकृत चिकित्सा संस्थान का शैक्षणिक दौरा किया। इस दौरे का उद्देश्य छात्रों को वास्तविक वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार से परिचित कराना था। इस कार्यक्रम का आयोजन भौतिक विज्ञान विभाग की प्रमुख प्रो. सुनंदा रानी और रिसर्च एंड डेवलपमेंट की संयोजक डॉ. सुषमा बाला के मार्गदर्शन में किया गया। संस्थान पहुंचने पर छात्रों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया और डॉ. अदील ने पूरे दौरे के दौरान उन्हें विभिन्न वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं और सुविधाओं का विस्तृत परिचय दिया। दौरे की शुरुआत जनकी अम्मल हर्बेरियम से हुई जहां डॉ. किरण कौल ने पौधों के वर्गीकरण, संरक्षण तकनीकों और जैव विविधता में हर्बेरियम की भूमिका पर प्रकाश डाला। इसके बाद छात्रों ने मॉलीक्यूलर और जेनेटिक इंजीनियरिंग लैब का भ्रमण किया जहां शोधार्थी त्सेसिंग आंगरनो ने तंबाकू, कैनाबिस और अन्य औषधीय पौधों पर आधारित उन्नत अनुसंधान तकनीकों की जानकारी दी। इसके साथ ही प्लांट टिशू कल्चर लैब में शफाली भसीन ने माइक्रो-प्रोपेगेशन तकनीकों और रोगमुक्त पौधों के उत्पादन की प्रक्रिया समझाई। दौरे का अंतिम चरण ग्रीनहाउस सुविधा रहा जहां जैबा यूनिस ने नियंत्रित वातावरण में पौधों की बेहतर वृद्धि के लिए तापमान, नमी और प्रकाश के महत्व को बताया। पूरे कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने शोधकर्ताओं से संवाद किया और वैज्ञानिक कार्यप्रणाली को नजदीक से समझा। इस दौरे ने छात्रों की अवधारणात्मक समझ को मजबूत करने के साथ-साथ उन्हें भविष्य में वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया। अंत में छात्रों ने इस उपयोगी और प्रेरणादायक अनुभव के लिए संस्थान के प्रति आभार व्यक्त किया

लोगों को दी राशन कार्ड, लेबर कार्ड व सरकारी योजनाओं की जानकारी

जम्मू, 13 अप्रैल (हि.स.)। जम्मू के पुरखू कैंप में शिव सेना हिंदुस्तान द्वारा एक वेलफेयर कैंप का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता जम्मू-कश्मीर के प्रदेश अध्यक्ष पंडित राजेश केसरी ने की। इस कैंप का उद्देश्य केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आम लोगों, विशेषकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग तक पहुंचाना था। कैंप में स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और विभिन्न सेवाओं का लाभ उठाया। इस दौरान राशन कार्ड से संबंधित कई समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया जिसमें विवरण में सुधार, नए सदस्यों को जोड़ना और नामों में त्रुटियों को ठीक करना शामिल रहा। इसके अलावा लेबर कार्ड बनवाने में सहायता दी गई और केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में भी लोगों को जागरूक किया गया।
आयोजकों ने बताया कि इस पहल का मकसद गरीब वर्ग को सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने से राहत देना है। उन्होंने कहा कि ऐसे कैंप लोगों के दरवाजे तक शासन की सुविधाएं पहुंचाने का माध्यम हैं जिससे समय और संसाधनों की बचत होती है। कैंप में लाभार्थियों ने संतोष जताते हुए कहा कि उन्हें अपने क्षेत्र में ही सुविधाएं आसानी से मिल गईं। लोगों ने शिव सेना हिंदुस्तान और केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर पंडित राजेश केसरी ने युवाओं को नशे से दूर रहने और शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही एक उज्जवल भविष्य की कुंजी है और यह समाज को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

UNION TERRITORY OF JAMMU & KASHMIR
OFFICE THE EXECUTIVE ENGINEER PWD (R&B) DIVISION BASOHLI
SHORT NOTICE INVITING TENDER
e-NIT No.03 of 2026-27 dated 10-04-2026

For and on behalf of the Lieutenant Governor, Union Territory of Jammu and Kashmir e-tenders are invited on percentage basis from approved and eligible Contractors registered with Union Territory of J&K, CPWD, Railways, MES and other State/Central Governments for the below noted work:-

S. No	Name of Work	Name of Division	Advertised Cost (Rs. in lacs)	Cost of Tender document (inRs.)	Earnest Money in shape of CDR/FDR/BG	Time Allowed for complete-on	Time and date of opening of tender	Class of Contr.
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	Construction of Drinking Water at Primary School Bhodi PAB 2025-26 Under Samagra Shiksha.	PWD (R&B) Division Basohli	0.59	600/-	2% of Adv. Cost	01 Month	23/04/2026 (1200 Hrs. Noon)	'D'
2	Construction of Drinking Water at Primary School Larri PAB 2025-26 Under Samagra Shiksha	PWD (R&B) Division Basohli	0.59	600/-	2% of Adv. Cost	01 Month	23/04/2026 (1200 Hrs. Noon)	'D'
3	Major Repair at High School Sialag PAB 2025-26 -PM Shri	PWD (R&B) Division Basohli	1.00	600/-	2% of Adv. Cost	01 Month	23/04/2026 (1200 Hrs. Noon)	'D'
4	Major Repair at High School Galodi PAB 2025-26 PM Shri	PWD (R&B) Division Basohli	0.97	600/-	2% of Adv. Cost	01 Month	23/04/2026 (1200 Hrs. Noon)	'D'
5	Major Repair at Upper Primary School Khaddi PAB 2025-26 Samagra Shiksha	PWD (R&B) Division Basohli	3.47	600/-	2% of Adv. Cost	02 Month	23/04/2026 (1200 Hrs. Noon)	'D'
6	Repair of DYS Toilet at Middle School Kasheer PAB 2025-26 Under Samagra Shiksha	PWD (R&B) Division Basohli	0.35	600/-	2% of Adv. Cost	01 Month	23/04/2026 (1200 Hrs. Noon)	'D'
7	Repair of DYS Toilet at Primary School Larri PAB 2025-26 Under Samagra Shiksha	PWD (R&B) Division Basohli	0.70	600/-	2% of Adv. Cost	01 Month	23/04/2026 (1200 Hrs. Noon)	'D'
8	Major Repair and construction of Ramp at Govt. Middle School Badari PAB-2025-26 (Under Samagra Shiksha).	PWD (R&B) Division Basohli	3.73	600/-	2% of Adv. Cost	02 Month	23/04/2026 (1200 Hrs. Noon)	'D'

No.44-61 Dated:-10-04-2026

DIP/J-484/26
Dtd: 13-4-2026

Sd/-
Executive Engineer
PWD (R&B) Division
Basohli

Note:- The tender documents can be seen and download from the website www.jktenders.gov.in

संपादकीय

भीड़ का इंसाफ़, इंसाफ़ नहीं होता

रामबन ज़िले से सामने आई घटना, जिसमें कथित तौर पर कुछ गौ-रक्षकों द्वारा हमला किए जाने के बाद एक व्यक्ति लापता हो गया है और माना जा रहा है कि वह किसी नाले में गिर गया है, की गहन जाँच होनी चाहिए और दोषियों के ख़िलाफ़ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने का अधिकार नहीं है। भले ही वह लापता व्यक्ति कोई अपराध कर रहा हो—और ज़्यादा सटीक तौर पर कहें तो, मवेशियों की तस्करी—फिर भी लोगों को उस पर हमला करने का कोई अधिकार नहीं था। इसके बजाय, वे पुलिस को सूचित कर सकते थे ताकि देश के कानून के तहत कार्रवाई की जा सके।

अब सही समय आ गया है कि रामबन ज़िला प्रशासन उन अपराधियों की पहचान करके इस मामले की जाँच करे, जिन्होंने गौ-रक्षा के नाम पर यह अपराध किया है। जम्मू-कश्मीर में कानून का राज है, और ऐसी घटनाएँ—जहाँ लोग पुलिस के किसी भी डर के बिना, सबके सामने हिंसा में लिप्त होते हैं—इस क्षेत्र की मौजूदा स्थिति की एक गंभीर तस्वीर पेश करती हैं।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि 2017 में, जब हिंसा में गौ-रक्षकों की संलिप्तता के मामले अपने चरम पर थे, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गौ-रक्षक समूहों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा था कि कोई भी कानून अपने हाथ में नहीं ले सकता। ख़बरों के अनुसार, पीएम मोदी ने राज्यों से कहा है कि वे गौ-रक्षा के नाम पर कानून तोड़ने वालों के ख़िलाफ़ कड़ी कार्रवाई करें। उन्होंने ज़ोर देकर कहा था, किसी भी व्यक्ति या समूह को कानून अपने हाथ में लेने की अनुमति नहीं दी जा सकती, और साथ ही यह भी जोड़ा था कि देश में गौ-रक्षा के लिए कानून मौजूद है, लेकिन गौ-रक्षा के नाम पर अपराध करना कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कुल मिलाकर, जम्मू-कश्मीर के रामबन ज़िले के प्रशासन को इस मामले में ज़रूरी कदम उठाने चाहिए, ताकि जनता का विश्वास फिर से जीता जा सके और उन्हें यह भरोसा दिलाया जा सके कि वे किसी बनाना रिपब्लिक (जहाँ कानून-व्यवस्था का कोई मतलब नहीं होता) में नहीं रह रहे हैं, जहाँ लोग खुद ही यह तय कर लेते हैं कि क्या सही है और क्या गलत, और पुलिस तथा न्यायपालिका को दरकिनार करके खुद ही इंसाफ़ करने लगते हैं।

कोई भी इस बात से इनकार नहीं कर सकता कि एक शांतिपूर्ण और न्यायपूर्ण समाज के लिए, हर कीमत पर कानून का पालन होना चाहिए। सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोगों का यह पवित्र कर्तव्य है कि वे यह सुनिश्चित करें कि यह घटना बिना किसी जवाबदेही के यूँ ही दबकर न रह जाए। एक त्वरित और निष्पक्ष जाँच, और दोषियों को सज़ा दिलाना—इस समय प्रशासन का एकमात्र लक्ष्य होना चाहिए; क्योंकि अगर ऐसा नहीं हुआ, तो इसका मतलब यही होगा कि इंसाफ़ नहीं मिला।

आखिरकार सुनी गई आधी आबादी की आवाज़

– आर. विमला, आईएएस

नारी शक्ति वंदन अधिनियम और भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं का न्यायोचितस्थान

जब महिलाएँ सशक्त होती हैं, तो भारत मजबूत होता है। घर की गरिमा से लेकर संसद में समान आवाज़ तक, यह एक नए और आत्मविश्वास से भरे भारत की परिकल्पना है।— प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी

भारत की महिलाएँ सदैव महान कार्यों में सक्षम रही हैं। वैदिक काल में गार्गी और मैत्रेयी ने बड़े-बड़े दार्शनिकों को निरुत्तर कर दिया था। पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होल्कर ने जिस न्यायपूर्ण तरीके से अपने राज्य का शासन चलाया, उसकी बराबरी उनके समकालीन शासक नहीं कर सके। रानी लक्ष्मीबाई साहस की एक अमर मिसाल बन गईं। फिर भी, स्वतंत्र भारत—जो समानता के सिद्धांत पर आधारित एक संवैधानिक गणराज्य है ने इन महान महिलाओं की उत्तराधिकारियों को अपनी विधायिकाओं में शायद ही कोई जगह दी। पहली लोकसभा में महिला सदस्यों की संख्या मात्र 4.4प्रतिशतथी। सात दशक बाद, 17वीं लोकसभा में भी यह आंकड़ा बढ़कर केवल 14.4प्रतिशत तक ही पहुँच पाया। व्यक्तिगत प्रतिभा ने तो अपनी जगह बना ली थी, लेकिन व्यवस्थागत बदलाव अभी भी नहीं आया था। असल में, महिलाएं अपने ही लोकतंत्र में एक तरह से मेहमान बनकर ही रह गईं।

हमारे संविधान ने पहले ही दिन से यह स्वीकार किया था कि जब सदियों से ढांचागत विसंगतियां जड़ जमाए बैठी हों, तो केवल औपचारिक समानता पर्याप्त नहीं होती।

संरक्षणात्मक भेदभाव के सिद्धांत के तहत अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और बाद में पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित की गईं। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि पंचायतों में आरक्षण की व्यवस्था सफल रही है- 24 मार्च 2026 तक, निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों में से लगभग 49.75प्रतिशत महिलाएँ हैं। जिन जगहों पर महिलाएँ शासन करती हैं, वहाँ पानी की आपूर्ति सुचारू होती है, साफ़-सफ़ाई की स्थिति बेहतर होती है और लड़कियाँ स्कूल जाना जारी रखती हैं। इसके बावजूद, संसद में भी इसी सिद्धांत को लागू करने के उद्देश्य से जो विधेयक पेश किए गए थे, वे राजनीतिक इच्छाशक्ति के अभाव में दशकों तक बार-बार निष्प्रभावी होते रहे।

वह क्षण जिसने सब कुछ बदल दिया –

वह अधूरी कड़ी 19 सितंबर 2023 को पूरी हुई। भारत के नए संसद भवन में आयोजित कामकाज के पहले ही सत्र में, नारी शक्ति वंदन अधिनियम को संसद के दोनों सदनों में, प्रत्येक राजनीतिक दल के सर्वसम्मत समर्थन से पारित किया गया। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने विधेयक पेश करते हुए दोनों सदनों को बताया यह कानून केवल एक कानून नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक भारतीय महिला की शक्ति, त्याग और सामर्थ्य के प्रति एक श्रद्धांजलि है।

यह अधिनियम लोकसभा और रायों की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटें आरक्षित करता है, जिसमें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के लिए उप-कोटा भी शामिल है। नए संसद भवन का यह पहला अधिनियम होना अपने आप में एक घोषणा थी- अमृत काल के लोकतंत्र की संरचना पूरे भारत के लिए और सभी की भागीदारी के साथ निर्मित की जाएगी।

इस अधिनियम में बदलाव लाने की अपार क्षमता है, क्योंकि इसके लागू होने से संसद में महिला सदस्यों की संख्या में भारी वृद्धि होगी। महिला विधायक निरंतर स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और सुरक्षा को प्राथमिकता देती हैं—ये वही क्षेत्र हैं, जहाँ भारत में लैंगिक असमानता सबसे अधिक है। एक ऐसी संसद, जिसमें एक-तिहाई सदस्य महिलाएँ होंगी, वह अलग तरह के प्रश्न पूछेगी और अलग तरह के विचार सुनेगी। इससे भारतीय लोकतंत्र की गुणवत्ता मैं सुधार होगा, न कि केवल उसकी बाहरी छवि में।

हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने हमेशा यह समझा है कि ज़मीनी स्तर पर सशक्तिकरण के बिना राजनीतिक सशक्तिकरण खोखला होता है। उनके द्वारा शुरू की गई यह यात्रा अत्यंत बुनियादी गरिमा से लेकर सर्वोच लोकतांत्रिक भागीदारी तक एक सुविचारित पथ पर आगे बढ़ती है। इसकी शुरुआत एक शौचालय से हुई। स्वछ भारत मिशन के तहत बनाए गए 10 करोड़ घरेलू शौचालयों ने उन महिलाओं को सुरक्षा और आत्म-सम्मान लौटाया, जिन्हें लंबे समय से इन दोनों से वंचित रखा गया था। जल जीवन मिशन ने 15 करोड़ से ज़्यादा ग्रामीण घरों तक नल का पानी पहुँचाया ।महिलाओं को मीलों पैदल चलकर पानी ढो कर लाने से मुक्ति मिलीजिससे उनका सुबह का कीमती समय जाया हो जाता था।

'पीएम उज्ज्वला योजना' के 10.56 करोड़ एलपीजी कनेक्शनों ने महिलाओं को धुएं से भरी रसोई से मुक्ति दिलाई। पीएम आवास योजना के तहत महिलाओं के नाम पर घर बनाए गए। 55प्रतिशतसे अधिक महिलाओं के स्वामित्व वाले जन धन खातों ने उन्हें आर्थिक स्वतंत्रता प्रदान की। मुद्रा योजना के ऋण, स्वयं सहायता समूह, लखपति दीदी, सखी, वन स्टॉप सेंटर और तीन तलाक का उन्मूलन- प्रत्येक योजना उसी सीढ़ी का अगला पायदान थी, जो उन्हें केवल गुज़ारा करने की स्थिति से गरिमा की ओर, गरिमा से सामर्थ्य की ओर, और सामर्थ्य से नेतृत्व की ओर निरंतर बढ़ाती गई।

आधुनिक भारत के लिए एक दृष्टिकोण –

भारत को नारी शक्ति वंदन अधिनियम को तुरंत लागू करने की आवश्यकता है ।यह हमारे दौर के सबसे अधिक परिवर्तनकारी संभावित सुधारों में से एक है। महिलाओं के विधायी प्रतिनिधित्व को बढ़ाकर, यह हर स्तर पर नीति-निर्माण में उनकी भागीदारी को बढ़ाएगा- चाहे वे बजट हों जो मातृ स्वास्थ्य के लिए धन उपलब्ध कराते हैं, वे कानून हों जो पीड़ितों की रक्षा करते हैं, या वे नीतियां हों जो लड़कियों को स्कूल में बनाए रखती हैं और उनकी शिक्षा को बढ़ावा देती हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का विकसित भारत (2047 तक एक विकसित भारत) का दृष्टिकोण इस दृढ़ विश्वास पर आधारित है

'पीएम उज्ज्वला योजना' के 10.56 करोड़ एलपीजी कनेक्शनों ने महिलाओं को धुएं से भरी रसोई से मुक्ति दिलाई। पीएम आवास योजना के तहत महिलाओं के नाम पर घर बनाए गए। 55प्रतिशतसे अधिक महिलाओं के स्वामित्व वाले जन धन खातों ने उन्हें आर्थिक स्वतंत्रता प्रदान की।

द्रा योजना के ऋण, स्वयं सहायता समूह, लखपति दीदी, सखी, वन स्टॉप सेंटर और तीन तलाक का उन्मूलन- प्रत्येक योजना उसी सीढ़ी का अगला पायदान थी, जो उन्हें केवल गुज़ारा करने की स्थिति से गरिमा की ओर, गरिमा से सामर्थ्य की ओर, और सामर्थ्य से नेतृत्व की ओर निरंतर बढ़ाती गई।

कि कोई भी राष्ट्र अपनी पूरी क्षमता तक तब तक नहीं पहुँच सकता, जब तक उसके आधे नागरिक उन जगहों से बाहर रहें जहाँ सत्ता का संचालन होता है ।जैसा कि उन्होंने हमेशा कहा है- भारत तभी एक विकसित राष्ट्र बनेगा जब इसकी महिलाएँ न केवल अपने घरों में, बल्कि अपनी संसद में भी पूरी तरह सशक्त होंगी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारतीय महिलाओं के लिए कुछ नया सृजन नहीं करता है ।इसने उस विद्वत्ता, साहस और नेतृत्व करने की इछाशक्ति के लिए एक संस्थागत स्थान सुनिश्चित कर दिया है, जो महिलाओं में पहले से ही मौजूद है।

शौचालय की गरिमा से लेकर संसद में समान आवाज़ तक, यह मात्र एक विधायी यात्रा नहीं है। यह एक ऐसे राष्ट्र की कहानी है जिसने अंततः पूर्णता की ओर बढ़ने का निर्णय लिया है।

आधी आबादी को आखिरकार सुना गया। नज़रिया साफ़ है। ये मुहीम जारी रहेगी।

(लेखिका महाराष्ट्र सरकार मेंरेजिडेंट कमिश्नर एवं सचिव पद पर कार्यरत हैं और आईआईटी बॉम्बे से पीएचडी कररहीहैं)

डॉ. आम्बेडकर के विचारों को समझने की जरूरत

डॉक्टर लोकेश चंदेल

देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने डॉ. भीमराव आम्बेडकर को आधुनिक भारत का निर्माता और सामाजिक सुधारों का अग्रदूत कहा था। डॉ. आम्बेडकर ने कानून मंत्री के पद से महिलाओं को समान अधिकार दिलाने के लिए संसद में हिन्दू कोड बिल पेश किया ।

इसमें संपत्ति और तलाक के अधिकार भी शामिल थे। वे कहा करते थे- महिलाओं की सामाजिक स्थिति देखकर उस समाज की प्रगति का अनुमान लगाया जाना चाहिए। शिक्षा ही सामाजिक परिवर्तन का सबसे बड़ा माध्यम है। डॉ. आम्बेडकर का जन्म 14 अप्रेल, 1891 को मध्यप्रदेश के महू में हुआ था। उनका मुख्य विचार' शिक्षत बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो।बना था'। ये शब्द सामाजिक सशक्तीकरण और सामूहिक प्रगति के प्रति उनके दृष्टिकोण को दर्शाते हैं। वे महात्मा ज्योतिबा फुले को अपना गुरू मानते थे, क्योंकि उनके विचारों और सामाजिक आन्दोलनों से बहुत प्रेरित हुए। संत कबीर और महात्मा बुद्ध को भी अपना दार्शनिक गुरू मानते थे।

उन्होने बुद्ध के समानता और भाईचारे के सिद्धांत को जीवनभर अपनाया। कबीर के आडम्बर मुक्त और सामंतवादी विचारों का भी प्रभाव रहा। डॉ. आम्बेडकर अपने अधिकतर भाषणों में महिलाओं, मजदूरों और समाज के वंचित वर्गों को शिक्षा लेने के लिए प्रोत्साहित करते थे। उन्होंने श्रमिकों के लिए काम के घंटे, न्यूनतम वेतन और अन्य अधिकार सुनिश्चित कराने में भूमिका निभाई। उनकी परिकल्पना से ही भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना हुई । वे भारतीय संविधान के मुख्य शिल्पी, समाज सुधारक, अर्थशास्त्री, महिला उदारक , मजदूरों के हितैषी और दलितों के मसीहा थे। उन्होंने समानता, बंधुत्व और सामाजिक न्याय के लिए जीवन भर संघर्ष किया, जाति आधारित भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाई और भारतीय संविधान के माध्यम से शोषितों, महिलाओं व श्रमिकों को मौलिक अधिकार दिलाकर राष्ट्र निर्माण में अद्वितीय योगदान दिया।

वे संविधान सभा की ड्राफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष थे। उन्होंने सभी नागरिकों के लिए न्याय, स्वतंत्रता और समानता सुनिश्चित करने वाला संविधान तैयार किया। उन्होंने अस्पृश्यता के खिलाफ लम्बी जंग लड़ी, दलितों के सम्मान और अधिकारों के लिए मूकनायक, बहिष्कृत भारत जैसी पत्रिकाएं प्रारंभ करके उनमें जनचेतना संचार किया। उन्होंने भारत में मजदूर वर्ग के अधिकारों, समानता और सुरक्षा के लिए ऐतिहासिक योगदान दिया, जिसमें काम के घंटे 14 से घटाकर 8 करना, महिलाओं के लिए प्रसूति अवकाश, न्यूनतम वेतन, और कर्मचारी राज्य बीमा की शुरुआत शामिल हैं।

उन्होंने ट्रेड यूनियनों को मान्यता दिलाई और भारतीय संविधान के माध्यम से शोषण के खिलाफ कानूनी अधिकार सुनिश्चित करवाए। उन्होंने मजदूरों के संगठित होने और सामूहिक सौदेबाजी के अधिकार को कानूनी मान्यता दिलाने का काम किया। संविधान में अनुच्छेद 23, 24, 39 और 43 के तहत बंधुआ मजदूरी, बाल श्रम, और समान काम के लिए समान वेतन जैसे प्रावधानों को शामिल किया। उन्होंने 1942 में 7वें भारतीय श्रम सम्मेलन में कारखानों में काम के घंटे 14 से घटाकर 8 घंटे करने का नियम लागू किया। उसी दौरान न्यूनतम मजदूरी अधिनियम का मसौदा तैयार किया, हालांकि इसे 1948 में कानून के रूप में लागू किया गया। वे 1944 में वेतन भुगतान (संशोधन) विधेयक पेश किया। इसमें महंगाई भत्ता (डीए), छुट्टी लाभ, वेतनमान में संशोधन, ओवरटाइम के लिए अतिरिक्त भुगतान, रियायती भोजन आदि प्रावधान शामिल थे।

डॉ .आम्बेडकर भारतीय महिलाओं को समानता, शिक्षा और संपत्ति के अधिकार दिलाने के लिए हिंदू कोड बिल के माध्यम से ऐतिहासिक संघर्ष किया। संविधान निर्माता के रूप में उन्होंने महिलाओं के लिए समान अधिकार, तलाक, गोद लेने और विरासत के अधिकार सुनिश्चित किए। भारतीय संविधान के माध्यम से उन्होंने महिलाओं को मतदान का अधिकार, समान काम के लिए समान वेतन, और शिक्षा व रोजगार में समानता सुनिश्चित की।

उन्होंने महिलाओं को तलाक लेने, पिता की संपत्ति में हिस्सा पाने, और गोद लेने का अधिकार देने के लिए हिन्दू कोड बिल पेश किया। यद्यपि यह तुरंत पास नहीं हुआ, लेकिन बाद में इसके प्रावधानों को ही हिन्दू कानून के रूप में अपनाया गया। उन्होंने महिलाओं को शिक्षित होने और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। उनका प्रसिद्ध कथन था कि पुरुषों की शिक्षा से अधिक महिलाओं की शिक्षा महत्वपूर्ण है। वे बाल विवाह, पर्दा प्रथा, और देवदासी जैसी कुरीतियों का कड़ा विरोध करते हुए महिलाओं को सम्मानजनक जीवन जीने के लिए प्रेरित करते थे। उन्होंने कार्यस्थल पर महिलाओं को मातृत्व अधिकार का लाभ दिलाने की वकालत की थी। डॉ. आम्बेडकर ने कहा था कि सरकार को कश्मीर में रह रहे हिन्दू और बौद्ध की सुरक्षा की चिंता सबसे पहले करनी चाहिए। वह भविष्यवाणी सही साबित हुई। 90 के दशक में कश्मीर से हिन्दुओं और बौद्धों को निकाला गया।

काश सरकारें उनके कथन को गंभीरता से लेतीं तो आज परिणाम कुछ और होते। भारत-पाकिस्तान के बंटवारे के समय पाकिस्तान में रह गए हिन्दुओं के लिए कहा था कि वे शीघ्र ही पाकिस्तान छोड़कर आ जाएं, क्योंकि उनका पाकिस्तान में भविष्य सुरक्षित नहीं है। यह भविष्यवाणी वर्तमान में सही सिद्ध हो रही है। वहां पर हिन्दुओं को जबरन इस्लाम स्वीकार करवाया जा रहा है। बहरहाल, हम यह कह सकते हैं कि इस महामानव के साथ उस दौर में न्याय नहीं किया गया। लेकिन आज उनके विचार विश्वविद्यालय की गोष्ठियों से निकलकर आम सभाओं में सुने जा रहे हैं। उनके कार्यों के बारे में जानकारी देने के लिए आम्बेडकर कथा की जा रही है। उनके किए गए कार्यों को देखकर उनके अनुयायियों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

(लेखक, स्वतंत्र पत्रकार हैं)

डॉ. भीमराव आंबेडकर- बहुआयामी व्यक्तित्व का समग्र परिप्रेक्ष्य

-डॉ. सदानंद दामोदर सप्रे

भारतीय इतिहास में कुछ महान व्यक्तित्व ऐसे होते हैं जिनकी छवि समाज के सामने सीमित रूप में प्रस्तुत होती है, जबकि उनका वास्तविक योगदान उससे कहीं अधिक व्यापक और बहुआयामी होता है। डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर भी ऐसे ही एक महान पुरुष हैं। सामान्यतः उन्हें केवल संविधान निर्माता या दलितों के उद्धारक के रूप में जाना जाता है, किन्तु यह उनके विराट व्यक्तित्व का केवल एक अंश है। उनके जीवन और कार्यों का गहराई से अध्ययन करने पर स्पष्ट होता है कि वे एक अद्वितीय विद्वान, प्रखर अर्थशास्त्री, दूरदर्शी चिंतक, समर्पित शिक्षाविद, सिद्धांतनिष्ठ पत्रकार, श्रमिकों के हितैषी तथा सच्चे राष्ट्रनेता थे।

डॉ. आंबेडकर का प्रारंभिक जीवन अत्यंत कठिन परिस्थितियों में बीता। आर्थिक अभाव और सामाजिक भेदभाव के बीच उन्होंने जिस दृढ़ता और लगन से उच्च शिक्षा प्राप्त की, वह अद्भुत है। अमेरिका के कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से उन्होंने उच्चतम शैक्षणिक उपाधियाँ प्राप्त कीं। उनके शोध कार्य आज भी अर्थशास्त्र के क्षेत्र में महत्वपूर्ण संदर्भ माने जाते हैं। उनकी प्रसिद्ध कृति The Problem of the Rupee ने भारतीय वित्तीय व्यवस्था की दिशा निर्धारित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई और भारतीय रिज़र्व बैंक की स्थापना की वैचारिक आधारशिला रखी।

एक शोधकर्ता और चिंतक के रूप में डॉ. आंबेडकर ने अनेक प्रचलित धारणाओं को चुनौती दी। उन्होंने तथाकथित 'आर्य आक्रमण सिद्धांत' को तार्किक आधार पर अस्वीकार करते हुए यह सिद्ध किया कि भारतीय समाज की जड़ें एक ही सांस्कृतिक स्रोत में निहित हैं। अपनी पुस्तक Who Were Shudras में उन्होंने शूद्रों की ऐतिहासिक स्थिति का पुनर्मूल्यांकन किया और यह स्थापित किया कि वे मूलतः क्षत्रिय थे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जाति व्यवस्था जन्म आधारित न होकर एक सामाजिक विकृति के रूप में विकसित हुई। संस्कृत भाषा के प्रति उनके गहरे अनुराग और प्राचीन ग्रंथों के अध्ययन ने उनके विचारों को और भी प्रखर बनाया।

शिक्षा के क्षेत्र में भी उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने न केवल शिक्षण कार्य किया, बल्कि शिक्षा के प्रसार हेतु संस्थागत प्रयास भी किए। PeopleÓs Education Society की स्थापना, सिद्धार्थ कॉलेज और मिलिंद कॉलेज का प्रारंभ- ये सभी उनके शिक्षा के प्रति समर्पण के प्रमाण हैं। उनका मानना था कि शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्ति का माध्यम नहीं बल्कि सामाजिक परिवर्तन का सबसे सशक्त साधन है। वे शिक्षा को जीवनभर आवश्यक मानते थे और चाहते थे कि यह समान रूप से सभी वर्गों तक पहुँचे। पत्रकारिता के क्षेत्र में डॉ. आंबेडकर ने जनजागरण का प्रभावी माध्यम तैयार किया। 'मूकनायक', 'बहिष्कृत भारत' और 'जनता' जैसे पत्रों के माध्यम से उन्होंने समाज के वंचित वर्गों की आवाज़ को मुखर किया। वे एक सिद्धांतनिष्ठ और अनुशासित संपादक थे, जोकि लेखन की गुणवत्ता और तथ्यात्मकता पर विशेष ध्यान देते थे। उनकी पत्रकारिता केवल सूचना देने तक सीमित नहीं थी, बल्कि वह समाज में चेतना और परिवर्तन का माध्यम भी थी।

श्रमिक हितों के लिए उनके प्रयास विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। वायसराय की परिषद में श्रमिक प्रतिनिधि के रूप में उन्होंने कार्य घंटे को 12 से घटाकर आठ घंटे करने, ओवरटाइम भुगतान, न्यूनतम वेतन, मातृत्व अवकाश और कर्मचारी बीमा जैसी अनेक सुविधाओं को लागू करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह उनके सामाजिक न्याय के व्यापक दृष्टिकोण का ही परिणाम था कि उन्होंने श्रमिक वर्ग के अधिकारों को सशक्त बनाने का निरंतर प्रयास किया।

दलितों के उद्धार के लिए उनका संघर्ष उनके जीवन का केन्द्रीय उद्देश्य था।

उनका संघर्ष सामाजिक समरसता स्थापित करने के लिए था, न कि वैमनस्य फैलाने के लिए। उन्होंने अपने जीवन में अनेक अपमान सहते हुए भी अहिंसा और संवेदनशीलता का मार्ग नहीं छोड़ा।

यह उनकी महानता का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष है कि उन्होंने सामाजिक परिवर्तन के लिए संघर्ष किया, परंतु उसे हिंसा से दूर रखा।

धार्मिक दृष्टिकोण से भी उनका चिंतन अत्यंत स्पष्ट और तार्किक था। लगभग दो दशकों के विचार-मंथन के बाद उन्होंने 1956 में बौद्ध धर्म को अपनाया। यह निर्णय उन्होंने कहना चाहिए कि तत्कालीन समय में सामाजिक न्याय और समानता के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए संभवतया लिया। उनके अनुसार बौद्ध धर्म भारतीय संस्कृति का ही अभिन्न अंग है और उसमें मानवता के लिए आवश्यक नैतिक आधार निहित है।

एक राष्ट्रनेता के रूप में डॉ. आंबेडकर का योगदान सर्वविदित है। भारतीय संविधान के निर्माण में उनकी भूमिका निर्णायक रही। उन्होंने संविधान को स्वतंत्रता, समानता और बंधुता के सिद्धांतों पर आधारित किया। उनका मानना था कि सिर्फ राजनीतिक लोकतंत्र पर्याप्त नहीं है, सामाजिक और आर्थिक लोकतंत्र भी आवश्यक है। उन्होंने अपने ऐतिहासिक भाषण में यह भी चेतावनी दी कि व्यक्ति-पूजा लोकतंत्र के लिए घातक हो सकती है और हमें अपने अधिकारों की रक्षा के लिए संवैधानिक मार्ग ही अपनाना चाहिए।

राष्ट्रीय विकास के संदर्भ में भी उनकी सोच अत्यंत दूरदर्शी थी। उन्होंने जल और ऊर्जा के क्षेत्र में राष्ट्रीय नीतियों की आवश्यकता पर बल दिया तथा नदियों को जोड़ने और औद्योगीकरण को बढ़ावा देने का सुझाव दिया। राष्ट्रीय एकता के विषय में वे अत्यंत सजग थे और भाषाई आधार पर राज्यों के गठन को लेकर उन्होंने अपनी आशंकाएँ व्यक्त कीं। उनका मानना था कि यह प्रवृत्ति भविष्य में राष्ट्रीय एकता के लिए चुनौती बन सकती है।

डॉ. आंबेडकर की एक विशेषता यह भी थी कि वे समय और परिस्थितियों के अनुसार अपने विचारों में परिवर्तन करने से नहीं हिचकते थे। पूना समझौते के समय उन्होंने राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने पूर्व विचारों में लचीलापन दिखाया। स्वतंत्रता के बाद उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि देश की आजादी की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का सर्वोच्च कर्तव्य है।

अंततः कहना यही है कि डॉ. भीमराव आंबेडकर का जीवन हमें यह सिखाता है कि सच्ची महानता उपलब्धियों में सीमित नहीं की जा सकती है, वह वास्तव में उन मूल्यों में निहित होती है जिनके आधार पर व्यक्ति समाज और राष्ट्र के लिए कार्य करता है। इसलिए वे केवल एक वर्ग विशेष के नेता नहीं थे, बल्कि समूचे राष्ट्र के पथप्रदर्शक थे। आज आवश्यकता है कि हम उनके विचारों को समग्रता में समझें और उन्हें अपने जीवन तथा समाज में आत्मसात करें। यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

देहरादून में खेली जा रही सचिवालय सुपर लीग में हरिकेन और पैंथर की बड़ी जीत

एजेंसी

देहरादून। देहरादून में खेली जा रही सचिवालय सुपर लीग 2026 में रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। पहले मैच में सचिवालय हरिकेन ने शानदार प्रदर्शन के दम पर सचिवालय लायंस को 103 रन से हरा दिया। दूसरे मैच में सचिवालय पैंथर ने राइजिंग को 187 रनों के बड़े अंतर से पटखनी दी। पहले मैच में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए सचिवालय हरिकेन ने निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट खोकर 206 रनों का विशाल पहाड़ खड़ा किया। टीम के लिए दिवाकर पंत ने बेहतरीन पारी खेलते हुए 75 रन और रवि रन्सवाल ने 35 रन बनाए। इसके जवाब में 207 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सचिवालय लायंस की टीम मात्र 13.3 ओवरों में 103 रनों पर सिमट गई। लायंस की ओर से राज कुमार पाठक (29 रन) और संदीप सिंह (23 रन) ही कुछ संघर्ष कर सके। हरिकेन की ओर से आशीष रावत और ओमीश कुमार ने 04-04 विकेट लिए। आशीष रावत को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार प्रदान किया गया। दूसरा मैच सचिवालय पैंथर और राइजिंग के बीच खेला गया। पैंथर ने पहले खेलते हुए निर्धारित ओवरों में एक विकेट खोकर 275 रन का विशाल स्कोर बनाया। टीम के खिलाड़ी प्रमोद नेगी ने 175 रन की दमदार शतकीय पारी खेला। उनके अलावा अमित नेगी ने भी 76 रन बनाए।

वाराणसी में पहली बार गंगा की रेती पर खेला गया महिला हैंडबॉल ट्रायल मैच

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक और सांस्कृतिक राजधानी वाराणसी में पहली बार गंगा नदी की रेती पर महिला हैंडबॉल प्रतियोगिता का ट्रायल मैच खेला गया। गढ़वाघाट मठ के सामने हुए ट्रायल मैच में 36 महिला खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। जिनमें सात राष्ट्रीय खिलाड़ी भी शामिल रहीं। यूपी एडवेंचर स्पोर्ट्स क्लब और जिला नौकायन संघ की पहल पर आयोजित ट्रायल मैच में महिला खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह दिखा। यूपी एडवेंचर स्पोर्ट्स क्लब के बैनर तले 14 से 15 अप्रैल तक प्रथम बीच हैंडबॉल प्रतियोगिता खेली जाएगी। क्लब के चेयरमैन डॉ. एके सिंह के अनुसार मानकों के अनुसार मैच के लिए दो कोर्ट का निर्माण किया गया है। इस प्रतियोगिता में 13 अप्रैल को भी प्रैक्टिस मैच होंगे। इसके बाद 14 और 15 अप्रैल को गंगा की रेत पर महिला बीच हैंडबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में 12 टीमों के 96 महिला खिलाड़ी भाग लेंगी, जिनमें से 14 खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर की हैं। उन्होंने बताया कि बीच हैंडबॉल प्रतियोगिता का आयोजन वाराणसी में पहली बार हो रहा है।

श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए बांग्लादेश टीम घोषित, जुऐरिया फर्डौस नया चेहरा

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने श्रीलंका के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। इस टीम में 20 वर्षीय विकेटकीपर बल्लेबाज जुऐरिया फर्डौस को पहली बार शामिल किया गया है। एक अन्य महत्वपूर्ण फैसले में दाएं हाथ की बल्लेबाज शर्मीन सुल्ताना की सात साल बाद एकदिवसीय टीम में वापसी हुई है, जिससे टीम के बल्लेबाजी क्रम को अनुभव मिलेगा। टीम की कप्तानी निगार सुल्ताना जोटी के हाथों में होगी, जबकि नाहिदा अख्तर उपकप्तान रहेंगी। जुऐरिया फर्डौस अब तक बांग्लादेश के लिए सात अंतरराष्ट्रीय टी-20 मुकाबले खेल चुकी हैं और इस एकदिवसीय टीम में शामिल एकमात्र नई खिलाड़ी हैं। उनका चयन यह संकेत देता है कि चयनकर्ता आगामी व्यस्त सत्र को ध्यान में रखते हुए युवा खिलाड़ियों को अवसर देना चाहते हैं। श्रीलंका की टीम 17 अप्रैल को बांग्लादेश पहुंचेगी और सीधे राजशाही जाएगी, जहां वनडे सीरीज का आयोजन होगा। दोनों टीमें सीरीज से पहले दो दिन अभ्यास करेंगी। तीन मैचों की यह श्रृंखला 20, 22 और 25 अप्रैल को राजशाही डिवीजनल स्टेडियम में खेली जाएगी। सभी मुकाबले सुबह 9:30 बजे से शुरू होंगे। इसके बाद 26 अप्रैल से दौरा सिलहट में होगा, जहां तीन मैचों की टी-20 सीरीज सिलहट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। श्रीलंका की टीम 3 मई को दौरा समाप्त कर वापस लौटेगी।

बांग्लादेश एकदिवसीय टीम:

निगार सुल्ताना जोटी (कप्तान), नाहिदा अख्तर (उपकप्तान), फरजाना हक, शोभना मोस्टरी, फहीमा खातून, शारमिन अख्तर सुप्ता, रितु मोनी, शोर्ना अख्तर, राबेया खान, शर्मिन सुल्ताना, मरुफा अख्तर, फरिहा इस्लाम त्रिस्ना, सुल्ताना खातून, शांजिदा अख्तर माघला, जुऐरिया फर्डौस।

झांसी के सीतारामदास का यूपी अंडर 17 क्रिकेट टीम में चयन

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी जनपद के उभरते युवा क्रिकेटर सीताराम दास का चयन उत्तर प्रदेश अंडर-17 क्रिकेट टीम में होने से जिले में खुशी की लहर है। उनकी इस उपलब्धि से न सिर्फ परिवार बल्कि क्षेत्र के खेल प्रेमियों में भी उत्साह का माहौल है। वह 69वीं राष्ट्रीय विद्यालयी क्रिकेट अंडर 17 में तेलंगाना में 26 अप्रैल से एक मई तक आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। सीताराम दास ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता महीपत सिंह निरंजन को दिया है। उनके पिता ग्राम विकास अधिकारी के पद पर कार्यरत रहे और पूर्व में ग्राम महेवा किशोरपुरा, टोड़ी फतेहपुर के निवासी हैं। वर्तमान में वह झांसी के सीपरी बाजार स्थित आईटीआई अंतर्गत रहते हैं। सीताराम दास ने कहा कि उन्हें क्रिकेट खेलने का जितना शौक है, उससे कहीं अधिक उनके पिता का सपना था कि वह क्रिकेट में आगे बढ़ें और प्रदेश स्तर पर अपनी पहचान बनाएं।

आईपीएल 2026: रदरफोर्ड की नाबाद 71 रन की पारी बेकार, आरसीबी ने मुंबई को 18 रन से हराया

एजेंसी

मुंबई। आईपीएल 2026 के एक हाई-स्कोरिंग मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने मुंबई इंडियंस (एमआई) को 18 रन से हराकर शानदार जीत दर्ज की। वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए इस मैच में आरसीबी की संतुलित गेंदबाजी ने मुंबई के बड़े लक्ष्य के पीछा करने के प्रयास को रोक दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी ने 20 ओवर में 240/4 का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से फिल साल्ट ने 78 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जबकि रजत पाटीदार ने 53 रन बनाए। इसके अलावा विराट कोहली ने भी अर्धशतक जड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। 241 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई

इंडियंस की शुरुआत अच्छी रही। रोहित शर्मा और रायन रिकेल्टन ने टीम को तेज शुरुआत दिलाई और पावरप्ले में 62 रन जोड़े। हालांकि, छठे ओवर में रोहित शर्मा हैमस्ट्रिंग चोट के कारण रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर चले गए, जो टीम के लिए बड़ा झटका साबित हुआ।

मध्यक्रम में शेरफेन रदरफोर्ड ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 31 गेंदों में नाबाद 71 रन बनाए और मैच को रोमांचक बना दिया। उन्होंने मिचेल सेंटनर के साथ 68 रनों की साझेदारी भी की, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। आरसीबी की ओर से क्रुणाल पांड्या और सुयश शर्मा ने कसी हुई गेंदबाजी कर मुंबई को 20 ओवर में 222/5 पर रोक दिया। इस जीत के साथ आरसीबी ने चार मैचों में अपनी तीसरी जीत दर्ज की और 6 अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई। वहीं, मुंबई इंडियंस को लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा, जिससे टीम की स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो गई है।

कप्तान रजत पाटीदार बोले- लगातार 200+ स्कोर से बढ़ा आत्मविश्वास

एजेंसी

मुंबई। गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने मुंबई इंडियंस को वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में शानदार जीत दर्ज की। जीत के बाद कप्तान रजत पाटीदार ने टीम की बल्लेबाजी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'इस समय ऐसा लग रहा है कि हम हर मैच में 200 से ज्यादा रन बना रहे हैं। इससे मुझे काफी आत्मविश्वास मिलता है और बतौर कप्तान मुझे लगता है कि टीम में काफी प्रतिभा है।' पाटीदार ने इस मुकाबले में महज 17 गेंदों में अर्धशतक जड़कर टूर्नामेंट के इतिहास में कप्तान द्वारा सबसे तेज अर्धशतक का रिकॉर्ड भी बनाया।

अपनी बल्लेबाजी शैली पर उन्होंने कहा, 'मैं ज्यादा नहीं सोचता कि कैसे खेलना है। मैं गेंद के अनुसार प्रतिक्रिया देता हूं और यह स्पष्ट रखता हूं कि किस गेंदबाज को निशाना बनाना है और कौन-सा शॉट खेलना है। डगआउट में भी मैं स्कोरिंग के मौके तलाशता रहता हूं।' मैच में गेंद से अहम योगदान देने वाले क्रुणाल पांड्या ने टीम की बल्लेबाजी की सराहना करते हुए

कहा, 'हर मैच जीतने के लिए मेहनत करनी पड़ती है। जिस तरह विराट, साल्ट और टिम ने बल्लेबाजी की, वह शानदार था। खासकर साल्ट ने पावरप्ले में जिस तरह आक्रामक खेल दिखाया, उसने हमें मजबूत शुरुआत दी।' उन्होंने कप्तान पाटीदार की भी तारीफ करते हुए कहा, 'रजत जिस तरह से लगातार चार पारियों में बल्लेबाजी कर रहे हैं, उनकी स्पष्टता और निरंतरता शानदार है। कप्तान आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहे हैं।' रजत पाटीदार ने गेंदबाजी प्रदर्शन पर कहा, '200 रन होने के बावजूद ओस और परिस्थितियों के कारण दबाव रहता है। भुवी भाई और जैकब ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन मेरे लिए मैच का टर्निंग पॉइंट रासिख का स्पेल था। उनकी योजना, स्लोअर गेंदें और यॉर्कर बेहतरीन थे।' क्रुणाल पांड्या को लेकर उन्होंने कहा, 'क्रुणाल सबसे साहसी गेंदबाजों में से एक हैं। उनके पास कई तरह के कौशल हैं और वह बल्लेबाज को हमेशा असमंजस में रखते हैं।' टीम के मुख्य कोच मलोलन रंगराजन ने रासिख के जज्बे की तारीफ करते हुए कहा, 'वह एक जुझारू खिलाड़ी हैं। दोनों पैरों में ऐंठन के बावजूद वह मैदान पर डटे रहे और टीम के लिए पूरा प्रयास किया। वह एक फाइटर हैं। मैच के बाद क्रुणाल पांड्या ने कहा कि वानखेड़े और चिन्नास्वामी उनके पसंदीदा मैदानों में से हैं, लेकिन उनके लिए सबसे अहम टीम की जीत है।

मास्टर्स 2026: रॉरी मैकइलरॉय की ऐतिहासिक जीत, लगातार दूसरी बार बने चैंपियन

एजेंसी

ऑगस्टा। रॉरी मैकइलरॉय ने शानदार जुझारूपन का प्रदर्शन करते हुए मास्टर्स 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ उन्होंने लगातार दूसरी बार यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट जीता और टाइगर वुड्स के बाद ऐसा करने वाले चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हो गए। यह उनके करियर का छठा मेजर खिताब है। विश्व नंबर-2 मैकइलरॉय की शुरुआत चुनौतीपूर्ण रही। उन्होंने चौथे होल पर डबल बोगी और छठे होल पर बोगी कर दी, लेकिन इसके बाद जबरदस्त वापसी करते हुए अगले सात होल में चार बर्डी लगाईं। अंतिम दौर में एक अंडर पार 71 का स्कोर बनाकर उन्होंने कुल 12 अंडर पार 276 के साथ खिताब जीता।

उन्होंने विश्व नंबर-1 स्कॉटी शेफलर को एक स्ट्रोक से हराया। शेफलर ने 68 का शानदार राउंड खेला और कुल 277 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहे। पिछले वर्ष प्लेऑफ में जीत दर्ज करने वाले मैकइलरॉय ने इस बार शुरू से अंत तक बढ़त बनाए रखी। उन्होंने कहा

कि एक ग्रीन जैकेट के लिए 17 साल का इंतजार करना पड़ा, लेकिन अब लगातार दो जीत मिलना उनके लिए बेहद खास है।

टूर्नामेंट के चेयरमैन फ्रेड रिडले ने उन्हें ग्रीन जैकेट पहनाई। मैकइलरॉय ने पहले दो दिन में ही मजबूत बढ़त बना ली थी और सप्ताहांत में संयमित खेल दिखाते हुए जीत सुनिश्चित की।

अंतिम होल पर उनका शॉट पेड़ों के पार चला गया, लेकिन दबाव में शानदार वापसी करते हुए उन्होंने बंकर से गेंद निकालकर दो पुट में बोगी के साथ जीत हासिल की। तीसरे स्थान पर टाइरेल हैटन, जस्टिन रोज, रसेल हेनले और कैमरन यंग संयुक्त रूप से 278 के स्कोर के साथ रहे। जीत के बाद मैकइलरॉय ने अपनी बेटी और पत्नी को गले लगाकर खुशी जाहिर की। यह उनके करियर के सबसे भावुक पलों में से एक रहा।

सब जूनियर हॉकी चैंपियनशिप में झारखंड की खिताबी जीत

संदीपा ने कहा, यह टूर्नामेंट युवा खिलाड़ियों के लिए अहम मंच

एजेंसी

राजगीर। हॉकी झारखंड ने 16वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2026 में लगातार तीसरी बार खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। फाइनल मुकाबले में झारखंड ने हॉकी मध्य प्रदेश को 2-1 से हराया। इस पूरे अभियान में संदीपा कुमारी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम की सबसे ज्यादा गोल करने वाली खिलाड़ी बनीं। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में कुल पांच गोल किए।

संदीपा ने हॉकी इंडिया के हवाले से बताया कि उन्होंने साल 2021 में अपनी बहन और भारतीय महिला हॉकी टीम की खिलाड़ी संगीता कुमारी से प्रेरित होकर हॉकी खेलना शुरू किया। उन्होंने कहा, 'मैच से पहले दीदी ने मुझे दिल से खेलने, पूरे

समय फोकस बनाए रखने और अपनी क्षमता पर भरोसा रखने की सलाह दी। वह हमेशा कहती हैं कि अपने कौशल पर विश्वास रखो और दबाव में भी आत्मविश्वास बनाए रखो।' संदीपा ने टूर्नामेंट के महत्व पर कहा, 'यह प्रतियोगिता हम जैसे युवा खिलाड़ियों के लिए बहुत अहम मंच है। इससे हमें अपनी प्रतिभा दिखाने और खेल में आगे बढ़ने का मौका मिलता है।'

उन्होंने आनंदना फाउंडेशन का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनके सहयोग से महिला हॉकी को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने बताया, 'हमने टूर्नामेंट से पहले लगातार 15 दिन तक अभ्यास किया। हमारा लक्ष्य साफ था कि हमें फिर से चैंपियन बनना है और हमने पूरी मेहनत की।' फाइनल मुकाबले को लेकर उन्होंने कहा, 'हमने पूरे जोश के साथ खेला। एक गोल खाने के बाद भी हमने विश्वास नहीं खोया और अंत तक जीत के लिए प्रयास करते रहे।' इस जीत के साथ हॉकी झारखंड ने एक बार फिर अपनी मजबूत टीम और शानदार प्रदर्शन का प्रमाण दिया।

झारखंड ने बरकरार रखा खिताब, सब जूनियर महिला हॉकी चैंपियनशिप 2026 में जीता गोल्ड

एजेंसी

रांची। झारखंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 16वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2026 में स्वर्ण पदक जीता है। मेजबान टीम ने फाइनल में मध्य प्रदेश को 2-1 से हराकर अपना खिताब वापस जीता। फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। झारखंड की ओर से सुगन सांगा ने मैच के पांचवें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। हालांकि, मध्य प्रदेश ने हार नहीं मानी और दूसरे हाफ में नाम्मी गीताश्री ने 37वें मिनट में गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। जब मुकाबला बराबरी पर था और दोनों टीमें जीत के लिए जोर लगा रही थीं, तभी सेवानी केरकेट्टा ने 56वें मिनट में शानदार फील्ड गोल कर झारखंड को निर्णायक बढ़त दिलाई। यह गोल मैच का टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ और झारखंड ने 2-1 से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। पूरे टूर्नामेंट में झारखंड का प्रदर्शन शानदार रहा। टीम ने एक भी मैच नहीं गंवाया और पूल ए में शीर्ष स्थान हासिल किया। इसके बाद क्वार्टरफाइनल और सेमीफाइनल में भी लगातार 2-0 से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई। टीम की संदीपा कुमारी पांच गोल के साथ टूर्नामेंट की शीर्ष स्कोरर रहीं। वहीं, तीसरे स्थान के मुकाबले में ओडिशा ने उत्तर प्रदेश को 4-2 से हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया। ओडिशा की प्रियंका मिंज ने दो गोल कर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा प्रिया प्रिंसेस एक्का और अर्चना कुजूर ने भी गोल कर ओडिशा को मजबूत बढ़त दिलाई। उत्तर प्रदेश की ओर से कप्तान अरीका कुमारी और ममता कुमारी ने गोल किए।

पथिराना को श्रीलंका क्रिकेट से मिला एनओसी, जल्द जुड़ेंगे केकेआर टीम से

एजेंसी

कोलकाता/कोलंबो। श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथिसा पथिराना को श्रीलंका क्रिकेट ने फिटनेस टेस्ट पास करने के बाद नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) दे दिया है। इसके साथ ही वे अब कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से जुड़ने के लिए भारत आ सकेंगे।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पथिराना अपनी चोट से काफी हद तक उबर चुके हैं और 17 अप्रैल को टीम के साथ जुड़ने की संभावना है। हालांकि, उन्हें तुरंत प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं किया जाएगा। केकेआर की मेडिकल टीम से अंतिम फिटनेस क्लियरेंस मिलने के बाद ही वे 19 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले में चयन के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। पथिराना की वापसी केकेआर के लिए बड़ी राहत

मानी जा रही है। टीम इस समय आईपीएल 2026 की अंक तालिका में निचले पायदान पर है। चार मैचों में तीन हार और एक मुकाबला बेनतीजा रहने के बाद टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। गेंदबाजी विभाग केकेआर की सबसे बड़ी चिंता बना हुआ है। चोट के कारण हर्षित राणा और आकाश दीप टीम से बाहर हैं, जबकि मुस्तफिजुर रहमान को टूर्नामेंट शुरू होने से पहले रिलीज कर दिया गया था। इसके अलावा स्पिनर वरुण चक्रवर्ती भी फॉर्म में नहीं हैं। केकेआर ने अपने पहले मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 220 रन का बड़ा स्कोर भी बचाने में नाकामी झेली। इसके बाद सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ उन्हें बड़ी हार का सामना करना पड़ा, जबकि लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ भी टीम जीत की स्थिति से मैच गंवा बैठी। पथिराना को पिछले आईपीएल ऑक्शन में 18 करोड़ रुपये में खरीदा गया था। उन्हें इस साल की शुरुआत में टी20 विश्व कप के दौरान पिंडली में चोट लगी थी, जिसके कारण वे शुरुआती मुकाबलों में नहीं खेल सके। अब उनकी वापसी से केकेआर की गेंदबाजी को मजबूती मिलने की उम्मीद है, जिससे टीम टूर्नामेंट में वापसी की कोशिश करेगी।

मुरादाबाद रेल मंडल की टीम ने जम्मू की टीम को हराकर अंतर मंडलीय क्रिकेट प्रतियोगिता जीती

एजेंसी

मुरादाबाद। रेलवे सुरक्षा बल द्वारा आयोजित अंतरमंडलीय क्रिकेट प्रतियोगिता में रेलवे स्टेडियम मुरादाबाद में मुरादाबाद रेल मंडल और जम्मू रेल मंडल के बीच रविवार शाम को फाइनल मुकाबला खेला गया। जिसमें मुरादाबाद रेल मंडल की टीम ने 8 विकेट से मैच जीत लिया और अंतर मंडलीय क्रिकेट प्रतियोगिता की ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया। मंडल रेल प्रबंधक विनीता श्रीवास्तव ने विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की। फाइनल मैच में मुरादाबाद रेल मंडल की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाज़ी का निश्चय किया। जम्मू रेल मंडल की टीम ने पहले खेलते हुए 06 विकेट के नुक़सान पर 168 रन बनाये। जिसके जवाब में मुरादाबाद द्वारा 16 ओवर में 02 विकेट के नुक़सान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। मुरादाबाद की तरफ़ से प्रदीप ने 44 गेंदों में 83 रन की पारी

खेली व 02 विकेट भी हासिल किये। जिसके लिए उन्हें मैन आफ़ द मैच के पुरस्कार से नवाज़ा गया। उक्त टूर्नामेंट में बेस्ट बॉलर जम्मू के अजीत जांगिड रहे, बेस्ट बैट्समैन विजय रंगी दिल्ली के रहे तथा मैन आफ़ द सीरीज़ का पुरस्कार भी मुरादाबाद के प्रदीप रहे।इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक विनीता श्रीवास्तव द्वारा विजेता टीम एवं मैच में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

साठ से अधिक खिलाड़ियों को मिली कलर बेल्ट व प्रमाण पत्र

एजेंसी

मुरादाबाद। लाजपत नगर स्थित थापा ताइक्वांडो एकेडमी में कलर बेल्ट एवं प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एकेडमी के 60 से अधिक खिलाड़ियों को उनकी मेहनत, अनुशासन और उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर बेल्ट एवं प्रमाण पत्र वितरित किए गए। येलो बेल्ट -वेदिका, इशांत, आन्या दत्ता, घनिष्ठ, वायुन, आयांश, चैतन्य, गौरांग, हितांशी, नव्या, परी, नमीष, हर्षित, शिवा, गुलफिज़ा, प्रभगुण, तैमूर, फ़िंजा आदि को येलो बेल्ट देकर सम्मानित किया। ग्रीन बेल्ट - विराज, अध्यांश, खुशी, वेदांश, नैतिक, फिज़ा, गर्वित, मारिया को ग्रीन बेल्ट देकर सम्मानित किया। ग्रीन वन बेल्ट- गुरकीरत, प्रज्ञान, सान्वी, प्रत्यूष, अर्णव, श्रीनिका, समृद्धि, मनीषा, कनिका, सौरीश, मोहम्मद इमाद, कृष्णय को ग्रीन वन बेल्ट देकर सम्मानित किया गया। इसी प्रकार अनुषा, सिद्धार्थ, अनव गुप्ता को ब्लू बेल्ट। प्रभात, प्रतिभा, अक्षय बाजपाई को ब्लू वन बेल्ट। रिडे रस्तोगी को रेड बेल्ट तथा हिमांशु और प्रेरणा को रेड वन बेल्ट देकर सम्मानित किया। प्रमाण पत्र के लिए मोहम्मद सऊद, चिरायु, आरुष, अनुष्का, अव्यान, नायरा, सान्वी सिंह, अदिति, अनुपमा, आलिया, अक्षरा, पलक, प्रेरणा, ऋषिता आदि को बेल्ट देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर जिला ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन मुरादाबाद के सचिव शाहवेज़ अली ने सभी खिलाड़ियों को सम्मानित किया।

आईपीएल का 19वां मैच इकाना स्टेडियम में खेला गया, गुजरात ने लखनऊ को सात विकेट से हराया

एजेंसी

लउनऊ। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 19वां मैच लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। टॉस जीतकर गुजरात ने पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया। लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) और गुजरात टाइटंस (जीटी) के बीच खेले गए मैच में गुजरात ने लखनऊ की टीम को सात विकेट से हरा दिया। लखनऊ की टीम ने पहले बल्लेबाजी की और 20 ओवर में आठ विकेट पर 164 रन बनाए। जवाब में गुजरात टाइटंस ने 18.4 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 165 रन बनाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ गुजरात के चार मैचों में 2 जीत और 2 हार के साथ चार अंक हो गए हैं। टीम अंक तालिका में पांचवें नंबर पर पहुंच गई है। लखनऊ की चार मैचों में यह दूसरी हार है। उसके भी चार अंक है और अंक तालिका में छठे नंबर पर स्थित है।

लखनऊ के खिलाफ 165 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात को सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन और कप्तान शुभमन गिल ने सधी शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने शुरुआती पांच ओवर में 45 रन बटोरे। टीम को साई सुदर्शन के रूप में पहला झटका लगा। सुदर्शन 14 गेंदों पर

तीन चौकों की मदद से 15 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद शुभमन गिल ने तेजी से रन बटोरे और 33 गेंदों पर अर्धशतक जड़ दिया। उन्होंने जोस बटलर के साथ मिलकर 12वें ओवर तक टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया। गिल के बाद जोस बटलर ने भी अर्धशतक जड़ दिया। गुजरात को कप्तान गिल के रूप में दूसरा झटका लगा। गिल 40 गेंदों पर छह चौकों और एक छक्के की मदद से 56 रन बनाकर आउट हुए। गिल के बाद जोस बटलर भी 37 गेंदों पर 11 चौकों की मदद से 60 रन बनाकर आउट हो गए। अंत में वाशिंगटन सुंदर और राहुल तेवतिया ने टीम का और कोई विकेट नहीं गिरने दिया और टीम को आठ गेंद शेष रहते जीत दिला दी। सुंदर 13 गेंदों पर नाबाद 21 रन और तेवतिया ने 08 गेंदों पर नाबाद 10 रन बनाए। लखनऊ की ओर से मोहम्मद शमी, प्रिंस यादव, दिग्वेश राठी ने एक-एक विकेट लिया। इससे पहले लखनऊ की बल्लेबाजी इस मैच में कुछ खास नहीं रही। एलएसजी ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 164 रन बनाए। टीम के लिए कोई बल्लेबाज अर्धशतक नहीं लगा सका। एडेन मार्करम ने सबसे ज्यादा 30 रन बनाए। उनके अलावा निकोलस पूरन ने 21 गेंदों पर दो छक्कों की मदद से 19 रन बनाए।कप्तान ऋषभ पंत, अब्दुल समद और मुकुल चौधरी ने 18-18 रन बनाए। जॉर्ज लिंडे 16 रन, मोहम्मद शमी नाबाद 12 रन, मिचेल मार्श 11 रन और आयुष बदोनी ने नौ रन का योगदान दिया। गुजरात के लिए प्रसिद्ध कृष्णा ने ाानदार गेंदबाजी की और चार विकेट लिए। वहीं, अशोक शर्मा ने दो विकेट और मोहम्मद सिराज तथा कगिसो रबाडा ने एक-एक विकेट हासिल किया।

अप्रैल में भी विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी, 10 अप्रैल तक बेचे 48,213 करोड़ रुपये के शेयर

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की बिकवाली लगातार जारी है। मार्च के महीने में जमकर बिकवाली करने के बाद अप्रैल के महीने में भी एफपीआई घरेलू बाजार में शुद्ध बिकवाल (नेट सेलर) की भूमिका में बने हुए हैं। 10 अप्रैल तक के कारोबार में ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार में 48,213 करोड़ रुपये के शेयर बेच दिए हैं। इसके पहले अप्रैल के पहले सप्ताह के दो कारोबारी दिन एक और दो अप्रैल को विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 19,837 करोड़ रुपये के शेयरों की बिकवाली की थी। इसके बाद इस सप्ताह भी एफपीआई ने घरेलू शेयर बाजार में बिकवाली का सिलसिला जारी रखते हुए 5 दिन में 28,376 करोड़ रुपये के शेयर बेच कर अपना पैसा निकाल लिया। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार अप्रैल के पहले मार्च के महीने में भी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने रिकॉर्ड 1.17 लाख करोड़ रुपये के शेयरों की बिकवाली की थी। मार्च के महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने अक्टूबर 2024 में एक महीने में सबसे अधिक बिक्री करने के रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया।

देश में पेटेंट आवेदनों की संख्या 2025-26 में 30.2 फीसदी बढ़कर हुई 1.43 लाखः गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि देश में पेटेंट आवेदन दाखिल करने वालों की संख्या वित्त वर्ष 2025-26 में 30.2 फीसदी बढ़कर 1,43,729 हो गई है। यह बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) के तंत्र को मजबूत करने के लिए सरकार की विभिन्न पहल की वजह से हुआ है। इससे पिछले वित्त वर्ष में यह संख्या 1,10,375 रही थी। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया, ''वित्त वर्ष 2025-26 में हमारे पेटेंट आवेदन ऐतिहासिक रूप से बढ़कर 1.43 लाख से अधिक हो गए हैं, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 30.2 फीसदी का इजाफा है। इसमें से 69 फीसदी से अधिक पेटेंट घरेलू स्तर पर दाखिल किए गए हैं, जिनमें तमिलनाडु, कर्नाटक और महाराष्ट्र के नवोन्मेषकों की अग्रणी भूमिका है।'' वाणिज्य मंत्री के मुताबिक आवेदनों की संख्या में 2016-17 से लगातार वृद्धि देखी जा रही है, जब यह संख्या 45,444 रही थी। इसके बाद ये वित्त वर्ष 2017-28 में 47,894, वित्त वर्ष 2018-19 में 50,660, वित्त वर्ष 2019-20 में 56,268, वित्त वर्ष 2020-21 में 58,503, वित्त वर्ष 2021-22 में 66,440, वित्त वर्ष 2022-23 में 82,208 और इसके बाद वित्त वर्ष 2023-24 में 92,163 रही।

2 आईपीओ होंगे लॉन्च, 2 कंपनियों के शेयरों की होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली। शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में मामूली हलचल रहने वाली है। इस सप्ताह सिर्फ दो कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च कर रही हैं। इनमें से एक आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट का है, जबकि दूसरा आईपीओ एसएमई सेगमेंट का है। इसके अलावा निवेशक पहले से खुले दो आईपीओ में भी इस सप्ताह बोली लगा सकेंगे। जहां तक शेयर बाजार में नई लिस्टिंग की बात है, तो इस सप्ताह सिर्फ दो कंपनी स्टॉक मार्केट में एंट्री करने वाली हैं। इन दोनों कंपनियों के आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। दोनों कंपनियों के शेयरों की लिस्टिंग एक ही दिन होने वाली है। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 17 अप्रैल को सिटियस ट्रांसनेट इनवेस्टमेंट ट्रस्ट का 1,340 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 21 अप्रैल तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ के लिए अभी प्राइस बैंड और लॉट साइज तय नहीं हो सका है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 22 अप्रैल को शेयरों का अलॉटमेंट होगा, जबकि 23 अप्रैल को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 24 अप्रैल को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। इसी तरह 17 अप्रैल को ही मेहुल टेलिकॉम का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हो रहा है। इस इश्यू में भी 21 अप्रैल तक बोली लगाई जा सकेगी। अभी इस आईपीओ का साइज, प्राइस बैंड और लॉट साइज तय नहीं हुआ है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 22 अप्रैल को शेयरों का अलॉटमेंट होगा, जबकि 23 अप्रैल को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे।

भारत 2026 में बन सकता है दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सौर बाजारः एनएसईएफआई

नई दिल्ली। हरित ऊर्जा के क्षेत्र में सरकार की ओर से किये जा रहे प्रयासों के सकारात्मक नतीजे देखने को मिल रहे हैं और 2026 में भारत दुनिया का सबसे बड़े सौर ऊर्जा बाजार बन सकता है।नेशनल सोलर एनर्जी फेडरेशन ऑफ इंडिया (एनएसईएफआई) ने यह अनुमान लगाया है। एनएसईएफआई के अनुसार भारत ने सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अब तक की सबसे तेज वृद्धि दर्ज करते हुए पिछले 14 महीनों में 50 गीगावाट क्षमता जोड़ा है और इसकी कुल स्थापित क्षमता 150 गीगावाट तक पहुंच गयी है। एनएसईएफआई यह उपलब्धि इसलिए खास है क्योंकि पहले 50 गीगावाट तक पहुंचने में देश को 11 साल लगे थे, जबकि 100 गीगावाट तक पहुंचने में लगभग तीन साल का समय लगा। एनएसईएफआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सुब्रह्मण्यम पुलिपाका ने कहा, 'भारत के 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म क्षमता के लक्ष्य को हासिल करने के लिए सौर ऊर्जा से 280-300 गीगावाट की उम्मीद की गई है। मौजूदा गति को देखते हुए भारत सालाना लगभग 50 गीगावाट की वृद्धि के ट्रैक पर है, जो इस लक्ष्य के अनुरूप है।

अमेरिका के स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को ब्लॉक करने से कच्चे तेल की कीमत 10 प्रतिशत बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार

एजेंसी
मुंबई। कच्चे तेल की कीमत में सोमवार को 10 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली है, जिससे दाम फिर से 100 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल गया है। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल की वजह ईरान से वार्ता विफल होने के बाद अमेरिका का स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को ब्लॉक करना है। सुबह 10:45 पर ब्रेंट क्रूड का दाम 7.41 प्रतिशत या 7.05 डॉलर बढ़कर 102.2 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड का दाम 8.54 प्रतिशत या 8.25 डॉलर बढ़कर 104.8 डॉलर प्रति बैरल हो गई है। घरेलू स्तर पर भी कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिली। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर क्रूड ऑल फ्यूचर्स (20 अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट)7.61 प्रतिशत या 697 रुपए बढ़कर 9,850 रुपए पर था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

ने कहा कि ईरान 'जलमार्ग को खुला रखने में विफल रहा है' और चेतावनी दी कि अमेरिका स्ट्रेट में प्रवेश करने या बाहर निकलने की कोशिश करने वाले 'सभी जहाजों' को रोकेगा। उन्होंने समुद्री सुरक्षा और वैश्विक तेल आपूर्ति में संभावित व्यवधान को लेकर चिंता व्यक्त की। अमेरिका और ईरान ने 8 अप्रैल को दो सप्ताह के युद्धविराम पर सहमति जताई थी, जिसका उद्देश्य तनाव कम करना और एक महत्वपूर्ण वैश्विक तेल पारगमन मार्ग, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोलना सुनिश्चित करना था। हालांकि, दोनों देशों के बीच वार्ता विफल होने से आपूर्ति में व्यवधान की आशंका बढ़ गई है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज वैश्विक कच्चे तेल के परिवहन का एक महत्वपूर्ण मार्ग है, और इसमें किसी भी प्रकार की रुकावट का आपूर्ति श्रृंखलाओं और कीमतों पर तत्काल प्रभाव पड़ता है। इस बीच, घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट देखी गई, शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी जैसे प्रमुख सूचकांकों में लगभग 2 प्रतिशत की गिरावट आई। एशियाई बाजारों में भी प्रमुख सूचकांक भी लाल निशान में हैं, जिनमें निक्केई, हांग सेंग और कोस्पी जैसे प्रमुख सूचकांकों में 1 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने और चांदी के भाव में मामूली कमजोरी नजर आ रही है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,52,830 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,53,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,40,090 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,40,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह चांदी के भाव में आई मामूली कमजोरी के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,52,980 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,52,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,52,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,53,810 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,40,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,52,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,52,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,40,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

स्टॉक मार्केट में एमियाक टेक्नोलॉजीज की प्रीमियम एंट्री, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी
नई दिल्ली । डिजिटल मार्केट सॉल्यूशन का काम करने वाली कंपनी एमियाक टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में प्रीमियम एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 98 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 10 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 107.80 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली का जोर बन जाने के कारण ये शेयर उछल कर 11 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि बाद में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इसकी चाल में थोड़ी गिरावट भी आई। सुबह 10.23 बजे तक का कारोबार होने के बाद ये शेयर 109 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशक 11.22 प्रतिशत के फायदे में थे।

एमियाक टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का 31.75 करोड़ रुपये का आईपीओ 27 मार्च से 8 अप्रैल के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 3.22 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.02 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 4.96 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 3.74 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 32.40 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी कंप्यूटर और लैपटॉप की खरीदारी करने, ब्रांडिंग और मार्केटिंग करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 39 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 84 लाख रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 4.22 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक कंपनी को 4.55 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है।

जेएएल के लिए वेदांता की याचिका पर एनसीएलएटी में सुनवाई टली

एजेंसी
नई दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने सोमवार को खनन क्षेत्र की दिग्गज कंपनी वेदांता समूह की उन याचिकाओं पर सुनवाई टाल दी है, जिनमें कर्ज में डूबी जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) के लिए अडाणी समूह की कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज की बोली के चयन को चुनौती दी गई थी।

दिवाला अपीलीय न्यायाधिकरण ने वेदांता लिमिटेड की दो अपीलों पर सुनवाई कर रही बेंच की बनावट में बदलाव की वजह से यह सुनवाई टाल दी है। यह बदलाव बेंच के किसी सदस्य के मौजूद न होने की वजह से किया गया है। एनसीएलएटी अगली सुनवाई की तारीख जल्द ही तय करेगा।

दरअसल ये पूरा विवाद जेपी एसोसिएट्स की दिवाला प्रक्रिया से जुड़ा है। इलाहाबाद स्थित राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने 17 मार्च को एक आदेश पारित करते हुए जेएएल के अधिग्रहण के लिए अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की 14,535 करोड़ रुपये की समाधान योजना को मंजूरी दी गई थी। अनिल अग्रवाल के नेतृत्व वाले वेदांता समूह ने एनसीएलटी के इस फैसले का विरोध करते हुए एनसीएलएटी के समक्ष दो अलग-अलग याचिकाएं दायर की हैं। वेदांता समूह ने अपनी अपीलों के माध्यम से अधिग्रहण के लिए अदाणी समूह की बोली के चयन पर सवाल उठाए हैं। इस दिवाला प्रक्रिया का अंतिम निर्णय अभी कानूनी कसौटी पर है। एनसीएलएटी जल्द ही इस मामले की अगली सुनवाई की तारीख निर्धारित करेगा।

हालांकि, अडाणी एंटरप्राइजेज को अधिग्रहण की मंजूरी मिल चुकी है, लेकिन न्यायाधिकरण ने स्पष्ट किया है कि जेपी एसोसिएट्स की यह समाधान योजना वेदांता समूह की ओर से दायर अपीलों के अंतिम परिणाम के अधीन रहेगी। बाजार और निवेशकों की नजर अब अपीलीय न्यायाधिकरण के अंतिम फैसले पर टिकी हुई है।

पचपदरा रिफाइनरी का काउंटडाउन शुरू : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा करेंगे समीक्षा, 21 अप्रैल को पीएम मोदी करेंगे देश को समर्पित

एजेंसी
बालोतरा। राजस्थान की महत्वाकांक्षी पचपदरा रिफाइनरी के लोकार्पण की घड़ियां करीब आ गई हैं। आगामी 21 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस विशाल परियोजना का उद्घाटन करेंगे। इसी सिलसिले में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आज सोमवार को बालोतरा के पचपदरा पहुंच रहे हैं। वे मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक सहित वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रधानमंत्री के दौरे और लोकार्पण समारोह की तैयारियों का जायजा लेंगे। मुख्यमंत्री का दौरा : सुरक्षा और व्यवस्थाओं पर नजर अतिरिक्त जिला कलेक्टर के अनुसार, मुख्यमंत्री आज दोपहर रिफाइनरी परिसर का निरीक्षण करेंगे। उनके दौरे के मुख्य बिंदु निम्नलिखित हैं : जनसभा स्थल, हेलीपैड और सुरक्षा प्रोटोकॉल का निरीक्षण। रिफाइनरी के कामकाज और फिनिशिंग टच की समीक्षा। मुख्यमंत्री के साथ मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास और डीजीपी राजीव शर्मा भी तैयारियों को अंतिम रूप देंगे।

परियोजना का सफर : 2013 से 2026 तक की चुनौतियांपचपदरा

रिफाइनरी का इतिहास कूटनीतिक और आर्थिक बदलावों से भरा रहा है-शुरुआत (2013): सोनिया गांधी ने पहली बार शिलान्यास किया (लागतः 37,230 करोड़ रुपये)। औपचारिक शुभारंभ (2018): पीएम मोदी ने दोबारा कार्य शुरू कराया (लागतः 43,129 करोड़ रुपये)। वर्तमान स्थिति (2026): समय के साथ लागत बढ़कर अब 79,459 करोड़ रुपये हो गई है। यह एचपीसीएल (HPCL) और राजस्थान सरकार का एक संयुक्त उपक्रम है। रिफाइनरी की विशेषता : 'ग्रीन और आधुनिक' यह रिफाइनरी भारत की सबसे आधुनिक तेल परियोजनाओं में से एक है-क्रस-6 मानक : यह देश की पहली ऐसी रिफाइनरी है जो पूरी तरह क्रस-6 मानकों पर आधारित है। पर्यावरण के अनुकूल इस प्लांट से कोई भी तरल कचरा बाहर नहीं निकलेगा। सालाना 9 मिलियन टन कच्चे तेल की रिफाइनिंग क्षमता। इसमें 1.5 मिलियन टन कच्चा तेल राजस्थान का होगा, जबकि शेष अरब देशों से आयात किया जाएगा। रिफाइनरी के शुरू होने से बालोतरा और आसपास के क्षेत्रों का कायाकल्प होने वाला है- बालोतरा से रिफाइनरी साइट तक 12 किमी लंबी नई रेल लाइन बिछाई जाएगी ताकि माल ढुलाई सुगम हो सके। ?80 हजार करोड़ के इस निवेश से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हजारों युवाओं को रोजगार मिलने की उम्मीद है। राजस्थान बनेगा 'पेट्रो-हब' : प्रधानमंत्री मोदी का पिछले दो महीनों में यह दूसरा राजस्थान दौरा है (28 फरवरी को अजमेर आए थे), जो केंद्र सरकार के लिए राजस्थान के महत्व को दर्शाता है। पचपदरा केवल तेल साफ करने का केंद्र नहीं, बल्कि एक विशाल पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स भी है। इससे राज्य में नए उद्योगों की कतार लगेगी।

टॉप 10 में शामिल देश की 8 कंपनियों के मार्केट कैप में 4.13 लाख करोड़ की बढ़ोतरी

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में शामिल आठ कंपनियों के मार्केट कैप में बढ़ोतरी हो गई, जबकि दो कंपनियों के मार्केट कैप में गिरावट आ गई।

शीर्ष स्थान पर मौजूद इन दस कंपनियों में से आठ के मार्केट कैप में सोमवार से शुक्रवार तक के कारोबार के बाद 4.13 लाख करोड़ रुपये से अधिक का उछाल आ गया। इनमें सबसे अधिक फायदा एचडीएफसी बैंक को हुआ, जबकि फायदा उठाने के मामले में आईसीआईसीआई बैंक दूसरे स्थान पर रही। दूसरी ओर, टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में शामिल कंपनियों में शेष बची दो कंपनियों के मार्केट कैप में पिछले सप्ताह के कारोबार के बाद चार हजार करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आ गई। मार्केट कैप में नुकसान उठाने यानी गिरावट का सामना करने के मामले में इंफोसिस पहले स्थान पर रही, जबकि देश में सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज नुकसान उठाने के मामले में दूसरे स्थान पर रही।

इस सप्ताह के कारोबार के बाद एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टूब्रो भारती एयरटेल, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में 4,13,003.23 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। दूसरी ओर, इंफोसिस और रिलायंस इंडस्ट्रीज के मार्केट कैप में 4,232.31 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई।

6 महीने की लॉक इन से फ्री हुए 5 कंपनियों के 509.58 करोड़ शेयर

एजेंसी
नई दिल्ली। बजाज हाउसिंग फाइनेंस और टाटा कैपिटल समेत पांच कंपनियां के शेयरों का छह महीने का लॉक इन पीरियड आज खत्म हो गया। लॉक इन खत्म होने के बाद इन पांच कंपनियां के कुल 509.58 करोड़ शेयर ट्रेडिंग के लिए उपलब्ध हो गए हैं। शुक्रवार की क्लोजिंग प्राइस के अनुसार इन शेयरों की कीमत लगभग 1.15 लाख करोड़ रुपये है। इनमें सबसे अधिक 285.80 करोड़ शेयर टाटा कैपिटल के हैं। टाटा कैपिटल कंपनी के शेयरों का छह महीने का लॉक-इन आज खत्म हो गया। लॉक इन खत्म हो जाने से आज से कंपनी के लगभग 285.80 करोड़ शेयर ट्रेडिंग के लिए फ्री हो गए हैं। आज ट्रेडिंग के लिए फ्री हुए शेयर कंपनी की कुल इक्विटी के 67 प्रतिशत के बराबर हैं। आज फ्री हुए इन शेयरों की कुल वैल्यू शुक्रवार की क्लोजिंग प्राइस के हिसाब से 93,700 करोड़ रुपये से ज्यादा है।

इसी तरह बजाज हाउसिंग

फाइनेंस के कुल इक्विटी का 25 प्रतिशत आज से ट्रेडिंग के लिए फ्री हो गया। इस तरह छह महीने से लॉक इन में पड़े कंपनी के कुल 210 करोड़ शेयरों में आज से ट्रेडिंग शुरू हो गई है। शुक्रवार की क्लोजिंग प्राइस के अनुसार इन शेयरों की वैल्यू लगभग 17,976 करोड़ रुपये है। इसके अलावा छह महीने से लॉक इन में पड़े वी वर्क इंडिया के 5.99 करोड़ शेयर भी आज से ट्रेडिंग के लिए उपलब्ध हो गए हैं। लॉक इन से फ्री होने वाले ये शेयर कंपनी की कुल इक्विटी का 45 प्रतिशत हैं। शुक्रवार की क्लोजिंग प्राइस के हिसाब से आज ट्रेडिंग के लिए फ्री हुए शेयर की वैल्यू लगभग 2,814 करोड़ रुपये है। इसी तरह आज ही एडवांस एग्रोलाइफ की कुल इक्विटी का 50 प्रतिशत यानी 3.21 करोड़ शेयर भी छह महीने के लॉक इन के बाद आज से ट्रेडिंग के लिए उपलब्ध हो गए हैं। शुक्रवार की क्लोजिंग प्राइस के अनुसार आज ट्रेडिंग के लिए फ्री हुए इन शेयरों की कीमत लगभग 343 करोड़ रुपये है। इसके अलावा बीएमडब्ल्यू वेंचर्स के 4.58 करोड़ शेयर भी आज से ट्रेडिंग के लिए उपलब्ध हो गए हैं। लॉक इन से फ्री होने वाले ये शेयर कंपनी की कुल इक्विटी का 53 प्रतिशत हैं। शुक्रवार की क्लोजिंग प्राइस के हिसाब से इन शेयरों की वैल्यू लगभग 265 करोड़ रुपये है।

सरकार ने पांच किग्रा के एलपीजी की आपूर्ति बढ़ाई, पीएनजी का विस्तार तेज कियाः पेट्रोलिय मंत्रालय

एजेंसी
नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के बीच सरकार ने पांच किलोग्राम के छोटे एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति बढ़ा दी है। साथ ही पाइप से मुहैया कराई जाने वाली नेचुरल गैस (पीएनजी) के कनेक्शन का विस्तार तेज कर दिया है। वहीं, घरेलू रसोई गैस की आपूर्ति निर्बाध जारी है, जबकि बीते कल 52.3 लाख से ज्यादा घरेलू सिलेंडरों का वितरण किया गया है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि 23 मार्च से अब तक पांच किलोग्राम के 13 लाख से ज्यादा एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति की गई है, जबकि इनकी दैनिक बिक्री एक लाख से अधिक हो गई है। मंत्रालय ने कहा कि यह कदम प्रवासी श्रमिकों और कम आय वर्ग के उपभोक्ताओं तक पहुंच बढ़ाने के लिए उठाया गया है।

मंत्रालय ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने औचक निरीक्षण तेज किए, 219 एलपीजी वितरकों पर जुर्माना लगाया गया, जबकि 56 की डिस्ट्रीब्यूटरशिप निलंबित किए गए हैं। मार्च 2026 से अब तक 4.24 लाख से अधिक पीएनजी कनेक्शन जारी किया गया, जबकि 4.66 लाख से ज्यादा नए ग्राहकों ने पंजीकरण कराया है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा कि देशभर में बंदरगाहों का परिचालन सामान्य है, कहीं से भी भीड़-भाड़ की सूचना नहीं है। साथ ही इस क्षेत्र में मौजूद भारतीय समुदाय की सुरक्षा और उनके कल्याण के लिए प्रयास तेज किए गए हैं। मंत्रालय ने बताया कि 28 फरवरी से अब तक इस क्षेत्र से लगभग 8.97 लाख यात्रियों का भारत आगमन हुआ। मंत्रालय ने कहा कि इसी अवधि में 4.24 लाख से अधिक नए पीएनजी कनेक्शन दिए गए हैं, जबकि 30,000 से अधिक उपभोक्ताओं ने एलपीजी कनेक्शन वापस कर पीएनजी को अपनाया है। मंत्रालय ने कहा कि संकट से पहले फरवरी में जहां रोजाना लगभग 77,000 सिलेंडर बिक रहे थे, वहीं पिछले दो-तीन सप्ताह में यह संख्या एक लाख से अधिक हो गई है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा कि घरेलू एलपीजी आपूर्ति कुल मिलाकर स्थिर बनी हुई है और कहीं भी कमी की सूचना नहीं है। 11 अप्रैल को 52 लाख से अधिक सिलेंडर वितरित किए गए। इसमें मांग का लगभग 98 प्रतिशत हिस्सा ऑनलाइन बुकिंग के जरिए पूरा हो रहा है, जबकि वितरण में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए 93 फीसदी लेन-देन में सत्यापन प्रणाली लागू की गई है।

भारतीय रेलवे को जल्द मिलेंगी 120 नई वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय रेलवे की सबसे महत्वाकांक्षी 'वंदे भारत स्लीपर ट्रेन' परियोजना को लेकर रेलवे बोर्ड के चेयरमैन सतीश कुमार ने महत्वपूर्ण घोषणा की है। रेल विकास निगम लिमिटेड (RVNL) के स्थापना दिवस पर उन्होंने स्पष्ट किया कि अत्याधुनिक स्लीपर ट्रेन का पहला प्रारूप यानी प्रोटोटाइप अगले एक वर्ष के भीतर परीक्षण के लिए तैयार हो जाएगा। इस परियोजना के तहत कुल 120 ट्रेनों की खेप तैयार की जानी है, जो लंबी दूरी की यात्रा को सेमी-हाई-स्पीड और बेहतर सुविधाओं के साथ सुलभ बनाएगी। रेलवे बोर्ड के अनुसार, यह प्रोजेक्ट देश के रेल ढांचे को आधुनिक बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। हालांकि निर्माण कार्य तेज गति से जारी है, लेकिन इसके लॉन्च की निश्चित तारीख को लेकर अलग-अलग कयास लगाए जा रहे हैं। RVNL के प्रबंध निदेशक सलीम अहमद ने इसके जून 2026 तक तैयार होने के संकेत दिए हैं, जबकि कुछ तकनीकी विशेषज्ञों का मानना है कि जटिल डिजाइन और कड़े सुरक्षा मानकों के कारण अंतिम परीक्षण में थोड़ा अधिक समय लग सकता है। गौरतलब है कि देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को इसी वर्ष 17 जनवरी को कामाख्या और हावड़ा के बीच शुरू किया जा चुका है। अब रेलवे का पूरा ध्यान शेष ट्रेनों के प्रोटोटाइप को जल्द से जल्द ट्रैक पर उतारने पर है।

प्रीमियम एंट्री के बाद मुनाफा वसूली के दबाव में लुढ़के सेफ्टी कंट्रोल्स के शेयर, घाटे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी
नई दिल्ली। इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) सेक्टर के लिए काम करने वाली कंपनी सेफ्टी कंट्रोल्स एंड डिवाइसेज के शेयर आज स्टॉक मार्केट में प्रीमियम एंट्री करने में सफल रहे। हालांकि शुरुआती तेजी के बाद प्रॉफिट बुकिंग के कारण हुई बिकवाली की वजह से ये शेयर गिर कर लाल निशान में पहुंच गए। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 80 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 3.75 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 83 रुपये के स्तर पर हुई।लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से कंपनी के शेयर उछल कर 84.40 रुपये के स्तर तक पहुंचे। इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसके कारण इस शेयर के भाव में गिरावट आ गई। दोपहर 11:15 बजे तक कारोबार होने के बाद सेफ्टी कंट्रोल्स के शेयर 79.16 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 1.05 प्रतिशत का नुकसान हो चुका था। सेफ्टी कंट्रोल्स का 48 करोड़ रुपये का आईपीओ छह से आठ अप्रैल के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.28 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.31 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 2.45 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन सिर्फ 0.76 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 60 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्ज को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। सेफ्टी कंट्रोल्स एंड डिवाइसेज की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 43 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 4.01 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 8.99 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष में 31 जनवरी 2026 तक कंपनी को 8.52 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है।इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी मामूली उतार चढ़ाव के साथ बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 49.26 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 45.70 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 103.50 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष में 31 जनवरी 2026 तक कंपनी को 68.51 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है।इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ भी लगातार बढ़ता गया। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 18.52 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 29.79 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 33.84 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष में 31 जनवरी 2026 तक की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 39.18 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में ये 12.47 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 17.48 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का नेटवर्थ 42.17 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं मौजूदा वित्त वर्ष में 31 जनवरी 2026 तक ये 54.47 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस में भी बढ़ोतरी हुई।

अमेरिका-इराक की उच्च-स्तरीय बैठक में सहयोग बढ़ाने पर बनी सहमति, बगदाद हमले की जांच पर हुई चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका और इराक के बीच सुरक्षा और राजनयिक सुविधाओं पर सहयोग को लेकर उच्च-स्तरीय बैठक हुई। इस दौरान हाल ही में बगदाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास अमेरिकी राजनयिकों पर हुए हमले और उससे जुड़ी जांच पर भी चर्चा की गई। बगदाद में अमेरिकी दूतावास ने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, 'अमेरिका और इराक के बीच उच्च संयुक्त समन्वय समिति की बैठक शनिवार को पांचवीं बार हुई। इस बैठक का उद्देश्य इराक में अमेरिकी राजनयिक सुविधाओं और उनके कर्मचारियों पर होने वाले हमलों को रोकने के लिए सहयोग के उपायों पर चर्चा करना था।'' दूतावास की ओर से बताया गया कि इस बैठक में आपसी हित के अन्य सुरक्षा मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया गया। दूतावास ने कहा कि हम आठ अप्रैल को बगदाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास अमेरिकी राजनयिकों को निशाना बनाकर किए गए हमले के लिए जिम्मेदार लोगों की तत्काल जांच और जवाबदेही सुनिश्चित करने के प्रति इराक सरकार की प्रतिबद्धता की सराहना करते हैं, और हम इस जांच के परिणामों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

नेपाली नववर्ष पर सलहेश महोत्सव के लिए लगने लगा भारतीय श्रद्धालुओं का जमघट

काठमांडू। नेपाल के नववर्ष पर हर वर्ष 14 अप्रैल को होने वाले 'सलहेश महोत्सव' के लिए भारतीय श्रद्धालुओं का आगमन शुरू हो गया है। सीमावर्ती सिरहा जिले के लहान स्थित ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थल पर फूलबारी मेला शुरू होने से दो दिन पहले ही भक्तों की भीड़ बढ़ने लगी है।मेला व्यवस्थापन समिति के अध्यक्ष दशमीलाल चौधरी के अनुसार मंदिर के सामने स्थित हारम के पेड़ पर इस वर्ष भी सलहेश फूल खिलना शुरू हो गया है, हालांकि यह अभी पूरी तरह खिला नहीं है। करीब 9 बीघा क्षेत्र में फैले इस फूलबारी क्षेत्र में अभी से श्रद्धालुओं का आना जारी है। श्रद्धालु दिन-रात फूलबारी परिसर में पेड़ों के नीचे टेंट लगाकर रहने लगे हैं। बढ़ती पर्यटकों की संख्या के साथ यहां बुनियादी सुविधाओं की कमी भी महसूस की जा रही है। स्थानीय निवासी वीरेन्द्र चौधरी ने श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्थित धर्मशाला की कमी होने की शिकायत की है।

नेपाल के पीएम बालेन्द्र शाह जल्द करेंगे भारत दौरा, प्रधानमंत्री मोदी का निमंत्रण स्वीकारा

काठमांडू। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने कहा है कि नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने भारतीय प्रधानमंत्री के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया है। भारत भ्रमण की तैयारी को लेकर जल्द ही भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री का नेपाल दौरा होने वाला है। मॉरीशस से लौटने के बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार की नीति सभी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण, संतुलित और शांतिपूर्ण संबंध बनाए रखना है। उनकी सरकार संप्रभुता, भौगोलिक अखंडता और पारस्परिक सम्मान पर आधारित देश के अंतरराष्ट्रीय संबंधों को मजबूत करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है। विदेश मंत्री खनाल ने भारतीय विदेश मंत्री के साथ मुलाकात के दौरान नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के भारत भ्रमण को लेकर भी चर्चा होने की जानकारी दी। मॉरिशस में इंडिया फाउंडेशन की ओर से आयोजित हिन्द महासागर सम्मेलन में शामिल होने के बाद विदेश मंत्री खनाल ने कहा कि उनके इस भ्रमण के दौरान करीब एक दर्जन से अधिक देशों के विदेश मंत्रियों के साथ उनकी मुलाकात हुई, जिनमें भारत, भूटान, बांग्लादेश, मॉरीशस आदि शामिल हैं।

नेपाल के प्रधानमंत्री और मंत्रियों ने सरकार गठन के 17 दिन बाद सार्वजनिक की अपनी संपत्ति

काठमांडू। नेपाल में सरकार गठन के 17 दिन बाद प्रधानमंत्री और मंत्रियों ने अपनी संपत्ति विवरण सार्वजनिक कर दिए हैं। मंत्रियों ने अपनी संपत्ति में करोड़ों की नकद राशि, घर-जग्गा और शेयर में निवेश दर्शाया है। कुछ मंत्रियों ने बकरी, मुर्गी और कुत्ते तक को अपनी संपत्ति के रूप में उल्लेख किया है। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के पास सबसे अधिक नकद और सोना पाया गया है, जबकि घर-जमीन के मामले में वित्त मंत्री स्वर्णिम वाग्ले आगे दिखे हैं। विदेश मंत्री शिशिर खनाल, गृह मंत्री सुदन गुरुंग और उद्योग मंत्री गौरीकुमारी यादव के पास भी पर्याप्त संपत्ति होने की जानकारी सामने आई है। प्रधानमंत्री कार्यालय में जमा किए गए विवरण के अनुसार प्रधानमंत्री की आय का स्रोत सोशल मीडिया फेसबुक, यूट्यूब और टिकटॉक से आय अर्जित की है। बैंक में नकद 1 करोड़ 46 लाख रुपये जमा हैं। इसके अलावा उनकी पत्नी सबिना काफ्ले के पास 190 तोला सोना, चांदी और हीरे के गहने हैं, जिनका स्रोत पैतृक संपत्ति बताया गया है। संपत्ति विवरण में काठमांडू महानगरपालिका-9 में उनकी मां ध्रुवदेवी शाह के नाम पर 5 आना जमीन, धनुषा में 1.2 बीघा और महोत्तरी में उनके पिता रामनारायण शाह के नाम पर 9 बीघा जमीन होने का उल्लेख है। अन्य संपत्तियों में उन्होंने फेसबुक, यूट्यूब और टिकटॉक खातों का भी उल्लेख किया है। वित्त मंत्री स्वर्णिम वाग्ले के पास 12 करोड़ से अधिक की अचल संपत्ति है। उन्होंने ललितपुर के सानेपा में 2 करोड़ का अपार्टमेंट, भैंसेपाटी में 5 करोड़ की जमीन पर बना घर, काभ्रे के धुलिखेल में 3 करोड़ 75 लाख का अपार्टमेंट और बंदीपुर में 2 करोड़ की जमीन का विवरण दिया है।

'नरक तुम्हारा इंतजार कर रहा है डॉन', ईरान ने बताई पोप की आलोचना करने वाले ट्रंप की 'सच्चाई'

एजेंसी

नई दिल्ली । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पोप लियो XIV की आलोचना की। इसके बाद घाना में ईरानी दूतावास ने अमेरिकी राष्ट्रपति पर निशाना साधा। ईरानी दूतावास ने अमेरिकी राष्ट्रपति की आलोचना करते हुए ट्रंप के चरित्र पर कई आरोप लगाए। ईरानी दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'पोप ने शांति के लिए प्रार्थना की। ट्रंप ने आज रात उन्हें कमजोर कहा और बोला कि मुझे ऐसा पोप नहीं चाहिए जो मेरी आलोचना करे!' दूतावास ने ट्रंप के चरित्र को कठघरे में खड़ा करते हुए बताया कि आइए इस व्यक्ति (ट्रंप) के कारनामों से जानते हैं कि यह कौन है- वह सालों तक लगातार एपस्टीन के आइलैंड पर जाता रहा! जब उसकी पत्नी प्रेग्नेंट थी, तो उसने एक पोर्न स्टार को चुप रहने के लिए पैसे दिए और इसके लिए उसे सजा हुई। 34 गंभीर अपराध! उसकी मिसाइल मिनाब में मासूम बच्चों से भरे एक स्कूल से टकराई, जिसमें 168 की मौत हुई!'

ईरानी दूतावास ने आगे कहा, 'छह महीने पहले, उसने (ट्रंप) अपने मुंह से कहा था: मैं स्वर्ग नहीं जा रहा हूं (यह एकमात्र ईमानदार वाक्य था जो उसने कभी कहा था)। पोप ने तुम्हारी आत्मा के लिए एक मोमबत्ती जलाई। लेकिन स्वर्ग के दरवाजे पर 168 छोटी लड़कियां हैं जो तुमसे पहले वहां पहुंच गईं। तुम्हारी वजह से! उन्हें तुम्हारा नाम याद रहेगा। नरक तुम्हारा इंतजार कर रहा है, डॉन!'

दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार की सुबह ट्रूथ सोशल पर लिखा, 'पोप लियो अपराध के मामले में कमजोर हैं और विदेश नीति के लिए बहुत बुरे हैं। पोप मेरी सरकार के 'डर' की बात तो करते हैं, लेकिन वो उस डर के बारे में कुछ नहीं बोलते जो कोरोना के समय चर्च ने झेला था। उस वक्त चर्च में प्रार्थना सभा आयोजित करने के लिए पादरियों और अन्य लोगों को गिरफ्तार किया जा रहा था।' इससे व्हाइट हाउस और वेटिकन के बीच तनाव फिर से बढ़ गया। पोस्ट में, ट्रंप ने पोप पर आरोप लगाया कि वे कोविड-19 महामारी के दौरान धार्मिक सभाओं पर लगी पिछली पाबंदियों को नजरअंदाज करते हुए अपने सरकार की आलोचना पर ध्यान दे रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को लेकर पोप की 'नरमी' पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा, 'मुझे ऐसा पोप नहीं चाहिए जो सोचता हो कि ईरान के पास न्यूक्लियर हथियार होना ठीक है।'

चीन की मुख्य भूमि ने थाईवान के साथ संबंध बढ़ाने के लिए दस सूत्रीय नीतियां जारी की

एजेंसी

बीजिंग। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय कमेटी के महासचिव और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के निमंत्रण पर चीनी क्वोमिनतांग पार्टी की अध्यक्ष छन लीवुन ने 7 से 12 अप्रैल तक एक प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व कर मुख्य भूमि की यात्रा की। महासचिव शी चिनफिंग ने अध्यक्ष छन लीवुन के साथ मुलाकात की और एक महत्वपूर्ण भाषण दिया, जिसने दोनों पार्टियों और दोनों तटों के संबंधों के विकास के लिए दिशा दिखाई। दोनों तटों के संबंध के शांतिपूर्ण विकास और बंधुओं की सद्भावना तथा कल्याण बढ़ाने के लिए संबंधित विभागों के साथ विचार करने के बाद सीपीसी केंद्रीय कमेटी के थाईवान कार्य कार्यालय ने 12 अप्रैल को अधिकार प्राप्त कर दोनों तटों के आदान-प्रदान व सहयोग को बढ़ाने की दस सूत्रीय नीतियां जारी कीं। पहली, दोनों पार्टियों के बीच नियमित संपर्क व्यवस्था की स्थापना की खोज की जाए। दूसरी, दोनों पार्टियों के युवाओं के बीच दोहरी तरफा आदान-प्रदान मंच स्थापित किया जाए। तीसरा, फुच्येन प्रांत के समुद्रीय क्षेत्रों और थाईवान के चिनमंग तथा मात्सु के बीच शर्त तैयार होने के बाद जल, बिजली, गैस और पुल के जुड़ाव को बढ़ावा दिया जाए। चौथा, दोनों तटों के बीच प्रत्यक्ष हवाई विमान सेवा की पूर्ण बहाली की जाए ताकि दोनों तटों के लोगों की आवाजाही को सुविधा मिले।

इसके अलावा 1992 में प्राप्त समानताओं पर कायम रहकर कथित थाईवानी स्वतंत्रता का विरोध करने के आधार पर संपर्क व्यवस्था स्थापित कर क्वारंटीन मापदंडों से मेल खाने वाले थाईवानी कृषि व मत्स्य उत्पादों का मुख्य भूमि में आने के लिए सुविधा देने, सम्बंधित थाईवानी फूड उत्पादन उद्यमों के मुख्य भूमि में पंजीकरण तथा आगमन के लिए सुविधा प्रदान करने आदि विषय शामिल हैं।

समझौते के लिए तानाशाही छोड़कर ईरान के अधिकारों का सम्मान करे अमेरिका : राष्ट्रपति पेजेश्कियान

एजेंसी

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने संकेत दिया है कि तेहरान अमेरिका के साथ किसी समझौते पर पहुंचने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि समाधान के लिए वाशिंगटन को अपनी तानाशाही छोड़नी होगी और ईरानी लोगों के अधिकारों का सम्मान करना होगा। राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'अगर अमेरिकी सरकार अपनी तानाशाही छोड़ दे और ईरानी राष्ट्र के अधिकारों का सम्मान करे, तो समझौते तक पहुंचने के रास्ते जरूर मिल जाएंगे।' इसके साथ ही, राष्ट्रपति ने ईरानी संसद के स्पीकर गालिबाफ की प्रशंसा की। उन्होंने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'मैं बातचीत करने वाली टीम के सदस्यों, खासकर अपने भाई डॉ. गालिबाफ की सराहना करता हूं और कहता हूं कि ईश्वर आपको शक्ति दे।' 'ये टिप्पणी इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच घंटों चली वार्ता के बेनतीजा रहने के बाद आई। अमेरिका और ईरान की यह वार्ता

हुई। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने किया, जबकि ईरान की ओर से गालिबाफ ने डेलीगेशन की कमान संभाली। कई घंटों तक चली बातचीत बाद में बिना किसी निष्कर्ष के समाप्त हुई।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि विस्तृत चर्चा के बावजूद कोई समझौता नहीं हो सका। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल बिना किसी समझौते के वापस लौटेगा, लेकिन यह स्थिति अमेरिका की तुलना में ईरान के लिए अधिक नुकसानदेह है।

वहीं, गालिबाफ ने दावा किया कि इस बेनतीजा वार्ता में अमेरिका नाकाम रहा है। गालिबाफ ने 'एक्स' पर बताया कि बातचीत शुरू होने से पहले ही उन्होंने स्पष्ट कर दिया था कि ईरान की ओर से नीयत और इच्छा दोनों मौजूद हैं, लेकिन पिछले दो युद्धों के अनुभवों की वजह से उन्हें भरोसा नहीं है। उन्होंने कहा, 'विरोधी पक्ष इस दौर की बातचीत में ईरानी प्रतिनिधिमंडल मिनाब 168 का भरोसा जीतने में आखिरकार नाकाम रहा।'

ईरान का विश्वास हासिल करना ही अमेरिका के लिए मौजूदा स्थिति से निकलने का रास्ता: बाकेर कालिबाफ

एजेंसी

तेहरान । ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर क़ालिबाफ ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए मौजूदा स्थिति से बाहर निकलने का एकमात्र तरीका यह है कि वह अपना निर्णय ले और ईरानी राष्ट्र का विश्वास हासिल करे। उन्होंने यह टिप्पणी पाकिस्तान की अपनी यात्रा से ईरान लौटते समय पत्रकारों को संबोधित करते हुए की, जहां उन्होंने अपने साथ आए प्रतिनिधिमंडल के साथ अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के साथ शांति वार्ता में भाग लिया था। क़ालिबाफ ने कहा, 'संयुक्त राज्य अमेरिका ईरानी जनता का ऋणी है और उसे इसकी भरपाई के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी।'

उन्होंने कहा, 'अगर वे लड़ेंगे, तो हम भी लड़ेंगे और अगर वे तर्क के साथ आगे आते हैं, तो हम तर्क से जवाब देंगे। हम किसी भी धमकी के सामने झुकेंगे नहीं। वे हमारी इच्छाशक्ति को एक बार फिर परख सकते हैं और हम उन्हें और बड़ा सबक सिखाएंगे।' क़ालिबाफ ने पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई वार्ता को 'बहुत गहन, गंभीर और

चुनौतीपूर्ण' बताया। उन्होंने कहा कि सक्षम विशेषज्ञों के सहयोग और व्यापक व विविध दृष्टिकोण के साथ, ईरान के प्रतिनिधिमंडल ने देश की सद्भावना दिखाने के लिए 'बेहतरीन पहल' तैयार कीं, 'जिससे बातचीत में प्रगति हुई।' उन्होंने जोर देकर कहा, 'हमने शुरू से ही घोषणा की थी कि हमें अमेरिकियों पर भरोसा नहीं है। हमारे अविश्वास की दीवार 77 साल पुरानी है। यह ऐसे समय में है जब 12 महीनों से भी कम समय में उन्होंने बातचीत के दौरान दो बार हम पर हमला किया। इसलिए, उन्हें ही हमारा विश्वास जीतना होगा।'

क़ालिबाफ ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के खिलाफ हालिया धमकियों को खारिज करते हुए कहा कि ऐसी धमकियों का ईरानी जनता पर कोई असर नहीं पड़ता।

ईरान और अमेरिका के प्रतिनिधिमंडलों ने शनिवार और रविवार तड़के इस्लामाबाद में लंबी बातचीत की। ये वार्ताएं किसी समझौते पर नहीं पहुंच सकीं। यह बातचीत 40 दिनों की लड़ाई के बाद बुधवार को ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच युद्धविराम की घोषणा के बाद हुई थी।

ईरान मुद्दे को लेकर नाटो पर भड़के ट्रंप, बोले- हमने खर्च किया, साथ नहीं मिला

एजेंसी

वॉशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान बहुत बुरी हालत में है और काफी हताश है। ईरानी पोर्ट से आने-जाने वाले जहाजों को ब्लॉक करने की योजना कुछ ही घंटों में लागू कर दी जाएगी। मियामी से लौटने के बाद टरमैक (हवाई अड्डे का वह क्षेत्र है, जहां विमान खड़े होते हैं) में मीडिया से बात करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि इलाके में सीजफायर अच्छी तरह से बना हुआ है, लेकिन सोमवार सुबह ब्लॉकेड से पहले वॉशिंगटन के रुख में कोई नरमी नहीं आने का संकेत दिया। ट्रंप ने कहा, 'कई नावें तेल भरने के लिए हमारे देश की ओर आ रही हैं। उन्होंने इशारा किया कि दूसरे देश ईरान की तेल बिक्री को रोकने की कोशिशों में सहयोग कर रहे हैं। हालांकि ट्रंप ने उन देशों का नाम नहीं बताया।

ईरान के साथ संभावित बातचीत को लेकर ट्रंप का रुख सख्त नजर आया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि ईरान बहुत खराब स्थिति में है, वे काफी हताश हैं। ईरान परमाणु

हथियार नहीं बनाएगा।' इन बयानों से साफ है कि अमेरिका, ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच आर्थिक दबाव और समुद्री नीतियों के जरिए उसके ऊर्जा निर्यात को सीमित करने की रणनीति पर आगे बढ़ रहा है।

ट्रंप ने इस दौरान नाटो की भी आलोचना की और कहा कि गठबंधन ने अमेरिका का साथ नहीं दिया। उन्होंने कहा, 'मैं नाटो से बहुत निराश हूं। हम इस पर खरबों डॉलर खर्च करते हैं, लेकिन वे हमारे साथ नहीं थे।' प्रस्तावित नाकाबंदी को ईरान पर दबाव बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है, खासकर उसके तेल निर्यात को निशाना बनाकर, जो तेहरान की अर्थव्यवस्था का अहम हिस्सा है।

मीडिया आउटलेट को दिए इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा, 'मुझे लगता है कि ईरान की हालत बहुत खराब है। वे बहुत हताश हैं। ईरान के पास न्यूक्लियर हथियार नहीं होगा। हमारे पास सबसे बढ़िया मिलिट्री इक्विपमेंट हैं। हमारे पास सबसे बढ़िया लोग हैं। हमारे पास दुनिया की अब तक की सबसे मजबूत सेना है और हर कोई इसे देखता है, चाहे वह वेनेजुएला हो या हमने ईरान के साथ जो किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'मैं एक दिन में ईरान को खत्म कर सकता हूं। मैं एक घंटे में उसे खत्म कर सकता हूं। मैं उनकी पूरी एनर्जी, सब कुछ, उनके हर प्लांट, उनके बिजली बनाने वाले प्लांट ले सकता हूं, जो बहुत बड़ी बात है। हालांकि मुझे ऐसा करने से नफरत है, क्योंकि अगर मैंने ऐसा किया तो इसे (ईरान को) फिर से बनाने में 10 साल लग जाएंगे। ट्रंप ने कहा कि वे इसे कभी दोबारा नहीं बना पाएंगे और दूसरी बात, आप पुलों को हटा देते हैं। मैंने उन्हें दिखाने के लिए एक पुल हटाया, क्योंकि उन्होंने एक ऐसा बयान दिया था जो सच नहीं था। मैंने कहा, मैं एक पुल हटाने जा रहा हूं और हटा दिया। उन्होंने ईरान के हमले को लेकर कहा कि एक दिन उन्होंने हमारे एक खास एसेट यानी एयरक्राफ्ट कैरियर अब्राहम लिंकन पर हमला किया। उन्होंने 101 मिसाइलें दागीं। ये चीजें दो हजार मील प्रति घंटे से भी ज्यादा की रफ्तार से जा रही थीं और थोड़े ही समय में हमने सभी को मार गिराया और आज उनके टुकड़े समुद्र की तलहटी में पड़े हैं।

म्यांमार में मिन आंग ह्लाइंग के राष्ट्रपति बनने पर छिड़ी बहस, जनरल की नियुक्ति पर उठे सवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। म्यांमार की राजनीति में जनरल मिन आंग ह्लाइंग को देश के नए राष्ट्रपति बनाए जाने के बाद बहस छिड़ गई है। राजनीतिक विश्लेषक इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि क्या यह 'नागरिक शासन' की ओर एक बदलाव है या फिर यह म्यांमार की सेना (जुंटा) शासन की यथास्थिति पहले की तरह जारी रहने वाली है। कुछ लोग जनरल के सैन्य अनुभव और देश में सुधार की जरूरत की बात करते हैं, लेकिन असलियत यह दिखाती है कि सेना की पकड़ और मजबूत हो रही है। राजधानी की एक सेना-समर्थक वेबसाइट ने इस बदलाव को 'सिविलियन लोकतंत्र की वापसी' बताया, जिससे बहस और तेज हो गई। आलोचकों ने पुराने ऐसे कई उदाहरण सामने रखे हैं, जिनमें जनरल के समय में दमन और सख्ती देखी गई। एक प्रमुख पोर्टल, 'ग्लोबल एशिया फोरम,' की रिपोर्ट के अनुसार, दिसंबर 2025 और जनवरी 2026 में तीन चरणों में चुनाव हुए, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक इससे सिर्फ सेना के शासन को ही औपचारिक रूप दिया गया। रिपोर्ट के अनुसार, फरवरी 2021 में सेना ने तख्तापलट कर सत्ता पर कब्जा कर लिया था। चुनी हुई संसद को भंग कर दिया गया, सांसदों और नेताओं (राष्ट्रपति विन म्यिंट और आंग सान सू ची भी शामिल थे) को गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद विरोध करने वाले लोगों पर कड़ी कार्रवाई की गई। इसके अलावा सभी लोकतांत्रिक पार्टियों को खत्म कर दिया गया और संसद की एक-चौथाई सीटें सेना के लिए रिजर्व कर दी गईं। विश्लेषकों के अनुसार, 80 प्रतिशत से अधिक केंद्रीय मंत्री कथित तौर पर या तो सेवारत अधिकारी हैं या फिर सेवानिवृत्त सैन्यकर्मी हैं।

ईरान-अमेरिका तनाव : होर्मुज स्ट्रेट पर आईआरजीसी की कड़ी चेतावनी, कहा- दुश्मन की गलत हरकत के होंगे घातक परिणाम

एजेंसी

तेहरान। अमेरिका और इजरायल के साथ तनाव के बीच ईरान की नौसेना ने होर्मुज स्ट्रेट को लेकर कड़ी चेतावनी दी है। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना ने कहा कि होर्मुज में 'दुश्मन' की कोई भी गलत हरकत जानलेवा साबित होगी। नौसेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह चेतावनी जारी की। इसके साथ ही, होर्मुज स्ट्रेट में वास्तविक स्थिति का ड्रोन निगरानी फुटेज भी शेयर किया गया। आईआरजीसी की नौसेना ने कहा कि होर्मुज में होने वाली सभी हलचलें और ठहराव ईरानी सशस्त्र बलों के पूर्ण नियंत्रण में हैं। उसने यह भी कहा कि कोई भी गलत कदम दुश्मन को होर्मुज स्ट्रेट के जानलेवा भंवरों में फंसा देगा।

आईआरजीसी की नौसेना की यह चेतावनी उस समय आई है, जब

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने दो दिन पहले कहा कि दो अमेरिकी युद्धपोत होर्मुज स्ट्रेट से गुजरे और खाड़ी में बारूदी सुरंगें हटाने का अभियान शुरू किया। हालांकि, ईरान के मुख्य सैन्य कमान खातम अल-अनबिया केंद्रीय मुख्यालय ने अमेरिकी सेंट्रल कमांड के इस दावे को खारिज किया। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के सरकारी प्रेस टीवी ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट से दो विध्वंसक जहाजों को गुजारने का अमेरिकी सेना का प्रयास एक असफल प्रचार स्टंट साबित था, जिसे तेहरान-वाशिंगटन वार्ता के साथ जोड़कर समयबद्ध किया गया था। प्रेस टीवी ने अमेरिकी विध्वंसक जहाजों की पहचान यूएसएस माइकल मर्फी और यूएसएस फ्रैंक ई. पीटरसन के रूप में की। इसके साथ ही, बयान में कहा गया कि उन्हें ईरानी नौसेना की ओर से पीछे हटने के लिए मजबूर किया गया। इसके अलावा आईआरजीसी ने एक बयान में कहा कि कोई भी सैन्य जहाज जो किसी भी नाम या बहाने से होर्मुज स्ट्रेट के करीब आने की कोशिश करेगा, उसे संघर्ष विराम का उल्लंघन माना जाएगा और उसके साथ सख्ती से निपटा जाएगा। यह पूरा घटनाक्रम ईरान और अमेरिका के बीच वार्ता विफल के बाद देखने को मिला है। लगभग महीनेभर के भीषण संघर्ष के बाद ईरान और अमेरिका ने दो हफ्ते के सीजफायर का ऐलान किया है। हालांकि, इस समझौते के तहत रखी गई शर्तों पर दोनों मुल्कों में सहमति नहीं बन सकी है।

अमेरिका-ईरान वार्ता विफल होने के बाद निक्की हेली बोलीं- तेहरान के साथ बातचीत समय की बर्बादी है

एजेंसी

वाशिंगटन । भारतीय मूल की रिपब्लिकन नेता निक्की हेली ने कहा कि अमेरिका का ईरान के साथ बातचीत से पीछे हटना सही था। उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'ब्लॉकेड प्लान' का समर्थन किया और चेतावनी दी कि तेहरान होर्मुज स्ट्रेट का इस्तेमाल वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव बनाने के लिए कर रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत आगे नहीं बढ़ पाई, दोनों पक्षों के बीच वार्ता बहुत अलग-अलग थी। निक्की हेली ने सीएनएन को एक इंटरव्यू में बताया, 'अमेरिका के पास 15 पॉइंट का प्लान था। ईरान के पास 10 पॉइंट का प्लान था। वे सच में मीलों दूर थे। ईरानी अपना न्यूक्लियर प्रोडक्शन और होर्मुज पर अपना कंट्रोल छोड़ने को तैयार नहीं थे।' उन्होंने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के बातचीत खत्म करने के फैसले का समर्थन करते हुए कहा, 'हम बातचीत जारी नहीं रखेंगे। यह हमारे समय के लायक नहीं है। ट्रंप सरकार अब निश्चित तौर पर आगे बढ़ रहा है। हम ईरान पर वहीं हमला करेंगे जहां उसे चोट पहुंचेगी।' हेली ने इस ब्लॉकेड को ईरान को कमजोर करने की एक बड़ी आर्थिक रणनीति का हिस्सा बताया। उन्होंने कहा, 'ईरान को असल में घुटनों पर लाने के लिए उस पर आर्थिक रूप से हमला करना होगा। होर्मुज स्ट्रेट को खुला रखना वैश्विक व्यापार के लिए बहुत जरूरी है।'

उन्होंने चेतावनी दी कि ईरान अमेरिका और उसके साथियों पर दबाव बढ़ाने के लिए अपनी स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा, 'ईरान जीत को ट्रंप और खाड़ी के साथियों पर जितना हो सके उतना राजनीतिक और आर्थिक दबाव डालने के तौर पर देखता है। यह एक मुश्किल काम है।'

हेली ने कहा कि 20 फीसदी तेल, 20 फीसदी लिक्विफाइड नेचुरल गैस और एक तिहाई फर्टिलाइजर स्ट्रेट से होकर गुजरते हैं। उन्होंने कहा कि रुकावटें पहले से ही दिख रही थीं। उन्होंने कहा, 'आमतौर पर एक दिन में 135 जहाज स्ट्रेट से गुजरते थे। अब हमारे पास शायद कुछ ही बचे हैं, आपके पास 400 जहाजों का बैकलॉग है।' हेली ने कहा कि मकसद कोई लंबी लड़ाई नहीं है। उन्होंने कहा, 'हम कभी न खत्म होने वाली लड़ाई नहीं चाहते। इसे जल्दी पूरा करने की जरूरत है।' उन्होंने बताया कि इस इलाके में अमेरिकी नेवी फोर्स पहले से ही रास्ते को सुरक्षित करने के लिए तैनात हैं।

नेपाली नव वर्ष 2083 के आगमन पर काठमांडू में 'ठमेल सड़क महोत्सव' मंगलवार को

एजेंसी

काठमांडू। नेपाली नववर्ष विक्रम संवत 2083 के अवसर पर मंगलवार को राजधानी काठमांडू के प्रमुख पर्यटन स्थल ठमेल में 'ठमेल सड़क महोत्सव' आयोजित किया जाएगा। नव वर्ष की पूर्व संध्या पर सोमवार को शाम 6:00 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम शुरू होंगे और नववर्ष का स्वागत करते हुए सूर्योदय के साथ कार्यक्रम का समापन किया जाएगा।ठमेल पर्यटन विकास परिषद की ओर से नेपाली नववर्ष को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के उद्देश्य से मंगलवार को काठमांडू महानगरपालिका त्रिदेवी मार्ग स्थित क्षेत्र में यह महोत्सव होने जा रहा है। परिषद के उपाध्यक्ष सहदेव धमला ने बताया कि नेपाली नव वर्ष को वैश्विक स्तर पर प्रचारित करने के लिए इस महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नववर्ष की पूर्व संध्या पर ठमेल क्षेत्र की सड़कों पर विभिन्न स्टॉल लगाकर भोजन और वस्तुओं की प्रदर्शनी की जाएगी और साथ ही पारंपरिक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए जाएंगे। उनके अनुसार त्रिदेवी मार्ग पर 300 से अधिक स्टॉल लगाए जाएंगे, जहां नेपाल के मौलिक खाद्य पदार्थों का प्रचार-प्रसार और नेपाल के ही निर्मित विभिन्न सामानों की बिक्री की जाएगी। इसी तरह सोमवार को नव वर्ष की पूर्व संध्या पर शाम 6:00 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम शुरू होंगे और नववर्ष का स्वागत करते हुए सूर्योदय के साथ कार्यक्रम का समापन किया जाएगा।

ईरान ने बातचीत विफल होने के लिए यूएस को ठहराया दोषी, अमेरिका पर शर्तों को बदलने का लगाया आरोप

एजेंसी

तेहरान । ईरान ने अमेरिका पर आरोप लगाया है कि उसने एक संभावित समझौते को अंतिम चरण में आकर पटरी से उतार दिया। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची के मुताबिक, बातचीत के दौरान अमेरिका ने ज्यादा से ज्यादा दबाव बनाने, बार-बार शर्तें बदलने (गोलपोस्ट शिफ्ट करने) और नाकाबंदी जैसी रणनीतियों का सहारा लिया, जिससे सहमति बनने की प्रक्रिया बाधित हो गई। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची का दावा है कि प्रस्तावित 'इस्लामाबाद समझौता' (एमओयू) लगभग तैयार था और दोनों पक्ष अंतिम सहमति के बेहद करीब थे। उनका कहा है कि इन परिस्थितियों के चलते 21 घंटे तक चली गहन और मुश्किल बातचीत आखिरकार बिना किसी समझौते के समाप्त हो गई। तेहरान ने यह भी संकेत दिया कि अगर बातचीत के दौरान शर्तों में लगातार बदलाव न किए जाते, तो यह डील संभव हो सकती थी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि तेहरान ने 47

सालों में वॉशिंगटन के साथ अपनी सबसे ऊंचे स्तर की सीधी बातचीत ईमानदारी और चल रहे झगड़े को खत्म करने में मदद करने के इरादे से की है। अराघची ने दुख जताया कि 'कोई सबक नहीं मिला'। अराघची ने एक्स पर लिखा, '47 सालों में सबसे ऊंचे स्तर पर हुई गहरी बातचीत में, ईरान ने युद्ध खत्म करने के लिए अमेरिका के साथ अच्छी नीयत से बातचीत की। लेकिन जब 'इस्लामाबाद एमओयू' से बस कुछ इंच दूर थे, तो हमें गोलपोस्ट बदलने और ब्लॉकेड का सामना करना पड़ा। कोई सबक नहीं मिला। अच्छी नीयत से अच्छी नीयत पैदा होती है। दुश्मनी से दुश्मनी पैदा होती है।' ईरानी विदेश मंत्री का यह कहना कि दोनों पक्ष एक समझौते को फाइनल करने से कुछ ही दूर थे, यह दिखाता है कि आखिरी स्टेज पर तनाव तेजी से बढ़ने से पहले अमेरिका और ईरान के बीच हुई बातचीत सफलता के कितने करीब आ गई थी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने कहा कि अमेरिका के साथ डिप्लोमैटिक ब्रेकथ्रू की संभावना अभी भी है, बशर्ते वॉशिंगटन अपना नजरिया बदले। उन्होंने अमेरिका से 'सर्वाधिकारवाद' को छोड़ने और ईरान के अधिकारों का सम्मान करने की अपील की। ऐसा बदलाव एक समझौते का रास्ता बना सकता है। बता दें, सर्वाधिकारवाद एक ऐसी राजनीतिक प्रणाली है, जिसमें राज्य सार्वजनिक और निजी जीवन के हर पहलू पर पूर्ण नियंत्रण रखता है। राष्ट्रपति पेजेश्कियन ने एक्स पर एक पोस्ट में बातचीत करने वाले डेलिगेशन के सदस्यों की सराहना करते हुए कहा, 'अगर अमेरिकी सरकार अपना सर्वाधिकारवाद छोड़ दे और ईरानी देश के अधिकारों का सम्मान करे, तो समझौते तक पहुंचने के रास्ते जरूर मिल जाएंगे।' इस बीच, अमेरिका ने घोषणा की है कि वह 13 अप्रैल से ईरानी पोर्ट्स में आने-जाने वाले जहाजों पर पूरी तरह से समुद्री नाकाबंदी लागू करना शुरू कर देगा।

page 1 and 8 Apr 14_page 1 Mar 25 final ds.qxd 4/14/2026 1:00 AM Page 2

स्थानीय समाचार

पूर्व पटवारी गुलाम कादिर भट भ्रष्टाचार मामले में दोषी करार, एक वर्ष की सजा

जम्मू, 13 अप्रैल (हि.स.)। एंटी करप्शन कोर्ट श्रीनगर के विशेष न्यायाधीश तस्लीम आरिफ ने सोमवार को वर्ष 2007 के एक भ्रष्टाचार मामले में पूर्व पटवारी गुलाम कादिर भट को दोषी करार देते हुए एक वर्ष के कारावास और 10,000 जुर्माने की सजा सुनाई।

यह मामला एफआईआर संख्या 20/2007 के तहत पुलिस स्टेशन वीओके (अब एसीबी) श्रीनगर में दर्ज किया गया था। आरोप था कि तत्कालीन पटवारी हल्का खुशिपोरा जैनकोट गुलाम कादिर भट ने एक म्यूटेशन लागू करने के बदले शिकायतकर्ता से ?3,000 की रिश्वत मांगी और स्वीकार की थी। जांच के दौरान एसीबी श्रीनगर द्वारा प्रस्तुत मौखिक व दस्तावेजी साक्ष्यों के आधार पर आरोप सिद्ध पाए गए। वर्ष 2008 में अदालत में चालान पेश किया गया था, जिस पर सुनवाई के बाद अदालत ने यह फैसला सुनाया। मामले की पैरवी एसीबी श्रीनगर की ओर से वरिष्ठ अभियोजन अधिकारी वजाहत जमील ने की।

डोगरा संस्कृति की झलक बना 'डुग्गर मेला-2026', डोगरा सदर सभा ने विरासत को दी नई पहचान,

जम्मू, 13 अप्रैल (हि.स.)। जम्मू में डोगरा सदर सभा द्वारा आयोजित वार्षिक 'डुग्गर मेला-2026' ने डोगरा संस्कृति, परंपरा और पहचान को एक बार फिर जीवंत कर दिया। यह मेला स्वर्गीय ठाकुर गुलचैन सिंह चाढ़क की स्मृति को समर्पित रहा जिन्होंने 14 अप्रैल 1994 (बैसाखी) को इस सांस्कृतिक आंदोलन की शुरुआत की थी ताकि डोगरा कला, लोक संगीत, हस्तशिल्प और स्थानीय प्रतिभाओं को मंच मिल सके। कार्यक्रम का आयोजन डोगरा हॉल स्थित सभा भवन में जम्मू और कश्मीर कला, संस्कृति और भाषा अकादमी के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर सांसद जी.ए. खटाना मुख्य अतिथि और विधायक युधवीर सेठी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुई।

डोगरा सदर सभा के पदाधिकारियों ने बताया कि इस मेले को पिछले वर्ष इसके मूल स्वरूप में पुनर्जीवित किया गया ताकि स्थानीय कलाकारों और कारीगरों को प्रोत्साहन मिल सके। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' अभियान को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता भी दोहराई। सभा के अध्यक्ष कर्नल करण सिंह ने डोगरा संस्कृति के संरक्षण के लिए मुबारक मंडी कॉम्प्लेक्स के जीर्णोद्धार, डुग्गर चैनल की स्थापना और पुरमंडल-उत्तरबेहनी तीर्थों के विकास जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा चलाए जा रहे 'नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान' का समर्थन करते हुए लोगों से इसमें भागीदारी की अपील की।

कार्यक्रम में विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आकर्षण का केंद्र रहीं जिसमें स्कूल छात्रों के गीत, डोगरा ऑर्केस्ट्रा, पंजाबी प्रस्तुतियां और बच्चों का भांगड़ा शामिल रहा। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने पारंपरिक 'डोगरी धाम' का आनंद लिया। इस अवसर पर समाज के कई गणमान्य लोग और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे, जिन्होंने इस सांस्कृतिक आयोजन की सराहना करते हुए इसे डोगरा विरासत के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

एएनटीएफ जम्मू की बड़ी कार्रवाई-18 किलो भुक्की के साथ नशा तस्कर गिरफ्तार

जम्मू, 13 अप्रैल (हि.स.)। नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स जम्मू ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक कुख्यात नशा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब 18 किलो भुक्की बरामद किया है।

जानकारी के अनुसार विशेष सूचना के आधार पर एएनटीएफ टीम ने राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर आईआईएम जम्मू के पास नाका लगाकर एक एटियॉस कार जेके02एयू-9945 को रोका। तलाशी के दौरान वाहन की डिक्की से भारी मात्रा में नशीला पदार्थ बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपी की पहचान शौकत अली निवासी कंगर तहसील भलवाल जिला जम्मू के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी यह नशा घाटी से लाकर जम्मू में युवाओं को बेचने की फिराक में था। इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच जारी है, वहीं नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश भी की जा रही है।

झेलम नदी में फिसलकर लापता हुए दो भाइयों के शव बरामद

अनंतनाग, 13 अप्रैल (हि.स.)। अनंतनाग जिले के बिजबेहरा इलाके में झेलम नदी में फिसलकर लापता हुए दो भाइयों के शव सोमवार को बरामद किए गए।

अधिकारियों ने बताया कि यह घटना पदशाही बाग के पास घटी जब दोनों भाई अपनी भेड़ों को धोते समय नदी में फिसल गए जिसके बाद बचाव अभियान शुरू किया गया। घटना के तुरंत बाद पुलिस और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंचीं और तलाशी अभियान शुरू किया जो शवों के बरामद होने तक जारी रहा और जिसका दुखद अंत हुआ। अधिकारियों ने मृतकों की पहचान जबलीपोरा गांव के निवासी शाहिद मलिक और मजीद मलिक के रूप में की। दोनों भाई थे।

जन समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई का भरोसा-मंत्री जावेद अहमद राणा से मिले विधायक व प्रतिनिधिमंडल

जम्मू, 13 अप्रैल (हि.स.)। जल शक्ति, वन, पर्यावरण एवं जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा से सोमवार को सिविल सचिवालय जम्मू में कई विधायक, प्रतिनिधिमंडल और आम नागरिकों ने मुलाकात कर विभिन्न जन समस्याओं से अवगत कराया।

मुलाकात करने वालों में विधायक आर.एस. पठानिया, खुर्शीद अहमद, वाटर टेस्टिंग लेबोरेटरी कर्मचारियों का प्रतिनिधिमंडल, जेजेएम कॉन्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधि तथा जेकेएनसी ओबीसी सेल के अध्यक्ष अब्दुल गनी तेली सहित कई लोग शामिल रहे। इस दौरान पेयजल योजनाओं, वन प्रबंधन और अन्य जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। वाटर टेस्टिंग लैब कर्मचारियों ने मानदेय बढ़ाने की मांग रखी, वहीं जेजेएम कॉन्ट्रैक्टर्स ने लंबित भुगतानों को समय पर जारी करने की बात कही। मंत्री ने सभी पक्षों की समस्याएं ध्यानपूर्वक सुनीं और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही त्वरित व समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि जनता की जायज मांगों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा और विकास योजनाओं को प्रभावी ढंग से जमीन पर उतारा जाएगा।

रामसू लापता युवक मामला- विरोध प्रदर्शन ने एनएच-44 को बाधित किया, एसआईटी जांच जारी, 4 गिरफ्तार

बनिहाल, 13 अप्रैल(हि.स.)। रामबन जिले के रामसू इलाके में सोमवार को तनाव का माहौल बना रहा, जब पोगल का 25 वर्षीय युवक तनवीर अहमद चोपन रविवार शाम कथित तौर पर संदिग्ध बदमाशों से बचने की कोशिश करते हुए नाला बिशलारी में कूदने के बाद लापता हो गया। इस घटना से व्यापक आक्रोश फैल गया और स्थानीय लोगों ने मेकरकूट में बीडीओ कार्यालय के पास जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) पर विरोध प्रदर्शन किया।

सोमवार सुबह से ही पुरुष और महिलाएं धरने में शामिल हो गए जिससे एक घंटे से अधिक समय तक यातायात बाधित रहा और व्यस्त राजमार्ग पर काफी व्यवधान उत्पन्न हुआ। पुलिस ने रामसू पुलिस स्टेशन में मामला एफआईआर संख्या 26/2026 दर्ज किया है और घटना के संबंध में चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों की पहचान सुरजीत सिंह, संदीप सिंह, दिग्विजय सिंह और केवल सिंह के रूप में की गई है - दो सेरी रामबन के निवासी और दो रामबन शहर के रहने वाले हैं।

अधिकारियों ने कहा कि आरोपी फिलहाल बनिहाल पुलिस स्टेशन में बंद हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार चोपन जम्मू से मुंडखाल, पोगल स्थित अपने घर जा रहा था तभी मेकरकूट के पास गोरक्षक होने के संदेह में एक समूह ने कथित तौर पर उनका पीछा किया और उस पर हमला किया। भागने की कोशिश में वह कथित तौर पर मकरकूट सुरंग नंबर 5 के पास नाला बिशलारी में कूद गया और तब से उसका कोई पता नहीं चल पाया है।

शंकरचार्य हिल में सफाई अभियान का किया आयोजन

श्रीनगर, 13 अप्रैल (हि.स.)। एसकेआईएमएस मेडिकल कॉलेज के मेडिकल छात्रों के एक समूह ने पर्यावरण जागरूकता और जन स्वास्थ्य को बढ़ावा देने की पहल के तहत डल झील से शंकरचार्य हिल तक स्वच्छता अभियान का आयोजन किया। इस अभियान में जीएमसी और अन्य मेडिकल कॉलेजों के छात्र भी शामिल हुए। अभियान का उद्देश्य कचरा एकत्र करना, आगंतुकों में जागरूकता फैलाना और क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता को संरक्षित करने के लिए जिम्मेदार प्रथाओं को प्रोत्साहित करना था। इस गतिविधि में छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया

उपमुख्यमंत्री ने मीरां साहिब में पुल परियोजना के कार्य का निरीक्षण किया

जम्मू, 13 अप्रैल। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने आज जम्मू के मीरां साहिब में सतवारी-आर.एस. पुरा सड़क पर 7.42 करोड़ की लागत से बन रहे पुल परियोजना के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उपमुख्यमंत्री ने इस महत्वपूर्ण आधारभूत संरचना परियोजना के कार्य की गति और गुणवत्ता की समीक्षा की। उन्होंने निर्धारित गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से पालन करते हुए परियोजना को समय पर पूरा करने के महत्व पर जोर दिया।

पुल के महत्व को रेखांकित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना ऐतिहासिक महत्व रखती है और क्षेत्र के लोगों के लिए सुगम संपर्क और बेहतर आवागमन सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

इंजीनियरों और अधिकारियों से बातचीत करते हुए उन्होंने निर्माण की तकनीक, उपयोग की जा रही सामग्री की गुणवत्ता तथा अब तक हुई प्रगति के बारे में विस्तृत जानकारी ली।

उन्होंने कहा, हम इस परियोजना की लगातार निगरानी करेंगे और समय-समय पर निरीक्षण करेंगे ताकि कार्य निर्धारित मानकों के अनुसार हो।

उपमुख्यमंत्री ने पुल की सुरक्षा सुविधाओं की भी समीक्षा की, जिसमें पैदल यात्रियों के लिए फुटपाथ की व्यवस्था शामिल है, ताकि दुर्घटनाओं को रोका जा सके और आम जनता की सुविधा बढ़ाई जा सके।

निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियंता (आर एंड बी) राजेश कुमार अगस्तम, अधीक्षण अभियंता (स्श्व), कार्यकारी अभियंता तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उनके साथ मौजूद थे। इससे पहले, उपमुख्यमंत्री ने जम्मू के बिश्नाह क्षेत्र के सिकंदरपुर गांव स्थित सुख सागर भवन आश्रम का दौरा किया और मंदिर में दर्शन किए।

अमृता ने VCA का चौथा ओपन जम्मू 'स्मार्ट गर्ल बैसाखी कप' शतरंज टूर्नामेंट जीता

जम्मू, 13 अप्रैल। ऑल J&K शतरंज एसोसिएशन के तत्वावधान में, विवेक शतरंज अकादमी ने विवेक शतरंज अकादमी में अपना चौथा स्मार्ट गर्ल बैसाखी कप ओपन जम्मू शतरंज टूर्नामेंट आयोजित किया।

VCA की अमृता गुप्ता ने यह टूर्नामेंट जीता।

इस अवसर पर DSP (CID) जम्मू, स्वाति शर्मा मुख्य अतिथि थीं; उन्होंने विजेताओं को 3200/- रुपये नकद, ट्रॉफी और प्रमाण पत्र वितरित किए। विजेता-

प्रथम- अमृता गुप्ता - 6 (अंक)
द्वितीय - अवनि शर्मा - 5 (अंक)
तृतीय - अंजलि निशाद -4 (अंक)
चतुर्थ - गुंजन निशाद -3 (अंक)
5वां - नितिका निशाद -3 (अंक)
सर्वश्रेष्ठ अंडर-10- राएशा थोथला - 3 (अंक)

विवरण परिणाम थे-

राउंड-1

1) अमृता (1) हराना (गुंजन) (0) 2) मनुश्री (1) ने आर्वी (0) को हराया 3) नितिका (1) को बाई प्वाइंट मिला 4) अंजलि (1) ने पर्ल (0) को हराया 5) अवनी (1) ने राएशा (0) को हराया 6) रूबी (1) को बाई प्वाइंट मिला

7) स्तुति को (1) बाई प्वाइंट मिला

राउंड-2 1) अमृता (2) ने नितिका (1) को हराया 2) मनुश्री (2) ने अंजलि (1) को हराया 3) अवनि (2) ने स्तुति (1) को हराया

4) गुंजन (1) ने रूबी (1) को हराया 5) राएशा (1) ने पर्ल (0) को हराया राउंड - 3 1) अमृता (3) ने अवनि (2) को हराया 2) नितिका (2) ने मनुश्री (2) को हराया 3) राएशा (2) ने आर्वी (1) को हराया 4) अंजलि (2) ने रूबी (1) को हराया 5) स्तुति (2) ने गुंजन (1) को हराया राउंड 4 1) अमृता (4) ने अंजलि (2) को हराया 2) अवनि (3) ने मनुश्री (2) को हराया 3) स्तुति (3) ने नितिका (2) को हराया 4) राएशा (3) ने रूबी को हराया (1) 5) पर्ल (2) ने आर्वी (1) को हराया

राउंड - 5

1) अमृता (5) ने रायशा (3) को हराया 2) अवनि (4) नितिका (2) 3) पर्ल (3) ने स्तुति (3) को हराया 4) गुंजन (3) ने मनुश्री को हराया (2) 5) अंजलि (3) ने आरवी (1) को हराया

राउंड 6

1) अमृता (6) ने पर्ल (3) को हराया 2) अवनी (5) ने गुंजन (3) को हराया 3) अंजलि (4) ने स्तुति (3) को हराया 4) मनुश्री (3) ने रायशा (3) को हराया 5) नितिका (3) ने रूबी (2) को हराया

यह टूर्नामेंट चेस रैपिड गेम नियम के तहत 10 मिनट + 10 सेकंड के टाइम कंट्रोल के साथ आयोजित किया गया था।

पेयरिंग के लिए FIDE स्विस सॉफ्टवेयर का उपयोग किया गया था।

आशीर्वाद गिनना, बोझ नहीं- कृतज्ञता के साथ जीने की कला

आमिर इक़बाल ख़ान

भद्रवाह, 13 अप्रैल। सच तो यह है कि आपका दृष्टिकोण, आपका मनोभाव और आपकी जीवनशैली एक ही दिन में नहीं बनते। ये एक यात्रा का परिणाम होते हैं। और यदि हम सच में इस यात्रा को समझना चाहते हैं, तो हमें एक मूलभूत बात को पहचानना होगा, और वह है कृतज्ञता। कृतज्ञता केवल एक शब्द नहीं है। यह एक मानसिक अवस्था है। यह वह दृष्टिकोण है जो कमी के बजाय आशीर्वाद को देखता है, शिकायत के बजाय सराहना को अपनाता है। कृतज्ञता का अर्थ केवल धन्यवाद कहना नहीं है, यह जीने का एक तरीका है।

किसी ने कहा है कि कृतज्ञता हमें जो कुछ भी है, उसे पर्याप्त बना देती है, और यह बात सत्य है। कृतज्ञता वह दृष्टि है जो आपकी दुनिया को बदल देती है। यह एक चुनाव है। यह आपका निर्णय है कि आप जीवन को किस नजरिए से देखते हैं।

यह कोई प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि एक दृष्टिकोण है। यह परिस्थितियों पर निर्भर नहीं करता, बल्कि आपकी चेतना पर आधारित होता है। जब आप कृतज्ञ होते हैं, तो आपका ध्यान अभाव से हटकर समृद्धि की ओर चला जाता है।कृतज्ञता हमें वर्तमान क्षण में स्थिर रखती है। लेकिन हम वर्तमान में कैसे रहें? इसका उत्तर भी कृतज्ञता में ही है। यह हमें याद दिलाती है कि जो हमारे पास अभी है, वही सबसे बड़ा उपहार है। और जब आप कृतज्ञता के साथ जीते हैं, तो स्वयं जीवन भी आपका साथ देने लगता है। खुशी हमें कृतज्ञ नहीं बनाती, बल्कि कृतज्ञता हमें खुश बनाती है। बहुत से लोग मानते हैं कि वे खुशी प्राप्त करने के बाद कृतज्ञ होंगे। लेकिन जिनके पास सब कुछ होता हुआ भी वे हमेशा सच में खुश नहीं होते, क्योंकि उनमें कृतज्ञता की कमी होती है। सच्ची खुशी कृतज्ञता से ही आती है। आज की दुनिया में हम लगातार अगली सफलता, अगले कदम, अगले अनुभव और अगले लक्ष्य के पीछे भागते रहते हैं। लेकिन कृतज्ञता हमें ठहरने का अवसर देती है और यह याद दिलाती है कि हमारे पास पहले से ही कितना कुछ है। जब आप कृतज्ञ होते हैं, तो आपके भीतर विनम्रता का जन्म होता है। आप यह समझने लगते हैं कि हर आशीर्वाद केवल आपके अपने प्रयासों का परिणाम नहीं होता। इसके पीछे एक बड़ी बुद्धिमत्ता कार्य कर रही होती है। यह एहसास व्यक्ति को कोमल बनाता है और उसे दूसरों के प्रति अधिक संवेदनशील और सम्मानपूर्ण बनाता है। इसीलिए कृतज्ञता को अक्सर सभी गुणों की जननी कहा जाता है। यह न केवल मानसिक शांति लाती है, बल्कि आपके शरीर, आपकी नींद और आपके समग्र स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव डालती है। शोध बताते हैं कि जो लोग कृतज्ञता का अभ्यास करते हैं, वे अधिक शांति से जीवन जीते हैं, उनका हृदय अधिक स्वस्थ होता है और वे लंबा तथा अधिक सार्थक जीवन जीते हैं। क्या आपने कभी ध्यान दिया है कि जब आप शिकायत करते हैं, तो आपकी ऊर्जा कम हो जाती है, लेकिन जब आप कृतज्ञ महसूस करते हैं, तो आप ऊर्जावान हो जाते हैं? आपका मन हल्का महसूस करता है और सब कुछ अधिक संतुलित लगता है।

विश्वजीत के तूफानी शतक से जेंटल जायंट्स की 130 रन से शानदार जीत

जम्मू, 13 अप्रैल। विश्वजीत सिंह के तूफानी शतक की बदौलत जेंटल जायंट्स ने मौजूदा प्रथम जम्मू लोचन टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में टाइगर इलेवन को 130 रन से करारी शिकस्त दी। यह टूर्नामेंट जम्मू-कश्मीर मास्टर्स गेम्स एसोसिएशन द्वारा मौलाना आज़ाद स्टेडियम में आयोजित किया जा रहा है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए जेंटल जायंट्स ने 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 223 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। विश्वजीत सिंह ने 61 गेंदों पर 127 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें 10 छक्के और 8 चौके शामिल थे। यह टूर्नामेंट का पहला शतक भी रहा।

जवाब में टाइगर इलेवन इस बड़े लक्ष्य का पीछा नहीं कर सकी और 15.3 ओवर में मात्र 93 रन पर ऑलआउट हो गई, जिससे जेंटल जायंट्स को एकतरफा जीत मिली। विश्वजीत सिंह को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। एक अन्य मुकाबले में एपेक्स क्रिकेट क्लब ने तंत्रे स्पोर्ट्स क्लब को 6 विकेट से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए तंत्रे स्पोर्ट्स क्लब ने निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 140 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए एपेक्स क्रिकेट क्लब ने 15.1 ओवर में 4 विकेट खोकर आसानी से जीत हासिल कर ली। शुभम गुप्ता ने 30 गेंदों पर नाबाद 57 रन बनाए, जबकि अजय सिंह को उनकी शानदार गेंदबाजी (4 विकेट पर 18 रन) के लिए मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

भगवान श्री परशुराम जन्म महोत्सव का भव्य शुभारंभ, कलश यात्रा के साथ शुरू हुई श्रीमद् भागवत कथा

कठुआ, 13 अप्रैल (हि.स.)। श्री ब्राह्मण सभा कठुआ में भगवान श्री परशुराम जन्म महोत्सव का भव्य शुभारंभ धूमधाम और श्रद्धा के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भव्य कलश यात्रा से हुई, जो बैंड-बाजों और धार्मिक जयकारों के बीच निकाली गई।

कलश यात्रा में सैकड़ों महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महिलाएं सिर पर कलश लेकर कठुआ की प्राचीन बावलिया तक पहुंचीं, जहां से जल भरकर पुनः श्री ब्राह्मण सभा परिसर लौटीं।

पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था और वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। कलश यात्रा के उपरांत श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह का विधिवत शुभारंभ हुआ। इसके साथ ही भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव पर्व की शुरुआत भी हो गई। कथा के दौरान

श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक प्रवचनों का लाभ मिलेगा।

श्री ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष सुरेंद्र मेहता ने जानकारी देते हुए बताया कि सात दिवसीय इस धार्मिक आयोजन में प्रतिदिन श्री ब्राह्मण सभा परिसर में गंगाधर शास्त्री जी महाराज और कुलदीप शास्त्री जी (अखनूर वाले) द्वारा प्रवचन किए जाएंगे, जो संगत को धर्म और भक्ति के मार्ग पर प्रेरित करेंगे।

उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर श्रीमद् भागवत कथा और भगवद गीता के उपदेशों का श्रवण करें और इस पुण्य अवसर का लाभ उठाएं। कार्यक्रम का समापन 19 अप्रैल को होगा, जिसके उपरांत एक भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी। इसी के साथ सात दिवसीय भगवान श्री परशुराम जन्म महोत्सव का समापन किया जाएगा।